THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 121 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.3 2082 रविवार, 27 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

साइबराबाद साइबर अपराध पुलिस ने जुलाई में 45 धोखेबाजों को पकड़ा

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर अपराध पुलिस ने जुलाई महीने के दौरान 25 मामले सुलझाए हैं और 45 साइबर धोखेबाजों को गिरफ्तार किया है। इसी अवधि के दौरान, उन्होंने अदालतों से 40 मामलों में 153 रिफंड आदेश प्राप्त किए और साइबर अपराध पीड़ितों को कुल 99.1 लाख रुपये वापस किए। जांच से पता चला कि साइबर अपराधियों का नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है और अपराधी विभिन्न राज्यों से हैं। पुलिस ने बताया कि 45 गिरफ्तारियों में से 1% व्यापारिक धोखाधड़ी से जुड़ी थीं। अन्य मामलों में डिजिटल गिरफ्तारी, अंशकालिक नौकरी, विज्ञापन, कॉल सेंटर, ग्राहक सेवा, विवाह और व्यावसायिक धोखाधड़ी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय ने फसल विवरण दर्ज करने में

एसएआर डेटा का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रो. जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय द्वारा राज्य में उगाई जा रही फसलों के विवरण का आकलन राज्य के कृषि मंत्री श्री तुम्मला नागेश्वर राव ने सचिवालय में प्रो. जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित परियोजना पर एक समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में उगाई जा रही फसलों के क्षेत्रफल का आकलन करके आने वाले समय में सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव होगा। इसलिए, कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम अगस्त और सितंबर तक राज्य में उगाई जा रही फसलों के क्षेत्रफल का आकलन करने हेतु आवश्यक तकनीक और अन्य सुविधाओं का उपयोग करके उचित योजनाएं तैयार करे और सरकार उनके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। इसी प्रकार, उन्होंने विश्वविद्यालय

के अधिकारियों को आगामी समय में सरकार द्वारा लागू की जाने वाली फसल बीमा योजना के लिए व्यापक तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

विभिन्न तकनीकी संस्थानों के साथ पिछले परामर्शों के क्रम में आयोजित इस बैठक में, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मंत्रियों को सिंथेटिक एपर्चर डेटा पर आधारित एक स्विस कंपनी के साथ साझेदारी में किए गए प्रयोगों और उस तकनीक के आधार पर विभिन्न राज्यों में वर्षा ऋतु के दौरान फसलों की रिकॉर्डिंग में प्राप्त सटीकता के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, सेंसर लगाकर विभिन्न फसलों पर आक्रमण करने वाले कीटों का विवरण पहले से ही जाना जा सकता है, और इस दिशा में, मंत्री ने कुलपति को सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को इसी फसल ऋतु से विभिन्न फसलों पर प्रयोग करने चाहिए। दुनिया भर से प्राप्त हो रही सूचनाओं के आधार पर, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने माननीय मंत्रियों को बताया कि उपग्रह प्रौद्योगिकी के माध्यम से उपलब्ध जानकारी की तुलना में सेंसर के माध्यम से प्राप्त जानकारी के माध्यम से कीट नियंत्रण अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। बैठक में प्रैक्टिस प्रोफेसर डॉ. समीरेंदु मोहंती और वैज्ञानिक डॉ.टी.एल. नीलिमा, अनुसंधान निदेशक डॉ.वाई. बलराम, डिजिटल कृषि केंद्र के निदेशक डॉ.बी. बालाजी नायक ने भाग लिया।

पुराने शहर की सड़कें बारिश से क्षतिग्रस्त

गड्ढों और बाढ़ से यात्रियों के लिए खतरा बढ़ा

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार हो रही बारिश के कारण पुराने शहर के कई इलाकों में सड़कों की स्थिति खराब हो गई है। मिश्रीगंज, फतेह दरवाजा, तीगलकुंटा, नवाब साहब कुंटा, अमननगर, फतेहशाहनगर, जीएम चौकी, गौसनगर, गोलकुंडा सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तीगलकुंटा निवासी मिर्ज़ा महमूद बेग ने शिकायत की, बारिश के बाद छोटे-छोटे गड्ढे और भी चौड़े हो गए हैं और वाहन चालकों के लिए कमर तोड़ देने वाली सवारी बन गए हैं। बारिश के दौरान सड़कें और भी खतरनाक हो जाती हैं क्योंकि गड्ढे पानी से भर जाते हैं।

सड़क पर गिरने के डर से कई महिलाओं ने दोपहिया वाहनों पर घूमना बंद कर दिया है। एक निजी स्कूल की शिक्षिका आयशा जहां ने शिकायत करते हुए कहा, मैं कहीं भी जाने के लिए ऑटो रिक्शा किराए पर ले रही हूं। सड़कों की हालत इतनी खराब है कि कोई भी गाड़ी चलाने का जोखिम नहीं उठा सकता। भारी बारिश होने पर आरामगढ़, फलकनुमा, बंडलागुड़ा, दबीरपुरा, चत्रिनाका, खिलवत, राजन्ना बाउली जैसी कई सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। घंटों तक पानी जमा रहने से व्यस्त मार्गों पर सड़कों की सतह धंस गई है। उप्पुगुडा निवासी श्रीनिवास गौड़ ने बताया, सड़क पर रेत और कंकड़ जमा होने के कारण दोपहिया वाहन फिसल रहे हैं। जीएचएमसी के सफाई कर्मचारी इसे साफ नहीं कर पा रहे हैं।

आंगनवाड़ी केंद्र में स्लैब गिरने से 12 बच्चे बाल-बाल बचे

मेदक, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कौडीपल्ली मंडल के कुकटलपल्ली गांव में शुक्रवार को आंगनवाड़ी कक्षा की छत का स्लैब उनसे कुछ इंच की दूरी पर गिर जाने से 12 बच्चे बाल-बाल बच गए। बच्चे अभी कक्षा में दाखिल ही हुए थे कि अचानक स्लैब ढह गया। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई। शिक्षकों ने बताया कि पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण स्लैब ढह गया, जिससे शायद संरचना कमज़ोर हो गई थी।

हैदराबाद विश्वविद्यालय ने फोटोग्राफी प्रतियोगिता की घोषणा की

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व फोटोग्राफी दिवस 2025 के उपलक्ष्य में, हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) का संचार विभाग एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है, जो सभी फोटोग्राफी प्रेमियों के लिए खुली है। इस पहल का उद्देश्य रचनात्मक दृश्य कहानी कहने को प्रोत्साहित करना और महत्वाकांक्षी फोटोग्राफरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

यह प्रतियोगिता निशुल्क है और इसका समापन 19 से 23 अगस्त तक विश्वविद्यालय परिसर में एक फोटो प्रदर्शनी के साथ होगा। इसके अलावा, 19 और 20 अगस्त को फोटोग्राफी और दृश्य मीडिया के क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा वार्ता भी होगी, ऐसा यूओएच ने कहा। प्रतिभागी अपनी सर्वश्रेष्ठ फ़ोटोग्राफ़िक कृतियाँ 10 अगस्त (शाम 5 बजे) तक या उससे पहले प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रतियोगिता में सभी पात्र प्रतिभागियों को तीन पुरस्कार, तीन योग्यता प्रमाणपत्र और भागीदारी प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

जन्मदिन की पार्टी में पति ने बेवफाई के शक में कर दी महिला की हत्या

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके में एक चौंकाने वाली घटना में, अब्दुल्लापुरमेट में गुरुवार रात एक जन्मदिन समारोह के दौरान एक 35 वर्षीय महिला की उसके पति ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पीड़िता, जिसकी पहचान सम्मक्का के रूप में हुई है, सूर्यापेट जिले की निवासी थी और अब्दुल्लापुरमेट में अपने पति की भतीजी के घर के पास एक किराए के मकान में अलग रह रही थी। उसके परिवार में उसके पति श्रीनिवास (जो एक निजी कर्मचारी हैं) और उनके दो बच्चे हैं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, दंपति के बीच वैवाहिक कलह चल रही थी, जिसकी मुख्य वजह श्रीनिवास का सम्मक्का की वफ़ादारी पर शक था। हाल के महीनों में कथित तौर पर यह विवाद और बढ़ गया था, और दंपति ने तलाक के अपने फैसले के बारे में दोनों परिवारों के बड़ों को सूचित कर दिया था। सम्मक्का और श्रीनिवास दोनों राजेश्वरी (श्रीनिवास की भतीजी) के घर पर आयोजित एक जन्मदिन की पार्टी में शामिल हुए थे, जो उनकी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए आयोजित की गई थी। केक काटने की रस्म के बाद, श्रीनिवास ने कथित तौर पर केक काटने वाला चाकू उठाया और सम्मक्का पर हमला कर दिया, और उस पर कई बार वार किया।

गंभीर चोटों के कारण सम्मक्का की मौके पर ही मौत हो गई। वहां मौजूद मेहमान सदमे में आ गए, और इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, श्रीनिवास वहां से भाग गया। अब्दुल्लापुरमेट पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। बाद में श्रीनिवास को हिरासत में ले लिया गया, हालांकि खबर लिखे जाने तक उनकी औपचारिक गिरफ्तारी की घोषणा नहीं की गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया चल रही है।

गौरीगुंडला झरने को 6 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन स्थल के रूप में किया जाएगा विकसित

पेद्दापल्ली, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली जिले में गौरीगुंडला (सब्बितम) झरने को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 6 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी गई है। पर्यटन विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन ने बुधवार को इस आशय के आदेश जारी किए। इस धनराशि का उपयोग उस स्थल पर बुनियादी ढांचे और सुरक्षा सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा, जहां मानसून के मौसम में भीड़ बढ़ती जा रही है। स्थानीय विधायक सी. विजयरमन राव, जिन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले इस स्थल के विकास का वादा किया था, ने बाद में झरने का दौरा किया और अधिकारियों को परियोजना का अनुमान तैयार करने के निर्देश दिए। 12 करोड़ रुपये की एक विस्तृत योजना तैयार की गई, जिसमें से अब 6 करोड़ रुपये स्वीकृत हो चुके हैं।

कुल स्वीकृत राशि में से 4.5 करोड़ रुपये के कार्य पर्यटन विभाग द्वारा किए

जाएंगे, जबकि वन विभाग 1.5 करोड़ रुपये की राशि के कार्य निष्पादित करेगा। प्रमुख कार्यों में सब्बीथम गांव से झरने तक तीन किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण और आगंतुकों के लिए बैठने की जगह, दर्शनीय स्थल, शौचालय और साइनेज जैसी सुविधाओं का विकास शामिल है। पिछली घटनाओं को देखते हुए, जहां युवाओं ने घटनास्थल पर अपनी जान गंवाई थी, सुरक्षा ढांचे को भी प्राथमिकता दी जा रही है। गौरीगुंडला जलप्रपात सब्बितम से तीन किलोमीटर और पेद्दापल्ली-मंथनी मुख्य मार्ग पर पेद्दापल्ली शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित है। घने जंगल में बसा और पहाड़ियों से घिरा यह स्थल, अपने लंबे लेकिन कम ज्ञात इतिहास के बावजूद, हाल के वर्षों में अपने प्राकृतिक आकर्षण के लिए लोकप्रिय हो गया है।

पर्यटक, खासकर युवा, अक्सर झरने के पानी में नहाने और सेल्फी लेने के लिए इस इलाके में आते हैं। हालांकि, इस जगह पर कुछ दुखद घटनाएं भी हुई हैं। 2022 में, सेल्फी लेते समय एक युवक पहाड़ी की चोटी से गिरकर मर गया। 2023 में, एक और व्यक्ति नहाते समय डूब गया। एहतियात के तौर पर, पुलिस ने 2024 में इस जगह को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। अधिकारियों ने चेतावनी बोर्ड लगा दिए हैं तथा पर्यटकों को पहाड़ियों पर चढ़ने तथा असुरक्षित क्षेत्रों में जाने से रोकने के लिए स्थायी सुरक्षा उपाय करने की योजना बना रहे हैं। प्राकृतिक आकर्षण के अलावा, इस स्थल पर एक छोटा गौरी लिंगेश्वर मंदिर भी है जिसमें चंडी, ब्रह्मा, विष्णु और महेश्वर सहित देवताओं की मूर्तियां हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि भगवान राम और सीता अपने वनवास के दौरान इस स्थान पर आए थे।

नियमित रूप से यहाँ आने वाले देवेंद्र रेड्डी ने इस झरने को जंगली पहाड़ियों के बीच बसा एक शांत स्थान बताया। उन्होंने विकास पहल का स्वागत किया, लेकिन एक स्थायी सड़क की आवश्यकता और रोमांच चाहने वाले युवाओं को सेल्फी के लिए चट्टानों पर चढ़ने से रोकने के उपायों पर ज़ोर दिया।

वन विभाग ने की आदिलाबाद में हथियार और वन पुलिस स्टेशन की मांग

आदिलाबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वृक्षारोपण अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों पर हाल ही में हुए हमले और पथराव की घटना से चिंतित वन विभाग के अधिकारियों ने सरकार से आत्म-सुरक्षा तंत्र को बढ़ाने और वन पुलिस बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का आग्रह किया है। सरकार को सौंपे गए पत्रों में वन अधिकारियों ने आत्मरक्षा के लिए हथियार रखने की अनुमति मांगी है तथा इकोडा मंडल के सिरीचेल्मा गांव में वन पुलिस स्टेशन की स्थापना की अपनी लंबे समय से लंबित मांग दोहराई है। यह क्षेत्र अवैध लकड़ी तस्करी और कर्मियों पर हमलों के लिए जाना जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि वन अधिकारियों को हथियार देने का प्रस्ताव कई वर्षों से लंबित है, जबकि पूर्व में तस्करों द्वारा वन रेंज अधिकारी स्तर के कर्मचारियों की हत्या सहित हिंसा की घटनाएं बार-बार होती रही हैं।

उन्होंने बताया कि सागौन तस्करों का ख़तरा बढ़ रहा है। इकोडा जैसे वन क्षेत्रों में गश्त करते समय उच्च अधिकारियों को हथियारों की ज़रूरत होती है। सिरीचेल्मा में प्रस्तावित वन पुलिस स्टेशन का उद्देश्य वन बीट अधिकारियों जैसे अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की सुरक्षा करना होगा, जो अक्सर अकेले जंगलों में गश्त करते हैं और हमलों का शिकार हो सकते हैं। अगर इस स्टेशन को मंज़ूरी मिल जाती है, तो इसमें दस सशस्त्र कर्मचारी होंगे और यह केरल, असम और पश्चिम बंगाल में पहले से संचालित वन पुलिस स्टेशनों की तरह ही काम करेगा।

वन अधिकारियों ने बताया कि विभाग की सतर्कता एवं प्रवर्तन शाखा मामले की जांच कर रही है। वन विभाग कर्मचारी संघ ने भी सरकार को पत्र लिखकर बढ़ते खतरों के मद्देनजर तत्काल सुरक्षा उपाय करने की मांग की है। जिले में वन एवं पुलिस कर्मियों के खिलाफ नियमित हिंसक घटनाओं का हवाला देते हुए अधिकारियों ने कहा कि ये हमले मनोबल तोड़ने वाले हो गए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा में सुधार से मनोबल बढ़ाने में मदद मिलेगी। अन्यथा, खराब सुरक्षा कर्मचारियों को असुरक्षित और जोखिम में डाल देगी। वन अधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि इकोडा में सागौन और रेत तस्कर तेजी से कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं, तथा कुछ राजनीतिक नेता उन्हें कानून-व्यवस्था को बाधित करने के लिए उकसा रहे हैं।

तीसरे दिन भी मध्यम बारिश जारी

आसिफाबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन हल्की से मध्यम बारिश जारी रही। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी के अनुसार, जिले में औसत वर्षा 35.3 मिमी दर्ज की गई, जिसमें कौटाला मंडल में सबसे ज़्यादा 83.9 मिमी बारिश हुई। चिंतलमनेपल्ली मंडल में %5 मिमी, जबकि बेज्जूर और सिरपुर (टी) मंडलों में क्रमशः 65 मिमी और 52.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। 1 जून से 25 जुलाई तक, जिले में सामान्य 480 मिमी बारिश के मुकाबले 543 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 13 प्रतिशत का विचलन दर्शाता है। उफनती पहाड़ी नदियों ने चिंतलमनेपल्ली, कौटाला, बेज्जूर और दहेगांव मंडलों के कई गाँवों का संपर्क बाधित कर दिया है। किसानों ने बारिश के कारण खड़ी कपास की फसल को नुकसान पहुंचने की सूचना दी है।

बोनालू उत्सव के दौरान शी टीम्स ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की 644 अपराधी पकड़े गए

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बोनालू उत्सव समारोहों के दौरान किए गए गहन सुरक्षा और निगरानी उपायों के तहत शी टीम्स हैदराबाद ने महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक समारोहों और उत्सव जुलूसों की सक्रिय रूप से निगरानी की। गोलकोंडा बोनालू, बालकम्पेट येल्लम्मा बोनालू, उज्जैनी महांकाली बोनालू (सिकंदराबाद) और लालदरवाजा महांकाली बोनालू सहित प्रमुख बोनालू स्थलों पर टीमों की रणनीतिक तैनाती की गई। शी टीमों की सतर्क उपस्थिति और त्वरित हस्तक्षेप से, कुल 644 व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न में लिप्त रंगे हाथों पकड़ा गया, जिसमें छेड़छाड़, अनुचित व्यवहार, महिलाओं की सहमति के बिना उनका वीडियो बनाना और सार्वजनिक शालीनता और महिला सुरक्षा का उल्लंघन करने वाले अन्य कृत्य शामिल हैं। इनमें 552 बालिग और 92 नाबालिग थे।

उत्पीड़न के प्रति शून्य सहनशीलता के तहत, पांच व्यक्तियों राम आनंद पुत्र घनशाम (51 वर्ष), नीलकंठ पुत्र चन्नबुरप्पा (48 वर्ष), बलराजू पुत्र शंकर (36 वर्ष), लक्ष्मण पुत्र विश्वनाथ (42 वर्ष) और दिनेश पुत्र कृष्णा (34 वर्ष) को महिला श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार करते रंगे हाथों पकड़े जाने पर अदालत में पेश किया गया। प्रस्तुत साक्ष्यों और अपराध की गंभीरता के आधार पर, मंदा मुरली, आईएएस वें विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, नामपल्ली ने हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम की धारा %0(सी) के तहत अपराधियों को % दिन के कारावास की सजा सुनाई।

संगारेड्डी छात्रावास में छात्रों को कीड़े लगे चावल परोसने पर वार्डन निलंबित

संगारेड्डी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जिला आदिवासी कल्याण अधिकारी अखिलेश रेड्डी ने कलेक्टर पी प्रवीण्या के निर्देश पर चौटाकूर मंडल के बोम्मारेड्डीपेट स्थित आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालय की छात्रावास वार्डन शोभा को निलंबित कर दिया।

यह कदम छात्रों द्वारा कीड़ों वाले चावल परोसे जाने के विरोध के बाद उठाया गया। छात्रों ने दूषित भोजन परोसे जाने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया था। चावल में कीड़े रेंगते हुए दिखाई देने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिसके बाद कलेक्टर प्रवीण्या ने तत्काल जांच के आदेश दिए। जांच के बाद, अखिलेश रेड्डी ने छात्रों की शिकायतों की पुष्टि की और कलेक्टर को एक रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट के आधार पर, कलेक्टर ने रेड्डी को वार्डन को निलंबित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने आदिवासी कल्याण अधिकारी को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि छात्रों को पौष्टिक भोजन मिले और छात्रावास परिसर स्वच्छ स्थिति में रहे।

कुत्तों का आतंक, छह महीने में तीन हजार से ज्यादा लोगों को काटा

संगारेड्डी, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बच्चों पर हाल ही में हुए आवारा कुत्तों के हमलों ने पूर्ववर्ती मेदक जिले में आवारा कुत्तों की आबादी में अनियंत्रित वृद्धि और इसे रोकने में स्थानीय अधिकारियों की विफलता को उजागर कर दिया है। पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम को लागू करने के लिए क्षेत्र भर की पंचायतों और नगर निकायों ने आवारा कुत्तों की आबादी का सर्वेक्षण किया है। सर्वेक्षण के अनुसार, अकेले संगारेड्डी जिले में 62,2%5 आवारा कुत्ते थे, जबकि सिद्दीपेट और मेदक जिलों में क्रमशः 4%,568 और 1%,636 कुत्ते दर्ज किए गए। हालांकि, सर्वेक्षण में वैज्ञानिक पद्धति के अभाव के कारण कई कुत्तों की गिनती नहीं हो पाई। जिन इलाकों में एबीसी का सही तरीके से पालन किया गया, वहां अधिकारियों ने कुत्तों के काटने के मामलों में कमी देखी। उदाहरण के लिए, नारायणखेड़ के नगर निगम अधिकारियों ने पहचाने गए 380 कुत्तों में से 348 पर एबीसी का पालन किया, जिसके परिणामस्वरूप काटने की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई।

इसके विपरीत, मेदक जिले के टेकमल मंडल में जनवरी से अब तक 252 लोगों ने सरकारी अस्पतालों में एंटी-रेबीज इंजेक्शन लिए हैं, जबकि सिद्दीपेट के चिन्ना कोडुर मंडल में अकेले 2025 में 286 कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आई हैं, जो मंडल स्तर पर इस समस्या के पैमाने का स्पष्ट संकेत है। अमीनपुर नगर पालिका में 1,800 आवारा कुत्तों की पहचान की गई, लेकिन केवल 355 पर ही एबीसी किया गया। ग्राम पंचायतें और नगर पालिकाएं प्रत्येक एबीसी प्रक्रिया के लिए 1,500 से 1,650 रुपये का भुगतान कर रही हैं, लेकिन अधिकांश स्थानीय निकायों को धन की कमी के कारण इस अभियान को जारी रखने में कठिनाई हो रही है।

बेजंकी मंडल मुख्यालय में हाल ही में एक ही दिन में 28 लोगों पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को झुंड में घूमते कुत्तों के डर से इधर-उधर घूमना मुश्किल हो रहा है। दोपहिया वाहन चालक और साइकिल सवार स्कूली बच्चे अक्सर कुत्तों के निशाने पर होते हैं। मेदक जिले के शिवमपेट मंडल के रूपला थांडा में 18 जुलाई को कुत्ते के हमले से तीन साल के बच्चे नितिन की मौत से जनाक्रोश बढ़ गया है। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने राज्य सरकार से कुत्तों के काटने के मामलों, मौतों, टीकाकरण प्रयासों और एबीसी उपायों पर एक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। पिछले साल, संगारेड्डी जिले में कुत्तों के काटने के 1,465 मामले दर्ज किए गए, जबकि मेदक और सिद्दीपेट में क्रमशः 2,215 और 1,120 मामले दर्ज किए गए। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, जनवरी से अब तक, तीनों जिलों में कुत्तों के काटने के लगभग 3,000 मामले दर्ज किए गए हैं।

तल्लाडा पीएसीएस में यूरिया के लिए किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन

खम्मम, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के अपने जिले खम्मम में किसानों को यूरिया के लिए विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो उर्वरक की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में राज्य सरकार की विफलता को दर्शाता है। सभी किसानों के लिए पर्याप्त यूरिया की आपूर्ति की मांग को लेकर बड़ी संख्या में किसानों ने तल्लाडा प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पीएसीएस) कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। पैक्स के अंतर्गत आने वाले 10 गांवों के लगभग 200 किसान यह जानकर कि शुक्रवार को यूरिया से भरा एक ट्रक आ रहा है, स्टॉक पॉइंट पर पहुंच गए। लेकिन पैक्स कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि केवल 200 बोरी ही उपलब्ध हैं और 200 बोरी किसी दूसरी सोसाइटी को भेजी जा रही हैं। किसानों ने जानना चाहा कि बोरियां कहां भेजी जा रही हैं। यूरिया के कालाबाजारी में जाने की आशंका के चलते किसानों ने विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। पीएसीएस आयोजकों और पुलिस द्वारा सभी किसानों को उनका हिस्सा मिलने का आश्वासन मिलने के बाद ही आंदोलन वापस लिया गया।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के मधिरा निर्वाचन क्षेत्र में, किसानों को कथित तौर पर चिंताकानी पीएसीएस गोदाम में घंटों इंतज़ार करना पड़ा, तथा यूरिया के बैग हासिल करने के लिए उन्हें अपने जूते-चप्पल छोड़कर कतार में खड़े रहना पड़ा। कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव के हालिया बयान के अनुसार, उर्वरक विभाग ने वनकालम 2025 के लिए विभिन्न ग्रेड के 23.%5 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) उर्वरक आवंटित किए हैं, जिनमें 9.80 लाख मीट्रिक टन यूरिया भी शामिल है। मंत्री ने कहा कि यह स्टॉक जुलाई तक चलेगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 121 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.3 2082 रविवार, 27 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

राहुल को देर से समझ आता है : भाजपा

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को ओबीसी वर्ग को लेकर बड़ा बयान दिया था। राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को जिस तरह से इस वर्ग के हितों की रक्षा करनी थी, वह कार्य उस प्रकार से नहीं हुआ। राहुल के इस बयान पर भाजपा समेत अन्य दलों ने निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, राहुल जी को बहुत देर से समझ आती है। पहले उन्होंने इमरजेंसी के लिए माफी मांगी। फिर उन्होंने सिख दंगों के लिए माफी मांगी। फिर उन्होंने ओबीसी से माफी मांगी। कांग्रेस ने ओबीसी के लिए क्या किया? कांग्रेस ने ओबीसी को हर संभव कुचलने का काम किया।

मोदी मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हुए

भारत ने मालदीव की सेना को 72 गाड़ियां गिफ्ट कीं

> उपराष्ट्रपति से ट्रेड-एनर्जी पर बात की > विपक्षी पार्टियों के नेताओं से भी मिले

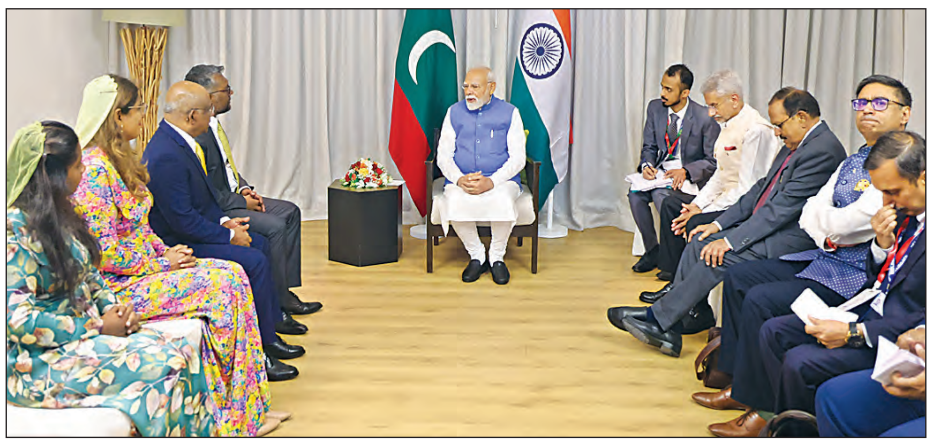

माले, 26 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदीव दौरे का आज दूसरा दिन है। वे आज मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान भारत और मालदीव के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 60 साल पूरे होने का जश्न भी मनाया गया। 1887 से लेकर 1965 तक मालदीव की विदेश नीति और रक्षा ब्रिटिश कंट्रोल में थी। 26 जुलाई 1965 को उसे पूर्ण स्वतंत्रता मिली।

पीएम मोदी ने इससे पहले उपराष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ, स्पीकर अब्दुल रहीम अब्दुल्ला और पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद से भी मुलाकात की। इसमें ट्रेड, एनर्जी, क्लाइमेट चेंज, इन्फ्रास्ट्रक्चर और तकनीक पर बात की। इसके अलावा उन्होंने मालदीव की विपक्षी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात कर दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुइज्जू के बीच कर्ज, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए), मत्स्य पालन और वॉटर कृषि, डिजिटल परिवर्तन, फार्माकॉपिया और यूपीआई समेत कुल 8 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। मोदी और मुइज्जू ने माले में रक्षा मंत्रालय के नए भवन का उद्घाटन भी किया। भारतीय पीएम ने मालदीव को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एक पौधा गिफ्ट किया। भारत सरकार ने मालदीव की सेना एमएनडीएफ (मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल) को 72 गाड़ियां तोहफे में दी हैं। ये गाड़ियां मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय में हुई एक बैठक के दौरान सौंपी गई इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक प्रतीकात्मक चाबी राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू को सौंपते हुए इन वाहनों को एमएनडीएफ को भेंट किया।

डेमोक्रेटिव ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग में मोदी टॉप पर

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने शनिवार को जारी 'डेमोक्रेटिव ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग' में टॉप स्थान प्राप्त किया है। उन्हें 75 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है। दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यंग हैं। जे म्यंग को 75 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अंडर 5 में जगह नहीं मिली है। ये आंकड़े अमेरिका स्थित व्यवसायिक खुफिया फर्म मॉर्निंग कंसल्ट जारी करती है। ट्रम्प को 45 प्रतिशत से कम अप्रूवल रेटिंग के साथ आठवां स्थान मिला है। यह ताजा ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग 4 से 10 जुलाई 2025 के बीच की है। मॉर्निंग कंसल्ट अमेरिका स्थित एक व्यवसायिक खुफिया और डेटा विश्लेषण कंपनी है। इसका सर्वे दुनिया भर के नेताओं, विशेष रूप से लोकतांत्रिक देशों के नेताओं की जन-स्वीकृति रेटिंग को मापता है। यह सर्वे विभिन्न देशों में हजारों लोगों के डेली इंटरव्यू बेसिस के आधार पर किया जाता है।

शाह के कड़े निर्देश

आतंकी संचार-नशे की समस्या से निपटने की तैयारी

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवादी समूहों द्वारा एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करने पर चिंता जताई और साथ ही इस समस्या से निपटने के लिए एक विशेष मंच स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि आतंकी संगठनों के सोशल मीडिया के जरिए खुफिया संचार पर लगाम कसी जा सके।

गृह मंत्री ने भगोड़ों को वापस लाने के लिए भी एक मजबूत तंत्र और बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपील की। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 8वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ये बातें कही। इस सम्मेलन में देशभर से 800 के करीब अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें से कुछ भौतिक तो कुछ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया।

बॉर्डर पर बीएसएफ की कार्रवाई में दो संदिग्ध बांग्लादेशी तस्कर ढेर

अगरतला, 26 जुलाई (एजेंसियां)। त्रिपुरा के दक्षिणी इलाके में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) ने तस्करी की कोशिश नाकाम करते हुए दो संदिग्ध बांग्लादेशी तस्करों को गोली मार दी। यह घटना शुक्रवार तड़के अमजदनगर इलाके में हुई। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि जब तस्करी रोकने की कोशिश की गई, तब तस्कर आक्रामक हो गए, जिसके बाद आत्मरक्षा में गोली चलाई गई।

भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर की इंफाल घाटी के पांच जिलों में सुरक्षा बलों ने शनिवार को एक साथ कई इलाकों में अभियान चलाया और 90 हथियार, 728 गोलियां और विस्फोटक बरामद किए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक गोपनीय सूचना के आधार पर इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, थोबल, ककचिंग और बिष्णुपुर जिलों में एक साथ अभियान चलाया गया। यह अभियान मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सेना और असम राइफल्स की टीमों ने मिलकर चलाया। इस अभियान में बरामद किए गए 90 हथियारों में तीन एके सीरीज की राइफल, एक एम16 राइफल, पांच आईएनएसएएस राइफल, एक आईएनएसएएस एलएमजी, चार एसएलआर, 20 पिस्टल, चार कार्बाइन, सात .303 राइफल और आठ अन्य राइफल शामिल हैं। इसके अलावा, 728 गोलियां और विस्फोटक बरामद किए गए, जिनमें 21 ग्रेनेड और छह आईईडी शामिल हैं। साथ ही 21 मैगजीन और 24 वायरलेस हैंडसेट भी मिले।

> जस्टिस बीआर गवई का बड़ा एलान

रिटायरमेंट के बाद नहीं लूंगा कोई सरकारी पद

अमरावती, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि वह 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होने के बाद किसी भी सरकारी पद को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने यह साफ किया कि रिटायरमेंट के बाद वह केवल परामर्श और मध्यस्थता का कार्य करेंगे। अमरावती जिला और सत्र न्यायालय में स्वर्गीय टीआर गिल्डा मेमोरियल ई-लाइब्रेरी के उद्घाटन कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। सीजेआई गवई ने कहा कि मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं कि रिटायरमेंट के बाद कोई भी सरकारी पद नहीं स्वीकार करूंगा। मैं परामर्श और मध्यस्थता के जरिए ही अपने अनुभव से जुड़ी सेवाएं देता रहूंगा। उन्होंने आगे यह भी कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनाए रखना आवश्यक है और वह इसके प्रति प्रतिबद्ध हैं। जस्टिस गवई 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। उन्होंने अपने गृह जिले अमरावती में स्थित अपने गांव दरापुर में शुक्रवार को अपने पिता आरएस गवई की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

लोकसभा में बेहतर काम के लिए मिला सम्मान

संसद रत्न पुरस्कार से नवाजे गए रवि किशन समेत 17 सांसद

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में बेहतर काम करने पर 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इसके अलावा चार सांसदों को विशेष जूरी पुरस्कार दिया। संसद रत्न पुरस्कार पाने वालों में गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन, एनसीपी शरद की सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत समेत 17 सांसद शामिल हैं।

वहीं तीन कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में निरंतर योगदान देने वाले चार सांसदों को चार विशेष जूरी पुरस्कार दिए गए। इसमें ओडिशा से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, केरल के सांसद एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना सांसद श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं।

संसद रत्न पुरस्कार पाने वाले सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), विद्युत बरन महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं। संसदीय समिति श्रेणी में भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली वित्त संबंधी स्थायी समिति और डॉ. चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस) की अध्यक्षता वाली कृषि संबंधी स्थायी समिति को उनकी रिपोर्टों की गुणवत्ता तथा विधायी निगरानी में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर से पाक को सीधा संदेश : आर्मी चीफ

नई दिल्ली/द्रास, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की गई सर्जिकल स्ट्राइक पाकिस्तान को सीधा संदेश था कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भी था, जो पूरे देश को गहरा घाव दे गया था। इस बार भारत ने हादसे पर शोक तो व्यक्त किया, साथ ही करारा जवाब भी दिया। जनरल द्विवेदी ने ये बातें लद्दाख के द्रास में कारगिल विजय दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा- दुश्मन को जवाब देना अब न्यू नॉर्मल है। कारगिल विजय दिवस के 26 साल पूरे होने पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचे। उनके साथ तीनों सेना प्रमुख भी मौजूद रहे। राजनाथ ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

निसार मिशन 30 जुलाई को होगा लॉन्च

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 30 जुलाई को निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन के प्रक्षेपण के साथ एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने की तैयारी कर रहा है।

इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ.वी. नारायणन के अनुसार उपग्रह को एक भारतीय रॉकेट द्वारा पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। नारायणन ने कहा, 30 जुलाई को हम निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन शुरू करने जा रहे हैं। उपग्रह को भारतीय रॉकेट द्वारा कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने कहा कि निसार (इसरो और नासा का पहला संयुक्त पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है) को 30 जुलाई को शाम 5:40 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। इस मिशन का बजट करीब 12,500 करोड़ रुपये है।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर की थी विवादित टिप्पणी

एसआईटी ने की मंत्री विजय शाह से पूछताछ, सुप्रीम कोर्ट में जल्द होनी है सुनवाई

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह से एसआईटी ने पूछताछ की है। एसआईटी ने उनके बयान भी दर्ज किए हैं। याद दिलाना जरूरी होगा कि पाकिस्तान में चल रहे आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के जरिये की गई एयर स्ट्राइक के बारे में देश को जानकारी देने की जिम्मेदारी भारत ने दो महिला अफसरों को सौंपी थी। इनमें एक महिला अफसर कर्नल सोफिया कुरैशी और दूसरी भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह थीं। इसके बाद कर्नल सोफिया कुरैशी मीडिया के चैनलों पर छा गई थीं लेकिन इसी दौरान कुंवर विजय शाह की एक टिप्पणी को लेकर जबरदस्त बवाल हो गया।

सूत्रों ने बताया कि कुंवर विजय शाह से पूछताछ लगभग एक घंटे तक चली और यह इस हफ्ते की शुरूआत में जबलपुर में हुई। इस मामले में 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है और माना जा रहा है कि उससे पहले एसआईटी अदालत को अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। शाह का बयान दर्ज करने में हुई देरी पर विपक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विपक्ष ने जांच की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाया है। कुंवर विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर एक टिप्पणी की थी हालांकि उन्होंने उनका नाम नहीं लिया था। शाह ने एक कार्यक्रम में कहा था कि भारत ने पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकियों को उनकी ही बहन भेजकर सबक सिखाया। टिप्पणी के बाद उनकी काफी आलोचना हुई थी।

इस टिप्पणी पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी और पुलिस से कहा था कि उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करें। चारों ओर आलोचना होने के बाद कुंवर विजय शाह ने अपनी टिप्पणी पर खेद जताया था और कहा था कि वह कर्नल सोफिया कुरैशी का अपनी बहन से भी ज्यादा सम्मान करते हैं।

कुंवर विजय शाह बीजेपी में आदिवासी समुदाय के बड़े नेता हैं। कुंवर विजय शाह अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित हरसूद सीट से लगातार आठ बार चुनाव जीत चुके हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 27 जुलाई, 2025 4

सुविचार
सिर्फ सोच का ही फर्क है, वरना समस्याएँ आपको, कमजोर नहीं मजबूत बनाती है..!

हैदराबाद वैश्विक कानूनी तकनीक केंद्र के रूप में उभर रहा है : श्रीधर बाबू

'द ग्रैंड मास्टर्स 2025- हैदराबाद संस्करण' का समापन

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद तेज़ी से कानूनी तकनीक के एक वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, जिससे तेलंगाना ब्रांड की वैश्विक उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। वे शनिवार को नोवोटेल एचआईसीसी में लेक्स विटनेस द्वारा आयोजित 'द ग्रैंड मास्टर्स 2025- हैदराबाद संस्करण' के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। मेरी पेशेवर यात्रा एक वकील के रूप में शुरू हुई और बाद में, अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण, मैं राजनीति में आ गया। समय के साथ, न्यायिक प्रणाली में, विशेष रूप से तकनीक को अपनाने के साथ, काफी बदलाव आया है। आज, एआई-संचालित कानूनी अनुसंधान, आभासी अदालतें, रीयल-टाइम केस ट्रैकिंग और ई-फाइलिंग जैसे उपकरण कानूनी प्रक्रियाओं के अभिन्न अंग बन गए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वकील सिर्फ़ अदालत के अधिकारी ही नहीं हैं, बल्कि समानता के शिल्पकार और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के संरक्षक भी हैं। आधुनिक वकील सिर्फ़ कानूनी विशेषज्ञ ही नहीं हैं- वे व्यवसाय को सक्षम बनाने वाले, अनुपालन मार्गदर्शक और तकनीक-एकीकृत सलाहकार के रूप में उभरे हैं। नैसकॉम लीगल टेक रिपोर्ट 2025 के अनुसार, लगभग 63 प्रतिशत बड़े भारतीय उद्यम अपने कानूनी कार्यों के लिए एआई और स्वचालन पर निर्भर हैं। श्रीधर बाबू ने आगे कहा कि हैदराबाद में 120 से ज़्यादा लीगल टेक स्टार्टअप हैं जो ई-डिस्कवरी, विवाद विश्लेषण और वर्चुअल आईपीआर प्लेटफ़ॉर्म जैसे क्षेत्रों में अभिनव समाधानों पर काम कर रहे हैं। मंत्री ने भारतीय न्यायपालिका में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त की। पिछले साल दिसंबर तक, देश भर में 5.1 करोड़ से ज़्यादा मामले लंबित थे, जिनमें से अकेले ज़िला अदालतों में 4.5 करोड़ मामले लंबित थे। तेलंगाना में भी 10 लाख से ज़्यादा मामले लंबित हैं। न्याय में देरी, न्याय न मिलने के बराबर है और इस वास्तविकता पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। वक़्त की प्रैक्टिस सिर्फ़ जीविका के साधन के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी के रूप में की जानी चाहिए। सिर्फ़ कानून की जानकारी होना ही काफ़ी नहीं है। वकीलों को बदलते परिवेश के साथ जटिल मुद्दों को सुलझाने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। आपका सच्चा मुवक्किल सिर्फ़ वह व्यक्ति या संस्था नहीं है जिसने आपको नौकरी पर रखा है, बल्कि पूरा क़ानूनी तंत्र है जो आपकी ईमानदारी और क्षमता पर निर्भर करता है। संविधान की प्रस्तावना का हवाला देते हुए, मंत्री ने युवा वकीलों से सभी के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध होने और हमेशा न्याय के पक्ष में खड़े होने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में लेक्स विटनेस के प्रतिनिधि अभिजीत और श्रीनिवास के साथ-साथ विभिन्न कंपनियों के कानूनी प्रमुखों ने भी भाग लिया।

बीआरएस ने रेवंत रेड्डी के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी मन्ने गोवर्धन रेड्डी और पार्षद मन्ने कविता रेड्डी सहित भारत राष्ट्र समिति के नेताओं ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव पर निशाना साधते हुए अपमानजनक टिप्पणी की थी। बीआरएस नेताओं ने पुलिस से आग्रह किया है कि वे मुख्यमंत्री के बयानों की गहन जांच करें, जिनके बारे में उनका आरोप है कि वे अपमानजनक और भड़काऊ हैं, तथा उचित कानूनी कार्रवाई करें। यह शिकायत बीआरएस नेताओं द्वारा पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव और अन्य विपक्षी नेताओं के खिलाफ इसी तरह की टिप्पणी करने के लिए रेवंत रेड्डी के खिलाफ की गई शिकायतों की श्रृंखला के बाद आई है।

कैंटीन के कूड़ेदान में मिला शिशु का शव

संगारेड्डी, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद स्थित क्षेत्रीय अस्पताल की कैंटीन के अंदर कूड़ेदान में शनिवार को एक शिशु का शव मिला।

अज्ञात व्यक्तियों द्वारा शव को कूड़ेदान में छोड़े जाने का संदेह है। पुलिस ने अपराधियों का पता लगाने के लिए परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि शिशु के माता-पिता ने अंतिम संस्कार न कर पाने के कारण शव को छोड़ दिया होगा। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

राजनीति को दरकिनार करते हुए क्षेत्र के विकास का प्रयास : बंडी संजय कुमार

छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें वितरित की गई

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर संसदीय क्षेत्र के हुस्नाबाद केंद्र में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली कक्षा 10 की छात्राओं को 'मोदी कनुका' के नाम से निःशुल्क साइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बताया कि छात्रों की पहली संपत्ति साइकिल होती है, और वह संपत्ति करीमनगर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को प्रदान की जा रही है।

मैं उनसे आह्वान करता हूं कि वे सरकारी स्कूलों में पढ़ें और उपहार स्वरूप साइकिल प्राप्त करें। इस अवसर पर घोषणा की गई कि जब तक मैं सांसद हूं, तब तक प्रत्येक वर्ष छात्रों को निःशुल्क साइकिलें वितरित की जाएंगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया गया कि प्रत्येक सरकारी स्कूल में आरओ प्लांट लगाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि राजनीति को दरकिनार करते हुए, वह क्षेत्र के विकास के लिए राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इस सहयोग के तहत, दोनों नेता हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र में एक नवोदय विद्यालय स्थापित करने के लिए कदम उठा रहे हैं, जिसमें आगामी शैक्षणिक वर्ष में प्रवेश शुरू करने की योजना है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में एक सैनिक स्कूल स्थापित करने के प्रयास भी चल रहे हैं।

उन्होंने हुस्नाबाद में "स्टील बैंक" की स्थापना करके प्लास्टिक को खत्म करने की मंत्री पोन्नम की पहल की सराहना की। उन्होंने प्रत्येक जनप्रतिनिधि से समाज की भलाई के लिए कम से कम एक सार्थक गतिविधि करने का आग्रह किया। पीएम मोदी से प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने "मोदी उपहार" नामक पहल के तहत सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी छात्रों को मुफ्त साइकिल वितरित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जल्द ही नर्सरी से छठी कक्षा तक के छात्रों को स्कूल बैग, स्टील की पानी की बोतलें, नोटबुक, पेन और पेंसिल सहित "मोदी किट" भी वितरित की जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि वह हर इलाके में जल संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे ताकि छात्र उत्कृष्टता प्राप्त करने और नई ऊंचाइयों को छूने की आकांक्षा रख सकें। आज कारगिल दिवस है, जो इस बात की याद दिलाता है कि हमारे कारगिल शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी थे और आज नरेंद्र मोदी हैं, जिन्होंने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के दिलों में भय पैदा किया है।

हमें यह भी याद रखना चाहिए कि कैसे पहलगाम हमलों के बाद, सांसदों के एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की साजिशों का पर्दाफाश करने के लिए कई देशों का दौरा किया था। इस अवसर पर बोलते हुए, ज़िला कलेक्टर के. हिमावती ने कहा, बच्चे नफ़रत और पूर्वाग्रह से मुक्त, कोरे सफ़ेद पन्नों की तरह होते हैं।

कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक ने एमएनआर छात्रों को प्रेरित किया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान (एनआईआरडी) के अधिकारी सतीश कुमार द्विवेदी ने शनिवार को एमएनआर आई-एक्सीड स्कूल में आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, छात्रों को अपनी शिक्षा के साथ-साथ देशभक्ति की गहरी भावना का पोषण करना चाहिए।

द्विवेदी ने छात्रों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा, हमारी मातृभूमि सदैव सर्वोपरि रहे। हम अपने सैनिकों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेंगे, जिनके बलिदान से हमारे राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

कारगिल युद्ध के दौरान वायु सेना में अपनी सेवा का स्मरण करते हुए, उन्होंने साहस और कर्तव्य के प्रति समर्पण के अपने अनुभव साझा किए। प्रधानाचार्य सुधीर कुमार ने छात्रों को देशभक्ति के मूल्यों को अपनाने और राष्ट्रहित में समर्पित होने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कारगिल युद्ध के नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ इसका समापन हुआ।

एनएचआरसी 28 और 29 को हैदराबाद में खुली सुनवाई करेगा

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत, तेलंगाना के 109 कथित मानवाधिकार उल्लंघन मामलों की सुनवाई के लिए 28 और 29 जुलाई को हैदराबाद में दो दिवसीय 'खुली सुनवाई और शिविर बैठक' आयोजित कर रहा है ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। एनएचआरसी अध्यक्ष, न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम, सदस्य, न्यायमूर्ति (डॉ.) विद्युत रंजन सारंगी और विजया भारती सयानी, सुबह 10 बजे से एमसीआर एचआरडी संस्थान, हैदराबाद में शिकायतकर्ताओं और संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में मामलों की सुनवाई करेंगे। एनएचआरसी, भारत के महासचिव भरत लाल, महानिदेशक (जांच), आर पी मीणा, रजिस्ट्रार (विधि), जोगिंदर सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। सुनवाई के दौरान जिन मामलों पर विचार किया जाएगा उनमें पुलिसकर्मियों द्वारा कथित तौर पर सत्ता का दुरूपयोग, सरकार की विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के तहत लाभों से वंचित करना, जेलों में अनियमितताएं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के मानवाधिकारों की रक्षा में कथित लापरवाही, राज्य भर के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के अधिकार, महिलाओं के अधिकार जिनमें उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे, विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और तस्करी आदि शामिल हैं। अगले दिन 29 जुलाई को, आयोग सुबह 11 बजे राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा और उन्हें विभिन्न मानवाधिकार मुद्दों और मानवाधिकार उल्लंघन के पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के महत्व के बारे में जागरूक करेगा। आयोग समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए तेलंगाना सरकार और उसकी एजेंसियों द्वारा जारी विभिन्न सलाह पर की गई सक्रिय कार्रवाई की भी समीक्षा करेगा। इसके बाद, आयोग राज्य से संबंधित मानवाधिकार मुद्दों को समझने के लिए दोपहर 2 बजे नागरिक समाज संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और मानवाधिकार रक्षकों (एचआरडी) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेगा। इस बैठक के बाद दोपहर 3.30 बजे राज्य में मानवाधिकार मुद्दों और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा की गई कार्रवाई पर व्यापक जानकारी के प्रसार हेतु शिविर के परिणामों पर मीडिया ब्रीफिंग होगी। भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, मानवाधिकार उल्लंघन के पीड़ितों को तत्काल न्याय दिलाने के लिए 2007 से समय-समय पर विभिन्न राज्यों में शिविर बैठकें आयोजित करता रहा है। पिछले सप्ताह, इसने भुवनेश्वर, ओडिशा में एक अत्यंत उपयोगी 'खुली सुनवाई और शिविर बैठक' आयोजित की। इससे पहले, इसने उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, गुजरात, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़, मणिपुर, मध्य प्रदेश, पंजाब, केरल, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, झारखंड, अंडमान और निकोबार, नागालैंड, उत्तराखंड, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में 'शिविर बैठकें' आयोजित की हैं।

CLASSIFIEDS

FLAT FOR SALE

3 BHK New Flats at Mylardevpally, Rajendranagar, Stand Alone Building with good water supply, lift, Power Backup, Generator & Car parking. Contact: 7207324569.

LEASE

Warehousing / Industrial Sheds For Lease 16000 to 60000 SFT, 160 HP HT Power, At Kothur, Ranga Reddy District. Contact - 7207324569

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हुसैन सागर उफान पर, 1,181 क्यूसेक पहुंचा पानी

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण हुसैन सागर नदी में पानी का स्तर बढ़ गया है। शनिवार सुबह 7 बजे नदी का जलस्तर 513.41 मीटर तक पहुंच गया। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) सहित संबंधित अधिकारी शहर के मध्य में स्थित जलाशय के स्तर पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। अभी तक स्थिति ऐसी नहीं हुई है कि अलर्ट जारी करने की आवश्यकता पड़े। शहर के अधिकांश भागों से वर्षा का पानी नालों की एक श्रृंखला के माध्यम से हुसैन सागर में बहता है, साथ ही सीवेज का पानी चार प्रमुख फीडर नालों- पिकेट नाला, बंजारा नाला, कुकटपल्ली नाला और बालकापुर नाला के माध्यम से आता है।

हुसैन सागर झील प्रभाग के अधिकारी लगातार हो रही बारिश के बीच झील के जल स्तर पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। हुसैन सागर झील प्रभाग (एचएसडीएल) के अधीक्षण अभियंता बी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि पिछले 10 दिनों से कड़ी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा, हम हुसैन सागर के जलस्तर पर नज़र रख रहे हैं और अतिरिक्त पानी छोड़ रहे हैं। फ़िलहाल, झील के अतिप्रवाह को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए, हम झील के सभी 18 स्रोतों को साफ़ रखने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि झील से 792 क्यूसेक पानी बाहर जा रहा है, जबकि 1,181 क्यूसेक पानी अंदर आ रहा है। हालांकि जीएचएमसी ने आधिकारिक अलर्ट जारी नहीं किया है, लेकिन डोमलगुडा, अशोक नगर, लोअर टैंक बंड, हिमायत नगर और लिबर्टी सहित निचले इलाकों के निवासी सतर्क हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से झील की स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

बिल्डरों पर भारी जुर्माना

टीजी रेरा ने गलत जानकारी देने पर दो बिल्डरों पर लगाया 5 लाख रुपये का जुर्माना

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (टीजीआरईआरए) ने 25 जुलाई को हैदराबाद स्थित बिल्डर, सुवर्णभूमि इंफ्रा डेवलपर्स और महा इंफ्रा एंड डेवलपर्स को गलत जानकारी प्रस्तुत करने के लिए संयुक्त रूप से 5,97,237 रुपये का जुर्माना भरने का निर्देश दिया। डेवलपर्स को यह भी निर्देश दिया गया कि वे वादा किए गए बुनियादी ढांचे के साथ विकास कार्य पूरा करें और 60 दिनों के भीतर कब्जा सौंप दें।

शिकायतकर्ताओं, बी. सुरेश गौड़, एस. लक्ष्मी चौधरी, वी. दुष्यंत रेड्डी, कुकुनुरु सोमी रेड्डी, चिट्टी रमेश कुमार और चिट्टी रत्नाकर ने इन दोनों बिल्डरों के खिलाफ रेरा में शिकायत दर्ज कराई थी कि वे 'सुवर्ण संपदा-2' परियोजना को पूरा करने में विफल रहे हैं। दोनों बिल्डरों को एचएमडीए पंजीकरण प्राप्त होने (30 जून 2021) के तीन वर्षों के भीतर यह परियोजना पूरी करनी थी, लेकिन यह अवधि समाप्त हो गई। छह वर्ष बीत जाने के बाद भी, प्रतिवादी परियोजना पूरी नहीं कर पाए। उन्होंने यह भी शिकायत की कि बिल्डरों की लापरवाही के कारण पड़ोस के ग्रामीण इस लेआउट का उपयोग डंपिंग यार्ड के रूप में कर रहे हैं, तथा एक मार्ग का भी उपयोग कर रहे हैं।

टीजी रेरा के अध्यक्ष एन सत्यनारायण ने बिल्डरों को गलत जानकारी प्रस्तुत करने के लिए 5,97,237 रुपये का जुर्माना भरने का निर्देश दिया और वादा किए गए बुनियादी ढांचे के साथ विकास पूरा करने और आदेश की तारीख से 60 दिनों के भीतर कब्जा सौंपने का निर्देश दिया।

ला बुके एडिफिस पर 15 लाख का जुर्माना

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (टीजीआरईआरए) ने शुक्रवार को रियल एस्टेट परियोजना ला बुके एडिफिस का पंजीकरण न कराने पर बिल्डर, एडिफिस प्रोजेक्ट्स (प्रतिवादी) पर 15,29,416 रुपये का जुर्माना लगाया। टीजी रेरा के अध्यक्ष एन सत्यनारायण ने आदेश की तारीख से 30 दिनों के भीतर जुर्माना अदा करने का आदेश दिया।

शिकायतकर्ता डोप्पलापुडी अनिता, चालिचमा दीप्ति, चेरुकुरी सुधा रानी और डोप्पलापुडी श्रीनिवास प्रसाद ने टीजी रेरा से संपर्क कर बताया कि उन्होंने मदीनागुडा में विभिन्न भूखंडों पर लगभग 3,000 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले 10 विला का निर्माण 30 महीनों के भीतर पूरा करने के लिए बिल्डर, एडिफिस प्रोजेक्ट्स के साथ एक विकास समझौता-सह-अपरिवर्तनीय जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी पर हस्ताक्षर किए थे। लेकिन बिल्डर ने निर्धारित समय सीमा के भीतर विला का निर्माण पूरा नहीं किया, ऐसा उनका आरोप है।

शिकायतकर्ताओं ने विला के समतलीकरण और ऊंचाई को लेकर भी आपत्तियां उठाईं, जिन्हें प्रतिवादी ने बार-बार अनुरोध और विचलन के बाद बनाया था। शिकायतकर्ताओं ने निर्माण की गुणवत्ता पर भी असंतोष व्यक्त किया। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद, टीजी रेरा ने प्रतिवादियों को विनिर्देशों के अनुसार विला (संख्या: 3,4,5,9, और 10) में दोषों और कमियों को दूर करने का निर्देश दिया और परियोजना के पंजीकरण के संबंध में बिल्डर को निर्देश जारी किए।

पूर्व तट रेलवे

वाल्टियर मण्डल में यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK) के चयन एवं नियुक्ति के लिए अधिसूचना

वाल्टियर मण्डल के सभी स्टेशनों के लिए यात्री आरक्षण प्रणाली (PRS) एवं अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (UTS) टर्मिनल के जरिए दोनों आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए "यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK)" के चयन एवं नियुक्ति हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। योग्यता मानदण्ड पूरा करने वाले इच्छुक व्यक्तिविशेष निर्धारित प्रारुप के अनुसार आवेदन पत्र की लागत के भुगतान के विवरण के साथ सेवित स्टेशन (जहां आवेदक YTSK स्थापना करने के लिए इच्छुक) के नाम का उल्लेख करते हुए विधिवत रुप से भरे हुए आवेदन पत्र में वांछित अनुप्रमाणित दस्तावेज संलग्न कर के उसे एक मुहरबंद कवर में रख कर वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक के कार्यालय, पूर्व तट रेलवे, दोण्डापारथी, वाल्टियर (वाणिज्य शाखा, मण्डल रेलवे प्रबंधक कार्यालय बिल्डिंग, वाल्टियर) के कार्यालय में रखे मुहरबंद बॉक्स में दिनांक 26.08.2025 (मंगलवार) को 1000 बजे से 1500 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय: दिनांक 26.08.2025 को 1000 बजे से 1500 बजे तक एवं मुहरबंद बॉक्स खुलने की तारीख व समय: दिनांक 26.08.2025 को 1530 बजे।

विस्तृत नियम और शर्तों, उपयुक्तता/योग्यता तथा आवेदन प्रारुप से संबंधित विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें।

PR-399/Q/25-26 वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

25 किलोग्राम गांजा के साथ तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर की टास्क फोर्स टीम ने शुक्रवार को बंडलागुडा में कथित तौर पर गांजा ले जा रहे तीन लोगों को पकड़ा और उनके पास से 25 किलोग्राम गांजा जब्त किया। सूचना के आधार पर टीम ने आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी निवासी मोहम्मद शमीरुल्ला बेग (35), बी राजेश (26) और एस नरेश (29) को पकड़ लिया। तीनों ने राजमंड्री के रामू नाम के व्यक्ति से गांजा खरीदा और उसे बेचने के लिए कार से शहर आए। सूचना मिलने पर उन्हें बंडलागुडा में पकड़ लिया गया। पुलिस ने उनके पास से एक कार भी जब्त कर ली।

लगातार बारिश से किसान चिंतित

काली मिट्टी वाली फसलों का विकास रुका

संगारेड्डी, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जून और जुलाई की शुरूआत में लंबे समय तक सूखे के बाद, बुधवार से अचानक हुई लगातार बारिश ने संगारेड्डी जिले के किसानों को वनकालम फसलों, विशेष रूप से काली मिट्टी में बोई गई फसलों को होने वाले नुकसान के बारे में चिंतित कर दिया है। जिन किसानों ने जून के दौरान कपास, मक्का, सोया, लाल चना और अन्य अर्ध-शुष्क फसलें बोई थीं, उन्हें पहले पड़े सूखे के कारण अंकुरण में देरी के कारण नुकसान उठाना पड़ा। हताशा में, कई किसानों ने दो-तीन बार बुवाई की, जिससे उन्हें काफी अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ा। जैसे ही बीज अंकुरित होने लगे, लगातार हो रही बारिश ने नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

जल का ठहराव, विशेषकर काली मिट्टी वाले क्षेत्रों में, अब कपास, मक्का और सोया जैसी फसलों की वृद्धि को रोकने का खतरा पैदा कर रहा है। जिला कृषि अधिकारी के. शिवप्रसाद ने बताया कि अगर खेतों में लंबे समय तक पानी जमा रहता है, तो किसानों को तुरंत पानी निकाल देना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि बारिश कम होने पर प्रति एकड़ 5 से 10 किलो यूरिया का छिड़काव करें, लेकिन स्थानीय कृषि अधिकारियों से सलाह लेने के बाद ही।

शिवप्रसाद ने आगाह किया कि अगले हफ़्ते लगातार बारिश से काली मिट्टी वाले इलाकों में फसलों की वृद्धि पर और असर पड़ सकता है। हालांकि, उन्होंने बताया कि यह बारिश धान, गन्ना और अन्य पानी की जरूरत वाली फसलों के लिए फायदेमंद साबित हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि यह भारी बारिश गंभीर रूप से गिर चुके भूजल स्तर को फिर से भरने में मदद करेगी, जो मानसून के मौसम में पहले बारिश न होने के कारण काफ़ी प्रभावित हुआ था।

हरीश राव ने जल अधिकारों की रक्षा के लिए नए आंदोलन का किया आह्वान

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता टी हरीश राव ने राज्य के जल अधिकारों की रक्षा के लिए नए सिरे से तेलंगाना आंदोलन का आह्वान किया है। उन्होंने विवादास्पद बनकाचरला परियोजना को लेकर कांग्रेस, भाजपा और टीडीपी की मिलीभगत का आरोप लगाया है।

यहां छात्रों की एक सभा को संबोधित करते हुए राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के उनके समकक्ष एन चंद्रबाबू नायुडू पर तेलंगाना के हितों से समझौता करने के लिए केंद्र के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया।

16 वीं पुण्यतिथि

स्व.श्री चेनाराम हाम्बड़

:सुपुत्र: श्री हापुरामजी हाम्बड़ (पाटवाँ)

स्वर्गवास: 27-07-2009

स्मरणकर आपको, श्रद्धा-सुमन अर्पित करते है।
सदैव रहे आशीर्वाद, प्रभु से प्रार्थना करते है।।

----- : श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : -----

स्व.गलकीबाई (माँ), जयराम (भाई), रमेश-पिस्तादेवी (भाई-भाभी), जीगर, दिव्यांश (पुत्र), भावना (पुत्री), लीलादेवी-स्व.मोहनलालजी (बहन-बहनोई) एवं समस्त हाम्बड़ (सीरवी) परिवार

फर्म: धनलक्ष्मी ज्वैलर्स, साई प्रिया कॉलनी कापरा 9505241526, 8019609173.

P.Solankey

पुलिस की महिला एसआई ने फांसी लगाकर की सुसाइड

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की एक महिला सब इंस्पेक्टर ने आत्महत्या कर ली है। महिला ने पंखे से फांसी लगाकर सुसाइड की है। महिला की उम्र महज 29 साल थी और उसकी पहचान सविता के रूप में हुई है। वह अमन विहार थाने में तैनात थी और झज्जर हरियाणा की रहने वाली थी। इस समय वह रोहिणी सेक्टर 11 में रहती थी। पुलिस ने बताया, '25 जुलाई को सेक्टर-11 रोहिणी क्षेत्र में एक महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना प्राप्त हुई। फांसी लगाने वाली महिला की पहचान सविता पुत्री प्रताप सिंह निवासी जी-3/51, तीसरी मंजिल, सेक्टर-11 रोहिणी, दिल्ली के रूप में हुई है।

उसकी उम्र 29 वर्ष थी और वह गांव छारा, जिला झज्जर, हरियाणा की मूल निवासी थी। उसके भाई ने जाली तोड़कर गेट खोला और उसका शव पंखे से उतारा। मृतका थाना अमन विहार, जिला रोहिणी में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत थी और 2021 बैच की थी। मामले की जांच जारी है।

घर में जब अकेली थी 16 साल की लड़की

पिता और जीजा ने किया रेप

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई से रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां आरोप लगा है कि एक 16 साल की लड़की के साथ उसके पिता और जीजा ने रेप किया। इस घटना को उस वक्त अंजाम दिया गया, जब वह घर में अकेली थी। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी जीजा को गिरफ्तार कर लिया है और आरोपी पिता की तलाश की जा रही है। मुंबई के शिवडी इलाके में 16 साल की नाबालिग के साथ पिता ने रेप किया। पीड़िता की शिकायत पर मुंबई के शिवडी पुलिस स्टेशन ने आरोपी पिता और जीजा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। मामला दर्ज होने के बाद शिवडी पुलिस ने जीजा को गिरफ्तार कर लिया है और पिता की तलाश में जुट गई है।

घटना के कुछ दिनों बाद, इसी साल मार्च महीने में जब पीड़िता घर पर अकेली सो रही थी, तब उसके जीजा ने कथित तौर पर उसके साथ रेप किया। इस घटना के बाद, पीड़िता ने कल नजदीकी पुलिस स्टेशन में पहुंच शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और जीजा को गिरफ्तार कर लिया है। फरार पिता की तलाश जारी है।

न्यू उस्मानपुर इलाके में फैक्टरी की छत गिरने से मचा हड़कंप

मलबे में दबने से दो मजदूर घायल

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया। जब यहां एक फैक्टरी की छत गिर गई। बताया जा रहा है कि मलबे में दबने से दो मजदूरों घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया, शुक्रवार शाम करीब छह बजे थाना न्यू उस्मानपुर के क्षेत्र में गढ़ी मेंढू गांव में एक परिसर की छत गिरने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि दुकानों के बाहर सामान रखने के लिए छोटे लोहे के स्टैंड बनाने वाली फैक्टरी की छत गिर गई थी।

दो मजदूर मलबे में दबने से घायल हो गए, जिन्हें पहले ही सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर सिविल लाइंस ले जाया गया था। घायलों की पहचान ताजिम (उम्र 25 वर्ष) और अकरम (उम्र-25) के रूप में हुई है, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है।

बंगाल में हर दिन डूबने से मरते हैं 25 से ज्यादा लोग

आधे से ज्यादा बच्चे, सामने आया ये पैटर्न

कोलकाता, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में हर दिन औसतन 25 से ज्यादा लोग डूबने की वजह से अपनी जान गंवाते हैं, जिनमें से आधे बच्चे हैं। यह खुलासा एक हालिया सर्वे में हुआ है। सर्वे के मुताबिक, हर साल सूबे में करीब 9000 लोग डूबने की वजह से मरते हैं। यह सर्वे पिछले साल राज्य की लगभग 1.8 करोड़ आबादी पर किया गया था। सर्वे में पाया गया कि 1 से 9 साल के बच्चे सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। इन बच्चों की मृत्यु दर 121 प्रति लाख है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा में से है।

यह सर्वे चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट (सीनी) और द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ ने मिलकर किया। इसकी रिपोर्ट कोलकाता में कल विश्व डूबने से बचाव दिवस पर जारी की गई। इस मौके पर पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डब्ल्यूबीसीपीसीआर) ने भी हिस्सा लिया। सीनी के संस्थापक सचिव और मशहूर डॉक्टर समीर चौधरी ने बताया, 'वास्तव में हर दिन 25 से ज्यादा लोग डूबने से मरते हैं, क्योंकि कई बार ऐसी मौतों की खबर दर्ज नहीं होती।'

मुंबई एयरपोर्ट को बम धमाके में उड़ाने की धमकी

पुलिस कंट्रोल रूम में आए फोन

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। देर रात मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में 3 बार फोन करके धमकी दी गई। फोन करके कहा गया कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को टर्मिनल-2 पर बम प्लांट किया गया है, जो कभी भी फट जाएगा। एयरपोर्ट के अंदर अलग-अलग जगहों पर बम लगाए गए हैं, जिनमें कभी भी जोरदार धमाका हो जाएगा। बचा सकते हो तो बचा लो। बता दें कि धमकी भरा फोन आते ही पुलिस अलर्ट हो गई। आनन-फानन में कई पुलिस थानों की टीमें एयरपोर्ट पहुंची। पूरे एयरपोर्ट को चारों तरफ से सील करके जो अंदर हैं, उन्हें अंदर ही रोका गया। जो बाहर हैं, उन्हें बाहर ही रोका गया। बम और डॉग स्कवायड को साथ लेकर एयरपोर्ट का एक-एक कोना खंगाला गया। अंदर रुके लोगों के सामान की चेकिंग की गई, लेकिन चेकिंग में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली, यानी धमकी पूरी तरह फर्जी निकली।

डोडा में आया भूकंप,4.1 की रही तीव्रता

जम्मू, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के डोडा में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राज्य में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई। जानकारी के अनुसार इस भूकंप की वजह से अभी तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। भूकंप का केंद्र धरती के नीचे 5 किलोमीटर की गहराई में मापा गया। इस भूकंप का भौगोलिक केंद्र 33 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.14 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रहा। जम्मू कश्मीर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला शहर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। बता दें कि धर्मशाला शहर हिमाचल प्रदेश की दूसरी सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला शहर है। शनिवार सुबह जम्मू कश्मीर के डोडा में महसूस किए गए भूकंप के झटके की तीव्रता रिएक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई।

दिल्ली में अगले 5 दिन बारिश

यूपी-बिहार समेत इन 10 राज्यों में भी अलर्ट; हिमाचल-उत्तराखंड का हाल बेहाल

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में इन दिनों लगातार भारी बरसात हो रही है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। पिछले 24 घंटों में कोंकण, तटीय और आंतरिक कर्नाटक, पश्चिम बंगाल के विशाल गंगा के मैदान, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार और असम 70 से 200 मिमी बरसात दर्ज हुई। मौसम विभाग की ओर से आज भी कई राज्यों में बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है। देश की राजधानी दिल्ली में देर रात बारिश हुई। इस वजह से राज्य में तापमान भी कुछ गिरा है और लोगों को भारी उमस से भी राहत मिली है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया गया है इतना ही नहीं राज्य में ये बारिश 31 जुलाई तक जारी रह सकती है।

बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना है। ये तेजी से झारखंड और उत्तरी छत्तीसगढ़ होते हुए देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में बढ़ रहा है। इस वजह से झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी मौसम विभाग की ओर से दी गई है। आज छत्तीसगढ़, कोंकण और विदर्भ सहित महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों में बरसात देखने को मिल सकती है।

इन राज्यों में अलर्ट

पश्चिमी मध्य प्रदेश में आज और कल तो वहीं मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान में कल भारी की संभावना जताई है। पंजाब हरियाणा में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और राजस्थान में हल्की बरसात की संभावना है।

हिमाचल-उत्तराखंड समेत इन राज्यों में भारी बारिश

इसके अलावा गोवा, तटीय कर्नाटक, कोंकण, दक्षिण गुजरात, केरल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल, विदर्भ, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश देखने को मिल सकती है। सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और मध्य महाराष्ट्र में भी भारी बारिश का मौसम विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी भारत में भी अगले चार दिन भारी बारिश हो सकती है। त्रिपुरा, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में आज और भारी बरसात हो सकती है।

बेटा नशे के लिए बार-बार मांगता था पैसे, दुखी मां ने उठाया घातक कदम

पठानकोट, 26 जुलाई (एजेंसियां)। नशे की दलदल में फंसे एक युवक से तंग आकर उसकी मां ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर डाली। मृतका का पहचान मनजीत कौर पत्नी सुरिंदर पाल सिंह निवासी वार्ड नंबर। 29 न्यू बैंक कालोनी के रूप में हुई है। मृतक महिला के पति सुरिंदर पाल सिंह ने आरोप लगाया कि उनका बेटा लंबे समय से नशे का आदी है। वह रोजाना नशे की पूर्ति के लिए अपनी मां से पैसे की मांग करता है। उनके बेटे ने अपनी मां से पैसों की मांग लिए बहसबाजी शुरू कर दी और खुद को मौत के घाट उतारने की धमकियां देने लगा। पुलिस ने अवतार सिंह के खिलाफ विभिन्न धाराओं तहत केस दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सुरिंदर पाल सिंह ने बताया कि मनजीत कौर ने बेटे से कहा कि तुम्हारे रोज-रोज के घर में होने वाले कलह से वे खुद ही जीवन लीला समाप्त कर लेती है। महिला ने कोई जहरीली वस्तु निगल आत्महत्या कर ली है। पति ने कहा कि उसकी पत्नी ने आत्महत्या से पहले कहा कि वह अपने बेटे की हर रोज की लड़ाई-झगड़े और धमकियों से तंग आ चुकी है

हिजबुल सरगना सैयद सलाहुद्दीन भगोड़ा घोषित

30 अगस्त तक हाजिर न होने पर संपत्ति भी कुर्क

श्रीनगर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के सरगना मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन को भगोड़ा घोषित कर दिया है। अदालत ने उसे 30 अगस्त तक हाजिर होने की चेतावनी दी है। हाजिर नहीं होने पर उसकी संपत्तियां कुर्क की जाएंगी। सैयद सलाहुद्दीन करीब तेरह साल से फरार चल रहा है। उसपर जकूरा पुलिस थाने में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और रणबीर दंड संहिता (आरपीसी) के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं।

उल्लेखनीय है कि रणबीर दंड संहिता (आरपीसी) अनुच्छेद 370 लागू होने से पहले जम्मू-कश्मीर राज्य की मुख्य दंड संहिता थी। महाराजा रणबीर सिंह के नाम पर इस दंड संहिता का नाम रखा गया था। सलाहुद्दीन की गिरफ्तारी के लिए 2012 से अब तक कई दफा अरेस्ट वारंट जारी किया गया, लेकिन पुलिस उसे कोर्ट में पेश नहीं कर सकी। पुलिस ने अदालत को हर बार यही बताया कि आरोपी का पता नहीं चल पा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि वह फरार हो गया है या गिरफ्तारी से बचने के लिए, जानबूझकर अपना ठिकाना बदल रहा है। इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने आरोपी सैयद सलाहुद्दीन को फरार घोषित कर दिया है।

साथ ही उद्घोषणा जारी की है कि 30 अगस्त को या उससे पहले अदालत में पेश होकर वह अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का जवाब दे। हाजिर नहीं होने पर संपत्ति की कुर्की की जाएगी। वहीं श्रीनगर पुलिस ने जनता से भगोड़े सैयद सलाहुद्दीन के बारे में सूचना देने की अपील की है। आतंकी कमांडर सलाहुद्दीन की पहले भी कुछ संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं।

मंत्री जगत सिंह नेगी के खिलाफ प्रदर्शन पर जंजैहली में भाजपा कार्यकर्ताओं सहित 65 लोगों पर एफआईआर

मंडी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के थुनाग में हिमाचल प्रदेश के राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी के खिलाफ प्रदर्शन, रास्ता रोकने, काले झंडे दिखाने, पत्थरबाजी और जूता फेंकने के आरोप में जंजैहली थाने में तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। यह घटना थुनाग में बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय के स्थानांतरण को लेकर चल रहे तनाव के बीच हुई।

स्थानीय लोग और भाजपा के समर्थक इस निर्णय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने तीनों शिकायतों को दर्ज कर और जांच शुरू कर दी है। मौके पर पुलिस और कई लोग मौजूद थे, जिनकी उपस्थिति की पुष्टि की गई है।

कोचिंग सेंटर्स पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

जारी की गाइडलाइन, छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर जोर

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कोचिंग सेंटरों की मनमानी रोकने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सभी राज्यों को दो महीने के भीतर कोचिंग सेंटरों के लिए सख्त नियम बनाने का निर्देश दिया है, जिसमें अनिवार्य रजिस्ट्रेशन, छात्रों की सुरक्षा और शिकायतों के निवारण के लिए तंत्र सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके अलावा निर्देश में कहा गया है कि कोचिंग सेंटरों को छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उपाय लागू करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार को इन निर्देशों के संबंध में तीन महीने के भीतर एक हलफनामा दाखिल करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देशभर में कोचिंग सेंटर बिना किसी स्पष्ट दिशानिर्देश के चल रहे हैं, जिससे छात्रों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है।

इसीलिए कोर्ट ने सभी राज्यों को दो महीने के भीतर नियम लागू करने का निर्देश दिया है, जिसके तहत प्रत्येक कोचिंग सेंटर को गतिविधियों की निगरानी के लिए रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। इसके अलावा आग से सुरक्षा, बिल्डिंग सिक्योरिटी और आपातकालीन निकास से संबंधित मानकों का भी पालन किया जाना चाहिए। वहीं, कोर्ट ने कहा है कि छात्रों और पैरेंट्स की शिकायतों के समाधान के लिए पारदर्शी प्रक्रिया के लिए एक शिकायत निवारण सिस्टम भी स्थापित किया जाना चाहिए।

'नवाब देशभक्त नहीं, गद्दार था'

बीजेपी नेता के बयान पर भड़के कांग्रेसी; अस्पताल का नाम बदलने पर एमपी में सियासी बवाल

भोपाल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भोपाल रियासत के नवाब हमीदुल्ला के नाम वाले सरकारी हमीदिया अस्पताल के नए नामकरण की मांग उठने के साथ ही मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। भोपाल नगर निगम की बैठक में अस्पताल के साथ स्कूल और कॉलेज के नाम बदलने का प्रस्ताव पास होने पर भाजपा और कांग्रेस के पार्षद आमने-सामने आ गए। भाजपा के एक पार्षद ने नवाब को गद्दार कहा तो कांग्रेस के पार्षदों ने विरोध किया। नौबत मारपीट तक पहुंच गई। इस विवाद को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने और हवा दे दी।

उन्होंने हमीदिया अस्पताल में अत्याधुनिक सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन का लोकार्पण करने के बाद कहा कि भोपाल को नवाब ने भारत में विलय होने की सहमति नहीं दी। देश आजाद होने के बाद भी भोपाल रियासत में तिरंगा झंडा नहीं फहराया और भारत के लोगों पर गोली चलवाई, छह से ज्यादा लोगों की हत्या करवाई थी, ऐसा नवाब देशभक्त नहीं हो सकता, वह गद्दार था। बता दें कि भाजपा के कई नेता काफी समय से राजधानी में नवाब के नाम से बने संस्थानों और स्थलों के नाम परिवर्तित करने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस इसका विरोध कर रही है।

देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे शरद पवार

माणिकराव कोकाटे के इस्तीफा को लेकर बना सकते हैं दबाव!

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) सुप्रीमो शरद पवार कल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर सकते हैं। इस बैठक में नितिन देशमुख पर हुए हमले, कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के विवादास्पद बयान और अन्य राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

माना जा रहा है कि कोकाटे पर इस्तीफे का दबाव बढ़ता जा रहा है, जिसे लेकर यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे एक वायरल वीडियो के चलते विवादों में हैं, जिसमें वह विधानमंडल

के मानसून सत्र के दौरान मोबाइल फोन पर 'रम्मी' खेलते हुए नजर आए थे। इस वीडियो के विरोध में छावा संगठन ने उनके इस्तीफे की मांग की थी। इसी मुद्दे पर शरद पवार गुट के कार्यकर्ताओं और छावा संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच लातूर में झड़प भी हुई, जिसमें संगठन के नेता विजय घाडगे समेत अन्य कार्यकर्ताओं की पिटाई हुई।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि वह कोकाटे से मिलकर उचित निर्णय लेंगे। उन्होंने स्वीकार किया कि लातूर की घटना गलत थी और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। पवार ने बताया कि पार्टी नेता सूरज चव्हाण से इस्तीफा ले लिया गया है, जो इस हमले में कथित रूप से शामिल थे। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से भी बात कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। घाडगे ने कहा कि उन्होंने पुणे में पवार से मुलाकात कर अपनी बात रखी। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मंगलवार तक कोकाटे के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो छावा संगठन और किसान वर्ग पवार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे।

महाराष्ट्र में मंत्रियों के ही फोन हो रहे टैप

मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना के बीच क्यों उठा ये सवाल?

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। एनसीपी विधायक रोहित पवार ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया है कि महाराष्ट्र सरकार के कुछ मंत्रियों ने इस डर से अपने फोन बंद कर दिए हैं कि उनकी फोन टैपिंग हो रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस बयान पर पलटवार करते हुए उनके द्वारा लगाए गए आरोपों के सबूत मांगे। रोहित पवार ने यह दावा उस समय किया जब हाल ही में शिवसेना यूबीटी ने दावा किया था कि मंत्रिमंडल में कुछ मंत्रियों के को बर्खास्त करके मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जा सकता है। एनसीपी नेता रोहित पवार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक पोस्ट साझा करते हुए महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि कुछ मंत्रियों के फोन नंबर उपलब्ध नहीं हैं। ऐसी अफवाहें हैं कि उन्होंने टैपिंग के डर से अपने फोन बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिन ही बताएंगे कि यह सच है या सिर्फ कानाफूसी।

ओबीसी के लिए दूसरे अंबेडकर साबित होंगे राहुल गांधी

उदित राज ने क्यों किया ये दावा?

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना में राज्य सरकार एससी और एसटी समुदायों के निवेशकों को कॉर्पोरेट क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं चला रही है। तेलंगाना की इसी पहल को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज का एक बयान सामने आया है। उदित राज ने कहा कि जिस तरह तेलंगाना सरकार एससी और एसटी समुदायों के लिए योजना चला रही है। राहुल गांधी ओबीसी के लिए इस तरह की योजना पूरे देश में चलाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर ओबीसी राहुल गांधी के विचारों को समझेंगे तो वह देश के दूसरे अंबेडकर साबित होंगे। राहुल गांधी ने तालकटोरा स्टेडियम में भाषण देते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक करियर में ओबीसी के

लिए कुछ नहीं किया। यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी। उन्होंने कहा कि जो काम मैं ओबीसी वर्ग के लिए, अब तक नहीं कर पाया, उसे अब दोगुनी स्पीड से करूंगा। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि तेलंगाना में डेटा इकट्ठा किया गया है जिससे पता चलता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में कितने एससी और एसटी निवेशक हैं और उनमें से कितनों के पास नौकरी है। उन्होंने कहा कि यही बात राहुल गांधी पूरे देश के लिए करना चाहते हैं। उनकी बातों में बहुत दूरदर्शिता है। उन्होंने कहा कि अगर हम पिछड़ों या दलितों को आगे लाएंगे तो हमारे देश में अर्थव्यवस्था बढ़ेगी।

इससे समाज में मौजूद असमानता कम होगी। कांग्रेस नेता उदित राज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि ओबीसी को सोचना पड़ेगा इतिहास बार बार प्रगति के लिए मौका नहीं देता। उन्होंने कहा कि ताल कटोरा स्टेडियम के सम्मेलन में जो बात राहुल गांधी ने कही उस पर चल पड़ें और साथ दें। उन्होंने लिखा कि अगर ओबीसी राहुल गांधी की बातों पर विचार करते हैं तो राहुल गांधी देश के दूसरे अंबेडकर साबित होंगे।

'गाड़ियों की उम्र नहीं प्रदूषण के आधार पर लगे बैन', दिल्ली सरकार की सुप्रीम कोर्ट में गुहार

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने पुरानी गाड़ियों पर लगी पाबंदी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सरकार ने 10 साल से ज्यादा पुरानी डीजल गाड़ियों और 15 साल से ज्यादा पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर पूरी तरह लगे बैन को चुनौती दी है। यह मामला 28 जुलाई को चीफ जस्टिस भूषण आर गवई की अगुवाई वाली 3 जजों की बेंच सुन सकती है।

दिल्ली सरकार ने कोर्ट से 29 अक्टूबर 2018 के उस आदेश को वापस लेने की मांग की है, जिसमें नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी कि एनजीटी के फैसले को सही ठहराया गया था। दिल्ली सरकार का कहना है कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से निपटने के लिए एक ऐसी नीति की जरूरत है, जो गाड़ियों की उम्र के बजाय उनकी असल उत्सर्जन यानी कि एमिशन की मात्रा को परखे। सरकार ने मांग की है कि गाड़ियों की फिटनेस वैज्ञानिक तरीकों से जांची जाए, न कि सिर्फ उनकी उम्र के आधार पर पाबंदी लगाई जाए।

युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के आरोपित आईएस सदस्य की जमानत याचिका खारिज, कर रहा था युवाओं को भर्ती

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। इस्लामिक स्टेट (आईएस) संगठन के सदस्य और चरमपंथी समूहों के लिए हथियार, गोला-बारूद उपलब्ध कराने के साथ ही युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के आरोपित मोहम्मद रिजवान अशरफ को जमानत देने से दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद व न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने आरोपित की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री से पता चलता है कि अशरफ सहित तीनों आरोपित आइएस के सक्रिय सदस्य हैं और आइएस की विचारधारा का प्रचार कर रहे थे।

पीठ ने कहा कि इसके अलावा आरोपित आईएस के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए, युवाओं की भर्ती करने की भी कोशिश कर रहे थे। अदालत ने कहा कि भारत के अलावा, अन्य देशों में भी साजिश रची जा रही थी और अशरफ के पास से विस्फोटक सामग्री जब्त की गई थी। उक्त टिप्पणी के साथ अदालत ने आरोपित की जमानत याचिका खारिज कर दी। आरोपित मोहम्मद रिजवान अशरफ को एक अक्टूबर 2023 को यूएपीए मामले में गिरफ्तार किया गया था। अशरफ़ ने कई मौकों पर अपनी हिरासत बढ़ाने के ट्रायल कोर्ट के आदेशों को चुनौती दी थी।

24 फरवरी 2024 को ट्रायल कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 25 दिनों के लिए बढ़ा दी। उसी दिन उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई। अशरफ के वकील ने तर्क दिया था कि ट्रायल कोर्ट का निर्णय लापरवाहीपूर्ण है और इसमें उनकी भूमिका का कोई व्यक्तिगत आकलन नहीं किया गया था। यह भी तर्क दिया गया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) यह साबित करने में विफल रही कि जांच के लिए अशरफ की निरंतर हिरासत क्यों जरूरी थी। हालांकि, पीठ ने कहा के लोक अभियोजक की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि जिस समय अशरफ की हिरासत बढ़ाने की मांग की गई थी, उस समय दिन-प्रतिदिन के आधार पर जांच चल रही थी और एनआइए महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र करने के लिए प्रयास कर रही थी।

ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है : गुरुदत्त

जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर विशेष

अतुल कुमार

इन दिनों गुज़रे ज़माने के मशहूर फिल्म अभिनेता गुरुदत्त का नाम चर्चा में है . बीती 9 जुलाई को उनकी 100 वी जयंती थी .ब्लैक एंड व्हाइट सिनेमा के दौर में उनकी कामयाबी , ऐक्टिंग और प्रेसेंटेशन की तूती बोलती . दर्शक उनके नाम पर फिल्में देखने जाते. यद्यपि उन दिनों फिल्में देखने का चलन कम था . फिर भी उनकी शोहरत ने सिने प्रेमियों को आकर्षित किया . अधिकतर क्लोस अप शाट देते .उनका मानना था कि 80% अभिनय और भावनाओं की अभिव्यक्ति आंखों द्वारा ही हो सकती है . कभी अपने काम से संतुष्ट नहीं होते और कहते इससे और बेहतर हो सकता था जबकि उनके निर्देशक कहते यह बेस्ट है . चरित्रों के चित्रांकन और उनको खेलने में इतने खो जाते कि उनको याद दिलाना पडता कि आप गुरुदत्त हैं .इसकी उम्दा मिसाल " कागज़ के फूल "(सन 1959) है जिसने भारतीय सिनेमा के इतिहास की यादगार फिल्मों में जगह बना लोगों को चौंकाया फिर भी फिल्म व्यावसायिक रूप से विफल रही . सोचिये ! उस दौर में दर्शकों की पसंद कितनी सख्त थी . फिल्म के प्रसिद्ध गाने " वक्त ने किया क्या हंसी सितम / तुम रहे न तुम ,हम रहे न हम / के बोलों को प्रसिद्ध शायर कैफी आज़मी ने लिखा जिसे श्रोता आज भी मुग्ध हो सुनते हैं .

इस फिल्म का निर्देशन स्वयं गुरुदत्त ने दिलो जान से किया .लेकिन फिल्म को अपेक्षित सक्सेस नहीं मिली जिसका मलाल जीवन भर उनको रहा . उम्दा फिल्मों में आज भी इसकी चर्चा होती है . समीक्षकों और इंटेलेक्चुअल क्लास ने सराहा लेकिन आम दर्शकों ने दूरी रखी .गुरुदत्त की फिल्मों में इमोशनल गहराई और मानवीय रिश्तों का असर दिल को छूने वाला होता जिससे दर्शक प्रभावित होते .सामाजिक असमानता , गरीबी , बेरोज़गारी , और भुखमरी जैसे मुद्दों को संजीदगी से उठाया और अपनी दमदार ऐक्टिंग़ और डायरेक्शन से फिल्मों को यादगार बनाया .

दिलचस्प बात है कि गुरुदत्त ने फिल्मी कैरीयर की शुरुआत कोरियोग्राफर के रूप में की और कई फिल्मों में कोरियोग्राफी की . जिन दिनों पुणे में रहा करते अपने कपडे धुलवाने के लिये जिस लांड्री में देते वहीं देवानंद भी कपडे देते . एक दिन देवानंद ने उनको अपनी कमीज़ पहने सेट पर देखा और पूछा यह कमीज़ कहां से लाई तब बताया मेरे पास पहनने के लिये दूसरी कमीज़ नहीं थी इसलिये लांड्री वाले से ले आया . वहीं से दोनों की दोस्ती शुरु हुई .देवानंद ने उनके भीतर छिपे अदाकार को पहचाना और उनको अभिनेता के रूप में सामने लाया . जान गये कि वह ऊंचे कलाकार साबित होंगे और वही हुआ . गुरुदत्त ने अपनी अदाकारी से जिस आकाश को रचा वह सतरंगे सिनेमा के पर्दे का नामी कलाकार सिद्ध हुआ . परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण कालेज नहीं जा सके लेकिन स्वाध्याय बहुत किया.उनकी मां कहानीकार

थीं जिहोंने कई बंगला कथाओं का कन्नड में अनुवाद भी किया .कोलकाता में स्कूली पढाई होने के कारण अच्छी बंगाली बोल लेते थे .

वास्तव में उनका नाम वसंत कुमार पादुकोण था .उनके पिता का नाम शिवशंकर राव पादुकोण था जो काम के सिलसिले में बेंगलुरु से कोलकाता गये . वहीं वसंत का नाम गुरुदत्त पडा उसी नाम से ताउम्र पहचान मिली . दिलचस्प प्रसंग है लीजेंडरी देवानंद ने गुरुदत्त से अनोखा वादा किया कि अगर वह प्रोड्यूसर बनेंगे तो एक फिल्म डाय्ररेक्ट करने के लिये देंगे और यदि गुरुदत्त कभी डाय्रेक्टर बने तो ज़रूर देवानंद को फिल्म में नायक के रूप में लेंगे .सन 1951 की हिट फिल्म " बाज़ी ' से यह वायदा पूरा हुआ फिल्म का निर्देशन गुरुदत्त ने किया और देवानंद फिल्म के हीरो थे .जिसने टिकट खिडकी पर सफलता के रिकार्ड बनाये . फिल्म जगत की शानदार कृतियों में एक मानी जाने वाली फिल्म " 'प्यासा ' में उनका ऐक्टिंग का कोई इरादा नहीं था फिल्म में निराश कवि की भूमिका दिलीप कुमार निभाने वाले थे लेकिन बात जमी नहीं और गुरुदत्त ने कवि विजय की भूमिका अदा की जो उनके जीवन की सबसे मार्मिक और भावपूर्ण प्रस्तुति साबित हुई .फिल्म के गीत " ये इंसां के दुश्मन समाजों की दुनिया / ये दौलत के भूखे रिवाज़ों की दुनिया / वफा कुछ नहीं दोस्ती कुछ नहीं / जहां प्यार की कद्र ही कुछ नहीं है /ये दुनिया अगर मिल भी जाये तो क्या है // ने दर्शकों के भावों को झकझोरा .

ज़िंदगी की उदासी ,मायूसी और निराशा को गुरुदत्त ने अपने अभिनय से जिस रूप को पेश किया वह लोगों के दर्द बांटने वाला किरदार बना जिसे देख दर्शक उसे अपना हमसफर समझते . 9 जुलाई 1925 को बेंगलुरु में जन्मे इस आर्टिस्ट ने अदाकारी के जो जौहर बिखेरे उसने सिनेमा को नयी उंचाइयां दीं . सिनेमा में पहली बार आत्म विश्लेषणात्मक शैली को विकसित किया जो फिल्मों में नहीं थी . मानते थे कि उनकी फिल्में उनके जीवन का प्रतिबिंब हैं फिल्म " प्यासा " , साहब बीबी और गुलाम ' " श्रीमान और श्रीमती 55 " ' चौदहवी का चांद ' और ' सांझ और सवेरा ' आदि उनकी क्लासिक फिल्मों में शामिल हैं . केवल 10 फिल्मों में अभिनय और 8 फिल्मों का निर्देशन किया इतनी कम संख्या होने के बावजूद ऐतिहासिक और लीजेंड ऐक्टर कहलाये क्यों कि उनके काम ने लोगों के दिलों को जीता .

अच्छे अभिनेता , लेखक और निर्देशक थे . कम ज्ञात तथ्य है कि नामी लघु कथा लेखक भी थे जिनकी कई कहानियां अंग्रेज़ी की प्रसिद्ध पत्रिका " इलसट्रेटेड वीकली " में प्रकाशित हुईं . लोकप्रिय गायिका गीता दत्त उनकी पत्नी थीं .

दर असल उनकी फिल्मी कथाएं सार्व भौमिक विषयों को छूती थी जिससे दर्शक प्रभावित होते . अच्छी साहित्यिक किताबों की कथाओं या उपन्यासों पर फिल्म बनाने के ट्रेंड को शुरु किया जिसकी मिसाल लोकप्रिय लेखक विमल मित्र द्वारा लिखित मशहूर कृति " साहब बीबी और गुलाम ' है जिसे दर्शकों द्वारा पसंद किया गया . फिल्मों में लंबी उपस्थिति दर्ज करने के मामले में नसीब ने उनका साथ नहीं दिया असमय 10 अक्तूबर 1964 को केवल 39 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा . "टाइम " मैग्ज़ीन ने 20 वी सदी की दुनिया की 100 सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में हिंदी की एक फिल्म को चुना जो " प्यासा " थी . गुरुदत्त की फिल्म सृजनात्मकता का लोहा आज भी दुनिया मानती है किसी शायर ने खूब कहा .कितना अजीब फलसफा है / इस ज़िंदगी का भी / यहां दूरियां सिखाती हैं / किसी के न होने के मायने // गुरुदत्त के साथ यही हुआ .

काव्य कुंज

मन की आवाज

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

मन की आवाज को सुनेगा कौन
जब समझदार ही रहते मौन ।
मन की आवाजें देता दर्द
चाहे गर्मी हो या सर्द ।
मन की आवाजें होती गहरी
इस पर लगा होता है प्रहरी ।
मन की आवाजें करती शोर
कभी ना मिलती उर को ठौर ।
मन की आवाजें देती पीड़
हृदय को भी रख देती चीर ।
मन की आवाज ना बुझे कोय
इसीलिए मुंह रहता सोय ।
मन की आवाज में छिपा तूफान
सो, जीवन चढ़ जाता परवान ।
मन की आवाजें बहुत है रोती
दिन- दोपहर कभी ना सोती ।
मन की आवाजें होती भारी
पुरुष की हो चाहे हो नारी ।
मन की आवाजें सब कुछ कहते
पर,अन्दर ही सब दुःख सहते ।
मन की आवाजें बहुत चीखती
सुन- सुन कर है छाती दुःखती ।
किसे सुनाऊं मन की आवाज
पहले ही गिरा है सब पर गाज ।

नज़रें फेर ली मैंने सब की बुराई पर

संजीव ठाकुर,
रायपुर

तप्सरा हो रहा तेरी आशनाई पर
डरने लगा हूँ मेरी जग हसाई पर।
रोशनी सूरज की बहुत जियादा है
कहीं भी कुछ नहीं देता दिखाई पर।
कामचोरी पर अब शर्म भी आती है
अब इसके आंकड़े पहुंचे दहाई पर।
दिल से पूरा मैल निकाल दो साहब
मेरा देश लगा दुश्मनों की सफाई पर।
हम हमेशा रहे निर्विकार उम्रे-दराज
नज़रें फेर ली हमने सबकी बुराई पर।
मेरे अपने लोग ही हंसते रहे संजीव
मेरी ईमान की इतनी कम कमाई पर।

शुभम भारत

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

भारत का शुभम
भारत को शुभम
भारत के लिए,
भा-रत है शुभम
अब तो निश्चित है
शुभम ही शुभम।
वसुधैवकुटुंबकम
की भावना संजोकर,
भारत पुनर्वैभवम्
की कामना साकार कर,
विज्ञान विश्वमंगलम्
की साधना पथ पर अग्रसर,
शुभम, भारत का शुभम ।
धरती से गगनम् गगनांतर्गम्
प्रवास विजयी होकर लौटा है
चंद्रयान से अब गगनयान पर
भारत का परचम लहराया है,
गगनवेदी पर मानवकल्याणकारी,
गहन अध्ययन अनुसंधान करने पर,
आज भारत का हर कोई कह रहा है,
देश में एक ही नाद गूंज हो रही है,
शुभम भारत, भारतीय शुभम।।

दुर्गम-पथ

मुकेश बोहरा
अमन, बाडमेर

बैठे-बैठे कुछ ना होगा।
अब तो सबको उठना होगा।।
देख रहे हो खड़े सामने,
संकट सारे सिर फैलाए।
राई से पर्वत की मानिंद
बढ़ रही है यह बाधाएं।।
अंतस की निद्रा को त्यागो
बहुत जरूरी जगना होगा।
भौतिकता के अंधेपन में,
सारी दुनिया दौड़ रही है।
सुख को छोड़े दुख से दामन,
अपना नाता जोड़ रही है।।
दिखना-बिकना, नई बुराई,
इससे साथी लड़ना होगा।
सबसे पहले खुद से लड़ना
घर से यह शुरुआत करें
बहुत कठिन है बहुत जरूरी
मिलकर सबसे बात करें
दुर्गम पथ के पत्थर-पत्थर
हिम्मत रखकर चलना होगा।
बैठे-बैठे कुछ ना होगा
अब तो सबको उठना होगा।।

तीज

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

सावन में तीज आई रे।
संग संग बरखा लाई रे।
झूले पड़ गए पेड़ों पर,
सखियां मिलजुल गाई रे।
सावन का महीना।
मायके में गुजरे है न।
नैहर लागे प्यारा प्यारा,
मैया लाड लडावे ना।
मिठाई खाऊं,व्रत करूं,
सुहाग मनाऊं,शिव ध्याऊं।
सिंगार कर कर,सहेली बुलाऊं।
बागों में बहारों में,गीत गाऊं।
फिल्म देखूँ, घूमूं फ़िरूँ।
साज सिंगार सामान खरीदूं।
भौजाई के संग संग,
बहना के संग तीज मनाऊं रे।
मैया भाभी ने तीज दी है।
सास के पगा लगाऊं रे।
बायना दूं,आशीष पाऊं रे ।
देवर ननद को दिखाऊं रे ।
तीज का त्यौहार। उमंग लाए हर बार।
हरी हरी दूब पे बैठ के। खाए मिठाई खार।

आसमान का अजब है खेल

डॉ टी महादेव राव

सावन बरसे है अलबेला
तरस रहा क्यों मन अकेला
तुम आओ तो तुम्हें दिखायें
बूंदों का यह सुंदर मेला
आओ इधर सुनाएं तुमको
चातक की मधुर सी बोली
तुम्हारे गेसुओं सी लहराती
मदमस्त मेघों की टोली
आधे तम में झूमे जैसे
जुगनुओं का रोशन रेला
बारिश से भारी शाख और पत्ते
गाते सुर में एक ही राग
पोखर डालें टहनियों पर
भरी बरखा से खेले फाग
आओ मिलकर महसूस करें
भावनाओं में होना अकेला
भींगा भींगा सा है मौसम
खुशबू लिए मदमस्त पवन
प्रेम सामीप्य तुम्हारा प्यारा
दुख और पीड़ा का पलायन
विरह की जलन बढ़ाता मौसम
आसमान का अजब है खेला।।

श्रावण मास

पद्मजा श्रीवास्तव

सावन का महीना
हरियाली,हरीतिमा का महीना
वृक्ष, तरु, तरुवर
सज - धज इठलाएँ बल खाएं
झूम- झूम इतराएँ
यौवन की मस्ती में चूर ।
भोलेनाथ , शिव शंकर का पावन मास
शुरू हो गई भक्तों की काँवण यात्रा
गूँजे शिवालयों में हर हर महादेव के जयकारे
नव पुष्प , नव पल्लव के प्यारे परिधान
पहन उठे हर डाल-डाल ,डाली-डाली
पेड़ों पर लग गए हिंडोले
तीज का पावन त्योहार
सावन का है हार
उमड़ - घुमड़ कजरारे बादल
गरज - गरज घन घन घन
धरती की ढोल परमारें वर्षा की थाप ।
कहीं पर झरने झर झर गिरते
धरती पर छटा बिखेरें
नदियाँ बलखातीं उछल - उछल
डूबें गाँव , डूबे खेत
टूटे पुल , टूटे किनारे
टूटे पहाड़ टूटी सड़कें
सब कुछ पानी- पानी
अति वृष्टि तो भी संकट
अल्प वृष्टि तो भी संकट
फिर भी सावन तो सावन है
सब कुछ पावन पावन है ।।।

सावन की यादें

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

सावन ले आता था जीवन में नई उमंग
गांव - गांव भर जाता था सावन का रंग
झूलों के मेले लगते थे पेड़ों पर
बच्चे बूढ़े खुश होते थे सावन भर
सावन में नभ छाते थे मेघ घनघोर
रिमझिम रिमझिम वर्षा पनघट पर
खेतों में हरियाली छा जाती थी
बुजुर्गों के गुनगुनाते गीत सावनी
गांव के घर घर में बांटी जाती थी ममता
बाग बगीचों में मोर पपीहों का नाच अनूठा
संयुक्त परिवार घर का प्यार उभार लाता था
परिवेश देख शहर रोता है एकल परिवार का
सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम वृंदावन सा
मधुर स्वर सांसों में उल्लास लाता था
शोभा बढ़ाती थी परंपरा की गांव की छोरी
तीज का सौंदर्य खेत खलिहानों में भर जाती थी
चहचहाहट पक्षियों का सुबह शाम होती थी
लहरों का नर्तन नूपुर की रुनझुन होती थी।।

उपन्यास सम्राट प्रेमचंद

केएल प्रभाकर प्राण

समाज और समाज की
मानसिकता को
भली-भाँति समझने वाली
मुंशी प्रेमचंद जी की कलम ने
कल्पना से परे,
समाज के यथार्थ चित्र को
अपने अक्षरों के साम्राज्य से उकेरा है।
जिस यथार्थ चित्र को पढ़कर
मानवीयकोण की गहरी छाप
मन मस्तिष्क में स्थायी बनकर
सोच विचार की दुनिया में सैर करवाती है
कलम के धनी
उपन्यास सम्राट प्रेमचंद जी
हिंदी साहित्य गगन में
इक अद्भुत अखंड प्रकाश हैं,
इसलिए कि-जिन्होंने अपनी साहित्यिक कांति से
अपनी यात्रा तय कर
समाज के हर पहलू को स्पर्श किया है
और जिसकी मार्मिकता को पूर्ण रूप से
जाननेवाले, समाज के एक सकुशल
मनोवैज्ञानिक रचनाकार प्रेमचंद जी हैं।
जिनकी लेखनी के प्रवाह में
ग्रामीण जीवन के सौंदर्य को दर्शाया है
और गाँव की मिट्टी के परिमल को भी।
जिसके साथ-साथ
रिश्ते-नाते,संबंध,भाईचारा,
समर्पित जैसी हृदय मृदुल भावनाएँ भी झलकती हैं,
तो दूसरी ओर पीडा-वेदना,छल,अत्याचार,
असमानता, विवशता जैसी
संवेदनशील भावनाएँ
हृदय तल को स्पर्श करतीं हैं।
तब,कई मार्मिक प्रश्न
समाज के सम्मुख रह जाते हैं !
वे,मार्मिक प्रश्नों के उत्तर है कि-
"नैतिक मूल्य और मानवता का
आचरण है ! इन्हीं से
विकसित नव समाज का
निर्माण संभव है" ऐसे बेजोड़
जवाब-फ़ाक़ाकशी के स्वयं अनुभवी
धनपतराय की लेखनी ने दिया है।
यही कारण है कि
धनपत राय जी का साहित्य
वक्त के दौड़ में भी
नूर की ताज़गी बरसता है।

थकना मना है...

डॉ डी डी देसाई

तू एक औरत है...तुझे थकना मना है...।
घर के काम निपटा कर,
तुझे काम पर जाना है...
और काम से लौट कर...
फिर तुझे काम पर लगना है ।
तुझे थकना मना है...।
घर की दशा और दिशा...
तेरे कंधों की जिम्मेदारी है ।
मन की व्यथा और कथा...
अनबहे आंसूओं की खुमारी है ।
अश्क़ पीकर तुझे हँसना आना है...
तुझे थकना मना है...।
घर की भागदौड़... ऑफिस पहुँचने की होड़...
बॉस की खुशामद.. और
सुख दुखों की जद्दोजहद..
सब कुछ निभाना आना है...।
तुझे थकना मना है....।
सास ससुर की ख़िटपीट,
पति की झिग झिग...
बच्चों का सम्भरण..और
ऊपर से लोकलाज की तलवार अलग,
समाज के हाथ और गर्दन तेरी...
पर कटना मना है...।
तू एक औरत है... तुझे थकना मना है...।
करेगा कोई और...भरेगी तू,
चिल्लायेगा कोई और...सुनेगी तू ।
कर दे तू जो चाहे त्याग...बलिदान
झूठा है संसार...फिर भी गुनहगार तू ।
ओखली में सिर है तेरा,
मुसलों से डरना मना है ।
तू एक औरत है... तुझे थकना मना है...।

सितारे

टी तारासिंह
हैदराबाद

हर मुश्किल आसान हो जाती
हर दर्द आराम हो जाता
जरा सा धीरज रखे
जरा सा धैर्य रखे
आंख के आँसू अब पोछ ले मुन्ना
जिंदगी जरूर अब छोटी हो मगर
दामन मे बहुत सी खुशियाँ भर लेना
आसमा कभी झूकता नही
हम आसमा के पास जायेंगें ओर
चांद सितारो से बाते करेंगें
चमकते सितारो को जमीन पर लायेंगे
ओर हमारी छोटी सी दुनिया बसा लेंगें
हमारे सब सपने सच कर लेंगें ।।

नींवा होकर चल...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जिसदे घर दाने,
उसदे कमले वी सयाने
बस इसी मंत्र से मुग्ध मनुष्य
मुट्ठी में धरा को कैद करना चाहता है
यहां तक कि जिसने इसे बनाया,
उसे भी इसी तराजू में तौलना चाहता है
दूसरी तरफ कबीर,फरीद, रविदास..
ने सत्यापित किया
" मन चंगा कठौती में गंगा"
फिर भी सिक्के का नशा
इन श्रेष्ठों को जीवित कब्र तले दबाना चाहता है
पास था सिकंदर के सब कुछ
लेकिन अर्थी पर पड़ा अकेला
सभी थे खामोश,साथ में था तो सिर्फ अंधेरा
मिट्टी दा बंदिया
आज मिट्टी दे उते कल मिट्टी दे थले रुलदा
नींवा होकर चल, नींवे नू रब दिसदा
अकबर समझता या समझाता रहा , हूं दीन ए इलाही
आर्गुमेंट करने की सख़्त है मनाही
इसी पथ पर हिरणाकश्यप, रावण भी चला
अंततः सुपुर्दे खाक,नहीं काम आई कोई चालाकी
" जे गरीब पर हित करे ते बड लोग
कहा सुदामा बापुरी कृष्ण मितायी जोग"
करें चिंतन वरना यों ही टकरां मारदा
नींवा होकर चल...
आज भी जो तथाकथित ठेकेदार,
सलाख़ों के पीछे पड़े हैं
भले जो मर्जी फ़रमान जारी करते रहे, आज बेचारे हैं
शकुनि दाव तो अब भी लगा रहे
संविधान का शासन है,मंद सितारे हैं
बेडिया पईया हथा पैरां नु, सारा जग हसदा
नींवा होकर चल...

सजे मेंहदी के रंगः त्योहारों के संग

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

मेंहदी के चटख रंगों से महकती,
जब हथेलियां खिल जाती हैं,
रेशम की रंग-बिरंगी राखी थामे,
कलाईयों पर सज जाती हैं।
सावन में लहरिये के रंगों संग,
मेंहदी और भी निखर जाती है,
सुहागिन की चूड़ियों पर सुहाग का,
रंग वो चढ़ा जाती हैं।।
तीज और करवा चौथ व्रत- त्योहार,
होता नवविवाहिताओं का सोलह श्रृंगार,
बिंदिया और सिंदूर की चमक संग मेंहदी,
लाती है रूप पर अनुपम निखार।।।
सदियों से दिलकश मेंहदी ने,
रचा नया इतिहास है,
मेंहदी के सिंदूरी रंग बिना,
सूना-सूना हर त्योहार है।
सजती रहे बहनों की डोली,
मेंहदी के लाड़ दुलार से,
रहे सुहागिन हर दुल्हन,
मेंहदी के आशीर्वाद से।।

नया द्वार खुला

गजानन पाण्डेय

जब दिल उदास हुआ
' कविता ' ने थामा
ग़म शब्दों में ढलकर
कागज पर उतर आया ।
दिल को सुकून
मन का बोझ हल्का हुआ
एक नई ऊर्जा से ,
मन भर गया
एक नया द्वार खुला
मन में हौसला जागा
एक मनुष्य अपनी राह पर चल पड़ा ।

टुकड़ा

हेमंत सुराना,
उदयपुर

रोटी का टुकड़ा,
गरीब तरसा पाने को
चूड़ी का टुकड़ा,
सुनी कलाई को बयां करता
कपड़े का टुकड़ा,
माँ का आँचल बयां करता
कागज का टुकड़ा,
अधूरी कहानी बयां करता
जमीं का टुकड़ा,
अर्पण की भूमि
बादल का टुकड़ा,
उम्मीद की किरण
चाँद का टुकड़ा,दूर बैठा महबूब
धूप का टुकड़ा, किसी के मुरीद सा
काँच का टुकड़ा, लम्हे रूठे, रिश्ते टूटे
शिद्दत से जागा हूँ,
इन टुकड़ों को बटोरने को,
इन टुकड़ों को समझने को ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

बिहार में बदलते सियासी समीकरण

बिहार में एनडीए के प्रमुख सहयोगी राष्ट्रीय लोक जनता दल के नेता उपेंद्र कुशवाह ने कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सलाह दी कि अब उन्हें जदयू की बागडोर छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक सत्ता और पार्टी, दोनों की कमान संभाले रखना उनके लिए व्यावहारिक नहीं होगा। हालांकि कुशवाह ने स्पष्ट शब्दों में नीतीश के बेटे निशांत कुमार का नाम उनके उत्तराधिकारी के रूप में तो नहीं लिया, लेकिन उन्हें एक 'नई उम्मीद' जरूर बताया। यह पूछे जाने पर कि क्या नीतीश ही एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे, भाजपा नेता हमेशा इस सवाल से बचते नजर आते हैं। उनकी यह राय कायम मालूम होती है कि एनडीए नीतीश के नेतृत्व में ही चुनाव में उतरेगी। एनडीए की अन्य सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी के नेता ने भी हाल ही में कहा कि वे भी चाहते हैं कि चुनाव में एनडीए का नेतृत्व एक मजबूत नेता के हाथ में हो। यह बताता है कि नीतीश के नेतृत्व को लेकर एनडीए सहयोगियों में एक बेचैनी-सी है। ग्राउंड रिपोर्ट्स और सर्वे भी इस ओर इशारा कर रहे हैं कि नीतीश की लोकप्रियता घट रही है। तो क्या बिहार में एनडीए धीरे-धीरे अपना आधार खो रहा है और महागठबंधन की पकड़ मजबूत हो रही है?

इंडिया गठबंधन का 'भारत बंद' भले ही कई राज्यों में सफल नहीं हो पाया हो, लेकिन बिहार में इसका असर अधिक दिखा। 'बिहार बंद' और चक्काजाम तत्काल व्यापक प्रदर्शन में बदल गया। सड़कें जाम की गईं, टायर जलाकर प्रदर्शन हुए। सरकार की श्रम नीति के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन एक तीक्ष्ण राजनीतिक औजार बन गया। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की अगुआई में महागठबंधन ने चुनावी पारदर्शिता और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के मुद्दे पर तीखे हमले किए। चूंकि कांग्रेस और राजद के कार्यकर्ता सड़कों पर थे, इसलिएबिहार बंद प्रभावी रहा। हमें नहीं भूलना चाहिए कि 2020 के बिहार चुनाव में भले ही एनडीए ने सरकार बनाई हो, लेकिन महागठबंधन वोट शेयर और सीट, दोनों के मामले में मामूली ही पीछे था। एनडीए के दोनों साझेदार, भाजपा और जदयू के पास एक ताकतवर संगठनात्मक नेटवर्क है।

उन्हें हिंदुओं के उच्च तबके और गैर-यादव ओबीसी वोटों पर भरोसा है। महिलाओं में भी गठबंधन की गहरी पैठ है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण की नीतीश की घोषणा ने इसे और बढ़ाया है। दशकों से नियमित बिजली आपूर्ति, सड़क निर्माण, शराबबंदी और समाज कल्याण की योजनाओं के दम पर एनडीए खुद को सरकार के लिए एक उपयुक्त गठबंधन के तौर पर प्रस्तुत करता है। लेकिन राज्य स्तर पर गठबंधन के पास नेतृत्व का संकट है। न केवल नीतीश की लोकप्रियता में कमी दिख रही है, बल्कि उनके गठबंधन सहयोगी भी सवाल उठाने लगे हैं। कानून-व्यवस्था बदतर हो रही है। हाल ही में हुई कई हत्याओं से भी गठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचा है। एनडीए के सहयोगियों को ध्यान रखना होगा कि भले ही उन्होंने 2020 के चुनाव के बाद सरकार बना ली हो, लेकिन वोटों के बहुत कम अंतर से ऐसा संभव हो सका था। एक भी गलती राह में रोड़ा बन सकती है।

दूसरी ओर, महागठबंधन में राजद और कांग्रेस का भरोसा अल्पसंख्यक और ओबीसी, खासतौर पर मुस्लिम और यादव वोट बैंक पर टिका है। तेजस्वी तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर मुख्यमंत्री पद के लोकप्रिय उम्मीदवार के तौर पर उभर रहे हैं। बेरोजगारी, महंगाई और पलायन जैसे बुनियादी मुद्दों पर उनकी अपील गरीब तबके में कारगर असर करती दिख रही है। फिर भी महागठबंधन के सहयोगी दलों के बीच भले ही सीटों को लेकर समझौता हो जाए, इस साझेदारी की ताकत असंतुलित और बिखरी हुई रहेगी। कांग्रेस को इसकी कमजोर कड़ी माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मौजूदा चुनावी हैसियत से अधिक सीटें मांग रही है। पिछले चुनाव में वह 70 में से महज 19 सीटें ही जीत पाई थी। लालू प्रसाद यादव के शासन के दौरान बिहार पर लगा 'जंगलराज' का ठप्पा अभी भी राजद को ढोना पड़ रहा है। खासकर, बुजुर्ग वोटरों के दिमाग में पुरानी छवि अभी धुंधली नहीं हुई है।

प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भले ही बिहार में किसी दिग्गज की तरह स्थापित नहीं हुई हो, लेकिन इसने खासतौर पर युवा और शहरी वोटरों का ध्यान खींचा है। प्रशांत किशोर की स्वच्छ छवि, जात-पांत की राजनीति से दूरी और 'गवर्नेंस-फर्स्ट' की नीति पर जोर उनकी पार्टी को इस चुनाव में एक नई शुरुआत देता दिख रहा है। चुनाव में महज तीन माह शेष हैं, इसलिए हर दल, हर गठबंधन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। नीतीश कुमार के नेतृत्व को लेकर एनडीए सहयोगियों में एक बेचैनी-सी है। उनकी लोकप्रियता भी घटती बताई जा रही है। तो क्या बिहार में एनडीए धीरे-धीरे आधार खो रहा है और महागठबंधन की पकड़ मजबूत हो रही है?

ओबीसी वोटर पर क्या है रणनीति ?

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पटना से लेकर दिल्ली तक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। बिहार के बाद नए साल में असम से लेकर पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में बीजेपी और कांग्रेस ओबीसी वोट बैंट को अपने-अपने पाले में करने में जुट गए हैं। दोनों दलों में ओबीसी वोटरों को लुभाने की होड़ सी दिखाई दे रही है। कांग्रेस जातिगत सर्वेक्षण और आरक्षण जैसे सामाजिक न्याय के मुद्दों पर जोर दे रही है, वहीं भाजपा हिंदुत्व, विकास, और माइक्रो-मैनेजमेंट के मिश्रण से ओबीसी वोटरों को आकर्षित करने का प्रयास कर रही है। ऐसे में एक बात तो तय है कि आने वाले विधानसभा चुनाव का परिणाम जो भी हो लेकिन मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है।

देश की राजनीति में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मतदाता हमेशा से एक निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी बड़ी आबादी, खासकर हिंदी पट्टी के राज्यों में अहम भूमिका अदा करती है। । 2025 के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों, विशेष रूप से बिहार और अन्य राज्यों में, ओबीसी वोटरों की भूमिका और भी अहम होने वाली है।

बिहार में ओबीसी और अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) की आबादी करीब 60% है। यहां बीजेपी ने नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) के साथ गठबंधन कर ओबीसी वोटों को अपनी ओर खींचने की कोशिश की है। वहीं, कांग्रेस ने लालू प्रसाद यादव की राजद के साथ हाथ मिलाया हुआ है। अपनी संख्या बल के कारण ओबीसी वोटर यहां किंगमेकर की स्थिति में हैं।

ओबीसी आरक्षण का प्रस्ताव

कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार जातिगत जनगणना पर जोर दे रहे हैं। कांग्रेस की तरफ से ओबीसी को लुभाने के लिए भागीदारी न्याय आंदोलन चलाया जा रहा है। इसके साथ ही कांग्रेस ने सरकारी और निजी क्षेत्र में 75% ओबीसी आरक्षण का प्रस्ताव पारित किया है। बिहार चुनाव को लेकर कांग्रेस के इस दांव को काफी अहम माना जा रहा है। इसके अलावा पार्टी मध्यप्रदेश, राजस्थान लेकर बिहार तक ओबीसी नेताओं को तरजीह दे रही है।

कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी और आरजेडी के साथ हाथ मिलाया है। इसके पीछे कांग्रेस की रणनीति ओबीसी वोटों को एकजुट बनाए रखने की है। हाल ही में राहुल गांधी ने भागीदारी न्याय आंदोलन की मीटिंग में राष्ट्रीय जाति जनगणना कराने, आरक्षण पर 50% की सीमा हटाने और निजी शिक्षण संस्थानों में कोटा कानून लागू करने के कांग्रेस के संकल्प को दोहराया। गांधी ने आरोप लगाया कि ओबीसी को अपना इतिहास जानने का मौका नहीं दिया गया क्योंकि आरएसएस और उसकी मनुवादी राजनीति ने उनका दमन किया।

बीजेपी की रणनीति

बीजेपी उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में गैर-यादव और गैर-रसूखदार ओबीसी जातियों पर दांव खेल रही है। इनमें राजभर और कुर्मी जैसी जातियों के लोग शामिल हैं। इसके अलावा बीजेपी ने रोहिणी आयोग को संवैधानिक दर्जा दे दिया है। इसेस ओबीसी उप-वर्गीकरण को बढ़ावा मिला। इसका छोटी ओबीसी जातियों को लाभ मिला। इतना ही नहीं, बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी ओबीसी, ईबीसी, एससी और महादलितों से अपने तीन-चौथाई से अधिक उम्मीदवार उतारेंगे।

यह तब हो रहा है जब एनडीए ने चुनावी राज्य बिहार की कास्ट मैपिंग की है। इसके साथ ही उन जातियों को अंतिम रूप दिया है जिनसे राज्य की 243 विधानसभा सीटों के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को मैदान में उतारा जाएगा। कई महीनों तक चले एक व्यापक कवायद में, बीजेपी ने अपनी आंतरिक एजेंसियों का उपयोग करते हुए, अपने राष्ट्रीय नेताओं की देखरेख में सभी विधानसभा सीटों पर एक सर्वेक्षण किया। सूत्रों ने कहा कि बीजेपी, अपने सहयोगियों के साथ, इस समझ पर पहुंची कि प्रत्येक सीट आवंटन से जातियों को अंतिम रूप दिया जाएगा और उम्मीदवारों को बाद में अंतिम रूप दिया जाएगा।

राहुल को घेर रही बीजेपी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए रिक्त आरक्षित पदों पर राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर उन पर हमला बोला। प्रधान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता हमेशा झूठ की राजनीति करते रहे हैं। इससे पहले, राहुल गांधी ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में रिक्त आरक्षित पदों को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने इसे न केवल लापरवाही, बल्कि 'बहुजनों' को शिक्षा, शोध और नीतियों से दूर रखने की एक सुनियोजित साजिश बताया।

आदत नहीं जाएगी दल बदल की

डॉ टी महादेव राव

चुनावी बरसात का मौसम शुरू हो गया है। प्रत्याशी रूपी मेंढकें तालाबों के किनारे टर टर करते हुए उछल कूद कर रहे हैं। इधर से उधर, उधर से इधर- बिल्कुल आजकल के नेताओं के कूद फांद की तरह। फर्क सिर्फ इतना है कि मेंढक कूद कूद कर वापस अपनी जगह पर तालाब में लौट रहे हैं, जबकि नेता अपने हिसाब करके उसके अनुसार एक पार्टी त्याग कर दूसरी पार्टी में जा रहे हैं। मन लगा तो रह गए वहां। अगर नहीं तो फिर लौट के घर आ रहे हैं। आदमी से अधिक महत्वपूर्ण होता है उसका अहम। कहीं कहीं पहचान भी अधिक असर करती है। भाव देना जैसे वाक्यांश को देखें अगर, अपनी पार्टी में किसी को भाव नहीं दिया जा रहा है, उसके महत्व को पहचान नहीं रहे हैं, तो सहज है उसके अहम को चोट लगेगी। अहम को मैं स्वाभिमान से अलग मानता हूं। स्वाभिमान से दो कदम आगे अहम या अहंकार होता है, जो जैसा चलाता है - आदमी वैसा ही नाचता है। कुछ पा लेने का लालच, कहीं कुर्सी हथियाने की दुराशा, पुरानी पार्टी से निराशा, नई पार्टी में स्वयं की पहचान के लिए हटता कुहासा - सारा कुछ पार्टी बदलने या कहें कूद फांद करने को विवश करते हैं।

अब देखिए जहां जिसकी उम्मीद होती है, वहां वह नहीं होता तो खीझ कर खंभा नोचने वाले नेताओं की कमी नहीं है, लेकिन इतने बुजुर्ग या कुछ युवा भी इस बात को क्यों नहीं मानते कि "कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता"। अगर ऐसी मुकम्मल पहचान मिल गई तो क्या बात है? पौ बारह। पांचों उंगलियां घी में और सर कड़ाही में। यह अलग बात है कि ऐसे मौके कहां मिलते हैं? अगर पांचों उंगलियां घी में हैं तो सिर कहीं गिरवी रखा होता है। लगता है जिस तरह शतरंज में मोहरे एक स्थान पर नहीं रहते कुछ एक को छोड़कर और जब उनकी चलायमान स्थिति होती है तो मारे जाने के अंदेशे ज्यादा होते हैं।

ठीक उसी तरह थोड़ी सी लालच में उभयचरजीवी मंडूक की तरह आप ने छलांग लगाई और आपके इतनी ऊर्जा खर्चने एवज में आपको किसी सांप का निवाला बनना पड़े.... तो फिर? कुर्सी, पद, सत्ता, पहचान, महत्ता और शॉर्टकट में सब कुछ पा जाने की महत्वाकांक्षा आदमी को अलग करती है और यही कारण है कि दल बदल हो रहे हैं आजकल कुछ अधिक संख्या में। एक नए नए दल बदले नेता से हमने पूछा "भाई जी आप तो अच्छे खासे थे उस पार्टी में। आपको बढ़िया कर्ताधर्ता बना कर रखा था। आप उस दल रूपी जहाज से कैसे इस जहाज पर कूद पड़े? मतलब पार्टी बदल कर इस दल में आ गए।"

तब डिफेंसिव थे, अब अटैकिंग

ड्रोन से लेकर मिसाइल तक, कारगिल से 'ऑपरेशन सिंदूर' तक भारतीय सेना की बढती ताकत

कारगिल विजय दिवस पर आज पूरा देश शहीद वीर जवानों को याद कर रहा है। यह दिन हमें बताता है कि कैसे भारतीय सेना ने मुश्किल परिस्थितियों में भी जीत हासिल की। 1999 में हुए कारगिल युद्ध और हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य शक्ति के बीच एक बड़े अंतर को दिखाया है। कारगिल की लड़ाई में हमारे सैनिकों ने अदम्य साहस का परिचय दिया।

वहीं, ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त कार्रवाई को दर्शाया है। इस युद्ध में भारत ने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन अंत में विजय प्राप्त की। कारगिल वॉर और ऑपरेशन सिंदूर के बीच 26 साल की लंबी दूरी है। यह दूरी बताती है कि भारत पहले डिफेंसिव था लेकिन अब दुश्मन को घर में घुसकर मारने की ताकत रखता है। भारत ने पिछले 26 सालों में डिफेंस सेक्टर में बहुत तरक्की की है।

1999 का कारगिल युद्ध भारत के लिए एक अलग तरह का युद्ध था। पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों ने धोखे से कारगिल के द्रास सेक्टर में घुसपैठ की। उन्होंने ऊंची पहाड़ियों और बर्फीले मौसम का फायदा उठाया। इसके जवाब में, भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय शुरू किया। यह दुनिया के सबसे मुश्किल युद्ध क्षेत्रों में से एक था। तोलोलिंग, टाइगर हिल, गन हिल और बत्रा टॉप जैसे नाम हर घर में सुने जाने लगे।

500 से ज्यादा भारतीय सैनिक शहीद हुए

कारगिल की लड़ाई में भारत को भारी नुकसान हुआ। 500 से ज्यादा भारतीय सैनिक शहीद हो गए और 1,300 से ज्यादा घायल हो गए। देश आज भी कैप्टन विक्रम बत्रा और लेफ्टिनेंट मनोज पांडे जैसे सैनिकों के बलिदान को याद करता है। पाकिस्तान ने अपने नुकसान को कम करके बताया, लेकिन अनुमान है कि उनके भी कई सैनिक मारे गए थे। कम तकनीकी सहायता और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद, भारतीय सैनिक दो महीने से ज्यादा समय तक लड़े। 26 जुलाई 1999 को भारत ने इस युद्ध में जीत हासिल की। इसी दिन को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस साल कारगिल विजय दिवस का महत्व और भी बढ़ गया है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर हुआ था।

पाकिस्तान को घर में घुसकर मारा

एक बड़े आतंकी हमले के बाद, भारतीय सेना ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के अंदर आतंकी ठिकानों पर हमला किया। पाकिस्तान ने भारत की उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह बुरी तरह विफल रहा। इसके बाद, उसने युद्धविराम का अनुरोध किया। द्रास में ड्रोन देखे गए, जिसके बाद वहां अतिरिक्त हवाई सुरक्षा तैनात की गई। हमारी सेना ने कई ड्रोन को मार गिराया।

कारगिल और ऑपरेशन सिंदूर के बीच का फर्क

1999 की लड़ाई में, भारतीय सेना के पास आधुनिक हथियार नहीं थे। सेना के तीनों अंगों (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) के बीच तालमेल भी कम था। लेकिन, हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर में, भारतीय सेना एक आधुनिक और शक्तिशाली सेना के रूप में उभरी है।

कारगिल युद्ध में, भारतीय सेना ने बोफोर्स एफएच-77बी तोप का इस्तेमाल किया। इस तोप ने दुश्मनों को उनकी पहाड़ियों से खदेड़ने में मदद की।पैदल सेना के जवान इंसास राइफल, एलएमजी, एसएलआर और कार्ल गुस्ताव रॉकेट लॉन्चर जैसे हथियारों का इस्तेमाल करते थे। भारतीय वायु सेना के मिग-21 और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों ने हवाई सुरक्षा दी और टाइगर हिल जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को वापस जीतने में मदद की। उस समय, सेना के पास ज्यादा सुविधाएं नहीं थीं, लेकिन भारतीय सैनिकों ने अपनी हिम्मत और समझदारी से जीत हासिल की। आज भारतीय सेना के पास आधुनिक तकनीक है। हमारे पास अपने संचार उपकरण, तोपें और मिसाइल रक्षा प्रणाली हैं। इससे हमारी सेना आधुनिक युद्ध के लिए बेहतर तरीके से तैयार है।

भारतीय सेना के हथियार अब और भी आधुनिक हो गए हैं। पैदल सेना के जवान अब एसआईजी716 और एके-203 जैसी आधुनिक राइफलों का इस्तेमाल करते हैं। वे आधुनिक बॉडी आर्मर और हेलमेट से सुरक्षित हैं। ड्रोन सिस्टम से निगरानी करना आसान हो गया है। इंटीग्रेटेड बैटलफील्ड मैनेजमेंट सिस्टम से संचार बेहतर हुआ है। आकाश और एस-400 मिसाइल सिस्टम से हवाई सुरक्षा मजबूत हुई है। सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच तालमेल से अब हम एक साथ कई क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। हमारी सेना अब हाइब्रिड युद्ध, काउंटर-ड्रोन ऑपरेशन के लिए प्रशिक्षण ले रही है। इससे हमारी सेना दुनिया की सबसे अच्छी सेनाओं में से एक बन गई है।

मुआवजे की रकम से ही मरम्मत करा देते तो 7 मासूमों की अर्थी पिता के कंधों पर नहीं होती

राजस्थान में झालावाड़ एक जगह है। यह एक जिला है जिसका इतिहास प्रदेश के गौरवशाली इतिहास से जुड़ा है। इस शहर की स्थापना कोटा राज्य के तत्कालीन दीवान (1791 ई.) झाला जालिम सिंह (प्रथम) ने की थी। 1838 ई. में अंग्रेजी शासकों ने झालावाड़ राज्य को कोटा राज्य से अलग कर झाला जालिम सिंह के पोते झाला मदन सिंह को दे दिया। झाला मदन सिंह ने 1838 से 1845 तक झालावाड़ पर शासन किया। उनकी मृत्यु के बाद, झाला पृथ्वी सिंह झालावाड़ के शासक बने, और लगभग 30 वर्षों तक शासन किया। लंबे शासनकाल के दौरान यहां खूब विकास हुआ। यहां छावनी और बड़े घर और हवेलियां भी बनीं। राणा भवानी सिंह ने झालावाड़ राज्य के विकास में उल्लेखनीय कार्य किया। वर्तमान में झालावाड़ का जिक्र होते ही प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे याद आती हैं।

इतने विकास के बाद मौजूदा समय में एक बार फिर से झालावाड़ एक बार फिर से दिल्ली से लेकर राजस्थान तक सुर्खियों में बना हुआ है। इसकी वजह है जिले के मनोहरथाना इलाके के पिपलोदी गांव का सरकारी स्कूल। सरकारी स्कूल में एक बड़ा हादसा हो गया। स्कूल की इमारत गिरने से क्लास में पढ़ रहे 35 बच्चे दब गए। चारों तरफ चीख पुकार मच गई। इस हादसे में अब तक 7 बच्चों की मौत हो चुकी है। हर बार की तरह प्रशासन ने राहत बचाव के बाद मामले की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है। सरकार की तरफ से शिक्षा मंत्री ने इसकी जिम्मेदारी ले ली है। हादसे में मरने वाले बच्चों के परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपये मुआवजे का ऐलान कर दिया है। हैरानी की बात है कि सरकार की तरफ से बच्चों की मौत पर मुआवजे का ऐलान कर अपने कर्तव्य से इतिश्री कर ली गई है। यहां सवाल उठ रहा है कि सरकार ने जो अब मुआवजे की घोषणा की है। यदि इसी पैसे से समय रहते स्कूल की मरम्मत करा दी गई होती तो यह हादसा ही नहीं होता। खबर है कि राज्य के सीएम घटना स्थल का दौरा करने वाले हैं। ऐसे में स्कूल तक जाने वाली सड़क की मरम्मत में प्रशासनिक अधिकारी जुट गए हैं। इसे बेशर्मी नहीं तो क्या कहेंगे? कि जर्जर स्कूल को मरम्मत कराने के लिए सरकार की तरफ से पैसे नहीं निकले लेकिन अब मुख्यमंत्री के आने से पहले चेहरा चमकाने के लिए सड़क की मरम्मत करा रहे हैं।

200-200 रुपये इकट्ठा करो नई छत डलवा देंगे

अब बात उस 78 साल पुराने सरकारी स्कूल की जहां ये हादसा हुआ है। स्कूल की इमारत गिरने के पीछे एक लंबी कहानी है। एक ऐसी कहानी जिसमें ट्विस्ट एंड टर्न है। गांव वालों की गुहार है, शिक्षकों का टालमटोल है, तहसीलदार से लेकर एसडीएम का चिरपरिचित टालू रवैया भी शामिल है। स्कूल की इमारत का एक हिस्सा पूरी तरह से जर्जर हो चुका था। हर बार बारिश में क्लासरूम में पानी टपकता था। छात्र स्कूल की इस हालत का जिक्र अपने टीचर्स से तो करते ही थे बल्कि अपने मां-बाप से भी स्कूल की बदहाल हालत की शिकायत करते थे।

अब मां-बाप हैं तो बच्चों की शिकायत पर कुछ ना कुछ तो करेंगे ही। वे लोग पहुंच गए अधिकारियों के पास। अधिकारियों से स्कूल भवन की मरम्मत करने की गुहार लगाई लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला। रिपोर्ट की मानें तो अधिकारियों ने शिक्षकों से कहा कि वह अपने स्तर पर ही इसे ठीक करा लें। इसके बाद शिक्षकों ने छात्रों के परिवार वालों से प्रति परिवार 200-200 रुपये इकट्ठा करने को कहा था। शिक्षकों का कहना था कि पैसे जोड़ लो हम नई छत डलवा देंगे।

शुक्रवार को क्लास में बैठे छात्रों ने छत से कंकड़ गिरने की शिकायत टीचरों से की। इस पर टीचर ने छात्रों को ही डांट कर चुपचाप बैठने की नसीहत दे दी। उसके कुछ देर बाद ही छत ही गिरन से कई बच्चे दब गए। उन मासूमों की आखिर क्या गलती थी जो स्कूल में पढ़ने गए थे। उन्हें क्या पता था कि जिस स्कूल में वह पढ़ने जा रहे हैं वहीं, उनकी जिंदगी सरकार लापरवाही तल दम तोड़ देगी। हादसे में जिन बच्चों की जान गई वो किसी का भाई तो किसी की बहन, किसी का बेटा या बेटी थे।

तो पिता के कंधों पर नहीं होती मासूमों की अर्थी

हादसे में जान गंवाने वाला 8 साल का छात्र कार्तिक तो चार बहनों का इकलौता भाई था। ऐसे में अब परिवार के आंसू नहीं थम रहे हैं। बहनों का कहना है कि अब वह किसे राखी बांधेंगी। वहीं, एक दूसरे घर से एक ही अर्थी पर भाई-बहन की लाश भी उठी। इस स्कूल की पहली क्लास में कान्हा तो बहन मीना 5वीं क्लास में पढ़ती थी। दोनों बच्चों को गंवाने के बाद पिता छोटूलाल के पास अब खोने के लिए शायद कुछ भी नहीं है।

इस हादसे के सवाल और जवाब दोनों ही जनता के सामने हैं। यह किसी से छुपा नहीं है कि हादसे की प्राथमिक जिम्मेदारी स्थानीय स्कूल प्रशासन, जिला शिक्षा अधिकारियों, और जिला प्रशासन की है। इन लोगों ने जर्जर भवन की शिकायतों और सुरक्षा जांच के आदेशों को नजरअंदाज किया। यदि इन लोगों ने समय रहते अपने दायित्व का निर्वहन किया होता तो आज मासूमों की अर्थी उनके पिता के कंधों पर नहीं होती।

हरियाली तीज का व्रत रखने वाली महिलाएं जरूर करें ये 7 काम

हरियाली तीज का त्योहार 27 जुलाई 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन महिलाओं के द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। इसके साथ ही कई महिलाएं वैवाहिक जीवन की खुशहाली और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ इस दिन व्रत रखती हैं। इसके साथ ही कुछ ऐसे कार्य भी हैं जिन्हें इस दिन आपको अवश्य करना चाहिए।

हरियाली तीज के दिन जरूर करें ये काम

सोलह श्रृंगार: हरियाली तीज का व्रत रखने वाली महिलाओं को सोलह श्रृंगार अवश्य करना चाहिए। बिना सोलह श्रृंगार किए व्रत को पूर्ण नहीं माना जाता। विवाहित महिलाओं को सुहाग की निशानियां जैसे- चूड़ी, बिंदी, सिंदूर आदि अवश्य इस दिन धारण करना चाहिए।

हरा रंग जरूर पहलें: इस दिन आपको हरा रंग भी अवश्य धारण करना चाहिए। हरे रंग को सौभाग्य और समृद्धि की निशानी माना जाता है। ऐसे में अगर आप हरियाली तीज के दिन हरा रंग धारण करते हैं तो आपको भी शुभ फलों की प्राप्ति होती है। हरे रंग के आभूषण, वस्त्र आदि आप कुछ भी धारण कर सकती हैं।

इस दिन जरूर करें दान: हरियाली तीज के दिन व्रत रखने वाली महिलाओं को यथासंभव दान भी अवश्य करना चाहिए। दान करना हिंदू धर्म में बेहद पुण्य फलदायक कार्य बताया गया है। ऐसा करने से आपको आत्मिक शांति तो मिलती ही है, साथ ही देवी-देवताओं का आशीर्वाद भी आप पाते हैं।

व्रत रखा है तो न पीएं जल: हरियाली तीज का व्रत निर्जला माना जाता है। जो भी महिलाएं इस दिन व्रत रखती हैं उन्हें जल का सेवन करने से इस दिन बचना चाहिए। तभी आपको व्रत का शुभ फल मिलता है।

ये कार्य करने भी जरूरी: अगर संभव हो तो इस दिन झूला आपको झूलना चाहिए। ऐसा करना संभव न हो तो आप भजन, कीर्तन आदि लोगों के साथ मिलकर कर सकती हैं। यह कार्य करने से शिव-पार्वती का आशीर्वाद आपको मिलता है।

पंचामृत से करें शिवलिंग का अभिषेक: इस दिन व्रत रखने वाली विवाहित महिलाओं को पति के साथ मिलकर शिवलिंग का पंचामृत से अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि आती है साथ ही परिवार में भी सामंजस्य बना रहता है।

धार्मिक पुस्तकें पढ़ें: इस दिन आपको धार्मिक और आध्यात्मिक पूस्तकों को पढ़ना चाहिए। ऐसा करने से आपका मन-मस्तिष्क शांत रहता है और प्रभु भक्ति में भी आपका ध्यान लगता है।

हरियाली तीज का व्रत कैसे किया जाता है?

हरियाली तीज का पावन त्योहार हर वर्ष सावन के माह में मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं के द्वारा शिव-पार्वती का पूजन किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन व्रत रखने से पारिवारिक जीवन में खुशहाली आती है। साथ ही माता पार्वती सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का वर देती हैं। हालांकि, इस दिन आपको व्रत पूरे विधि-विधान से करना चाहिए। आज हम आपको इसी के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे।

हरियाली तीज 2025

हरियाली तीज का पावन पर्व श्रावण शुक्ल तृतीया को मनाया जाता है। साल 2025 में सावन तृतीया का आरंभ 26 जुलाई की रात्रि में 10 बजकर 44 मिनट पर हो जाएगा। वहीं इसका समापन 27 जुलाई की रात्रि में होगा। ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के अनुसार 27 जुलाई को ही हरियाली तीज का व्रत रखा जाएगा।

हरियाली तीज व्रत विधि

हरियाली तीज के दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर आपको स्नान-ध्यान करना चाहिए। इसके बाद पूजा स्थल को स्वच्छ करके वहां गंगाजल आपको छिड़कना चाहिए। इसके बाद महिलाओं को 16 श्रृंगार करके पूजा स्थल पर बैठना चाहिए, पूजा का स्थान ईशान कोण में हो तो अच्छा माना जाता है। अगर इस दिशा में पूजा घर न हो तो यहां (ईशान कोण में) एक चौकी लगाकर उसपर शिव-पार्वती की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करके आपको पूजा करनी चाहिए। इसके बाद पूजा स्थल पर बैठकर हरियाली तीज के व्रत का संकल्प लें और पूजा आरंभ करेंगे। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती को फल, फूल, मिष्ठान आदि का भोग आपको लगाना चाहिए। इसके बाद हरियाली तीज की व्रत कथा का पाठ करें। शिवजी और पार्वती के मंत्रों का जप करें और अंत में आरती अवश्य करें। इसके बाद घर के लोगों को प्रसाद का वितरण करें। इस तरह आपको सुबह शाम के समय हरियाली तीज के दिन पूजा करनी चाहिए।

हरियाली तीज व्रत का लाभ

हरियाली तीज का व्रत रखने वाली महिलाओं को माता पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस व्रत के प्रभाव से दांपत्य जीवन में खुशियां आती हैं, साथ ही पति-पत्नी के बीच प्रेम और स्नेह भी बढ़ता है। परिवार में सुख और सौभाग्य की वृद्धि हरियाली तीज का व्रत रखने से होती है। इस व्रत को विधि-विधान से करने वाली महिला के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं।

इन 4 चीजों को बताना पड़ सकता है भारी संत प्रेमानंद महाराज की चेतावनी

प्रेमानंद महाराज एक प्रसिद्ध सनातन धर्म प्रचारक, भागवत कथा वाचक और आध्यात्मिक गुरु हैं जो अपने सरल, प्रभावशाली और भक्ति से परिपूर्ण प्रवचनों के लिए पूज्य हैं। वे श्रीमद्भागवत कथा, श्रीराम कथा और गीता के माध्यम से लोगों को धर्म, सेवा, संयम और भक्ति का मार्ग बताते हैं। उनके प्रवचन सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक जीवन के लिए भी प्रेरणादायक होते हैं। वे लोगों को जीवन की गहराइयों को समझने और आत्मिक शांति प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। वृंदावन में महाराज जी अपना दरबार लगाते हैं जहां वे अपने अनुयायियों के हर सवाल का जवाब देते हैं। दरबार के दौरान ही जब किसी महिला ने महाराज जी से सवाल किया कि भजन, भोजन, खजाना और यारी छुपाकर क्यों रखनी चाहिए तो उस पर महाराज जी ने कहां कि इन चीजों के बारे में बताने से हानि हो सकती है। जानिए महाराज जी ने इस पर और क्या कहा।

प्रेमानंद महाराज के यूट्यूब चैनल भक्ति मार्ग पर एक वीडियो साझा किया गया जिसमें बताया गया कि क्यों इन चार चीजों को छुपाकर रखने में ही सभी की भलाई है। इस पर उदाहरण देते हुए प्रेमानंद महाराज जी कहते हैं कि जैसे अगर आपके पास पर्स में 10 लाख रुपए हों और आप सभी को बता दें। तो मुश्किल से 1 घंटे ही ये पैसा आपके पास टिक पाएगा। कोई न कोई उसे तरकीब लगाकर इस पैसे को लेकर चला ही जाएगा। यानी इससे आपको नुकसान ही होगा।

आगे महाराज जी कहते हैं कि ये मर्यादा है कि अपने प्रेम को, भजन को, खजाने को छुपाकर रखना चाहिए। अगर छुपाओगे नहीं तो ये क्षीण हो जाएगा क्योंकि जितना ये चीजें छुपाओगे उतना ही इनमें बढ़ोतरी होगी और जितना प्रकाशित करोगे उतना ही कम होती जाएंगी। ऐसे ही अपनी दिनचर्या को भी दूसरों के सामने सार्वजनिक नहीं करना चाहिए। अगर सार्वजिनक कर दोगे तो वो पक्का ही छूट जाएगी। इस बात का ध्यान रखें कि आप जो भजन करते हैं उस बारे में भी कोई जान न पाये।

मंगल 28 जुलाई को बदलेंगे चाल, बिगड़ सकते हैं इन 3 राशियों के आर्थिक हालात

मंगल ग्रह 28 जुलाई की रात्रि में कन्या राशि में प्रवेश कर जाएंगे। ज्योतिष शास्त्र में मंगल को क्रूर ग्रहों की श्रेणी में रखा गया है। अगर कुंडली में इनकी स्थिति अच्छी न हो तो व्यक्ति को जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही जब ये राशि परिवर्तन करते हैं तो कुछ राशियों के लिए शुभ तो कुछ के लिए प्रतिकूल साबित हो सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि मंगल के गोचर करने से किन राशियों को जीवन में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन राशि

मंगल ग्रह का गोचर आपकी राशि से चतुर्थ भाव में होगा। ज्योतिषीय दृष्टि से इस भाव में मंगल की स्थिति अच्छी नहीं कही जा सकती। मंगल के गोचर के कारण आपको आर्थिक समस्याएं हो सकती हैं। संचित धन को न चाहते हुए भी खर्च करना पड़ सकता है। इसके साथ ही माता-पिता के साथ भी आपके मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। बातचीत के दौरान आपको मार्यादा की सीमा का उल्लंघन करने से बचना चाहिए। भूमि-भवन या वाहन से जुड़ा कोई मामला आपको परेशान कर सकता है, इसलिए सावधान रहें। उपाय के तौर पर मिथुन राशि के लोगों को गुड़ और गेहूं का दान करना चाहिए। ऐसा करने से मंगल की प्रतिकूलता कम होगी।

कुंभ राशि

आपके अष्टम भाव में मंगल ग्रह का गोचर होगा। 28 जुलाई के बाद आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। छोटी-मोटी बीमारियों को नजरअंदाज करने से बचें। आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर होगी, इस दौरान लेनदार आप से पैसा मांग सकते हैं। वाहन चलाते समय भी कुंभ राशि के जातकों को बेहद सतर्क रहने की आवश्यकता होगी। गलत लोगों की संगति से जितना दूर रहेंगे उतना आपके लिए अच्छा रहेगा। रोजगार की तलाश करने वालों को कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता होगी। उपाय के तौर पर आपको हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

मीन राशि

मंगल का गोचर आपकी राशि से सप्तम भाव में होगा। इस भाव में मंगल की स्थिति प्रतिकूल मानी जाती है। यह विवाह का भाव है इसलिए मंगल के गोचर के बाद मीन राशि के जातकों को वैवाहिक जीवन में दिक्कतें आ सकती हैं। इस दौरान किसी तीसरे शख्स को अपने जीवन में दखल न देने दें। साझेदारी में कारोबार करने वालों की आर्थिक हानि हो सकती है। अपने पार्टनर के क्रियाकलापों पर ध्यान बनाए रखें। किसी भी स्थिति में अपनी राज की बातें किसी के साथ साझा न करें। उपाय के तौर पर मीन राशि के जातकों को हनुमान मंदिर में जाकर लाल चोला अर्पित करना चाहिए।

साढ़ेसाती से प्रभावित ये 3 राशियां हरियाली तीज पर जरूर करें ये उपाय

हरियाली तीज के दिन को बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन शिव जी और मां पार्वती की पूजा की जाती है। शनि की साढ़ेसाती के असर को कम करने के लिए इस दिन कुछ उपाय भी बेहद कारगर साबित हो सकते हैं।

हरियाली तीज के दिन माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शनि देव भगवान शिव के परम भक्त हैं। इसलिए हरियाली तीज के दिन कुछ विशेष कार्य करके आप शनि के दुष्प्रभावों को कम कर सकते हैं। आपको बता दें कि वर्तमान में मेष, कुंभ और मीन राशि साढ़ेसाती के प्रभाव में हैं। ऐसे में अगर ये हरियाली तीज के दिन कुछ विशेष उपाय कर लेते हैं तो शनि का बुरा प्रभाव कम हो सकता है। इन राशियों को क्या उपाय इस दिन करने चाहिए, आइए जानते हैं।

मेष राशि

मेष राशि के लोग इसी साल साढ़ेसाती की चपेट में आए हैं। शनि की साढ़ेसाती के चलते इनको आर्थिक हानि हो सकती है, साथ ही करियर में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए मेष राशि के जातकों को हरियाली तीज के दिन शिवजी की पूजा करनी चाहिए और साथ ही शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित करना चाहिए। वहीं भगवान शिव के मंत्रों का जप करना भी इस दिन आपके लिए शुभ रहेगा। इन उपायों के साथ ही इस दिन काले कपड़ों का दान भी आप कर सकते हैं। अगर हरियाली तीज पर आप इन कार्यों को करते हैं तो शिव जी की कृपा तो आपको मिलती ही है, साथ ही साढ़ेसाती के बुरे प्रभावों से भी आप बचते हैं।

कुंभ राशि

शनि की साढ़ेसाती के चलते आपके आर्थिक पक्ष पर बुरा असर पड़ सकता है। साथ ही पारिवारिक जीवन में भी उतार-चढ़ाव का सामना इस राशि के जातक कर सकते हैं। इसलिए शनि के स्वामित्व वाली कुंभ राशि के जातकों को हरियाली तीज के दिन जल में तिल मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करना चाहिए। इसके सात ही शनि ग्रह के बीज मंत्र (ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः) का जप भी एकांत में बैठकर आप कर सकते हैं। इन कार्यों को हरियाली तीज के दिन करने से आपके जीवन में खुशहाली आएगी। शनि की साढ़ेसाती का बुरा असर इन कार्यों को करने से बहुत हद तक कम हो सकता है।

मीन राशि

मीन राशि के जातक को कारोबार में दिक्कतें आ सकती हैं। आपकी वाणी में भी कड़वाहट शनि की साढ़ेसाती के कारण होगी, जिसके चलते कई बने-बनाए काम भी बिगड़ सकते हैं। साथ नौकरी पेशा लोगों को भी विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए शनि के साढ़ेसाती के असर को कम करने के लिए हरियाली तीज के दिन आपको शिवलिंग पर शहद चढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही आप गंगाजल और बेलपत्र भी शिवलिंग पर चढ़ाएं। ये आसान से कार्य साढ़ेसाती के असर को कम कर सकते हैं। इन उपायों को करने से बिगड़ते काम भी बन सकते हैं, धन -धान्य से जुड़ी समस्याओं से भी आपको निजात मिल सकती है।

शादी विवाह के लिए क्यों की जाती है शिवजी की पूजा?

शादी-विवाह में देरी हो या वैवाहिक जीवन की परेशानियां, इसे दूर करने के लिए शिवजी की पूजा विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है। इसके पीछे पौराणिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व जुड़े हैं।

विवाह में देरी हो या फिर वैवाहिक जीवन में किसी तरह की परेशानी चल रही हो तो आमतौर पर लोग शिवजी की पूजा करते हैं। मान्यता है कि शिवजी की पूजा करने से शादी-विवाह से जुड़ी समस्या शीघ्र ही दूर हो जाती है।

हरियाली तीज, कजरी तीज, हरतालिका तीज, 16 सोमवार व्रत, शिवरात्रि व्रत आदि जैसे कई व्रत-त्योहार भगवान शिवजी की पूजा के लिए समर्पित हैं। ये व्रत त्योहार कुंवारी कन्याएं शीघ्र विवाह और विवाहित स्त्रियां सुखी दांपत्य जीवन के लिए रखती हैं।

शादी-विवाह के लिए शिवजी की पूजा करने का एक कारण यह भी है कि, शिव-पार्वती ऐसे देवी-देवता हैं, जो आदर्श दांपत्य के प्रतीक माने जाते हैं। शिव-पार्वती के विवाह को आदर्श विवाह माना जाता है।

पार्वती ने कठोर तप के बाद शिव को पति के रूप में पाया, जो सच्चे प्रेम, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। शिवजी की पूजा से वैसे तो हर कामना पूर्ण होती है। लेकिन विशेषकर विवाह संबंधी इच्छाओं के लिए शिव पूजन को शास्त्र-पुराणों में भी लाभकारी बताया गया है।

शिव पुराण के अनुसार, भगवान शिव को अर्धनारीश्वर रूप में भी पूजा जाता है, जोकि स्त्री-पुरुष के समरसता का प्रतीक है। भगवान का यह रूप दर्शाता है कि शिव और शक्ति (पार्वती) एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। इसलिए शिव का यह रूप वैवाहिक जीवन का गूढ़ संदेश भी देता है।

नारद पुराण, पद्म पुराण में शिव का उल्लेख उमामहेश्वर व्रत का भी उल्लेख मिलता है। इस व्रत में भगवान शिव और पार्वती की पूजा का विधान है, जिसे करने से कन्या को योग्य और मनचाहे वर की प्राप्ति होती है।

तारा सुतारिया ने वीर पहाड़िया के साथ अपने रिश्ते को लेकर तोड़ी चुप्पी

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया को एक साथ फैशन वीक में फ्लाइंग किस करते हुए देखा गया। जिसके बाद दोनों की डेटिंग की अटकलें और तेज हो गईं। इसी बीच जब तारा से उनके रिलेशनशिप को लेकर सवाल किया तो देखिए तारा ने क्या जवाब दिया।

तारा का रिलेशनशिप को लेकर जवाब

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया अपनी फिल्मों को लेकर कम और डेटिंग रूमर्स को लेकर चर्चा में ज्यादा रहते हैं। हाल ही में दोनों को एक-साथ मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ देखा गया था। वहीं इसके बाद दोनों को एक फैशन शो के दौरान फ्लाइंग किस करते देखा गया। जब एएनआई ने तारा सुतारिया और वीर पहरिया के बीच सोशल मीडिया पर हुई फ्लर्टिंग के बाद उनसे सवाल किया की फैंस दोनों के रिलेशनशिप को लेकर बेहद खुश और उनके रिश्ते के बारे में जानने के लिए एक्सटाइडेट हैं तो इस पर तारा ने फैंस से मिल रहे प्यार को लेकर जवाब में कहा, 'यह बहुत प्यारा है।' इसके बाद जब तारा से पूछा गया कि उनके फैंस जानना चाहते हैं कि उनका और वीर का क्या रिलेशनशिप है तो फिलहाल इस बारे में तारा ने बात करने से इनकार कर दिया।

तारा और वीर का करियर

तारा सुतारिया का बॉलीवुड करियर इतना खास नहीं रहा है। तारा सुतारिया ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से की थी। इस फिल्म के बाद तारा ने 'हीरोपंती 2' और 'एक विलेन रिटर्न्स' में भी अभिनय किया है। वहीं वीर पहाड़िया ने 2025 में फिल्म 'स्काई फोर्स' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है।

सोनू सूद ने अभिनेता फिश वेंकट के परिवार की मदद की, कहा- आगे भी करेंगे सपोर्ट

अभिनेता सोनू सूद लोगों की मदद करने के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर उन्होंने अपनी दरियादिली दिखाई है। उन्होंने तेलुगु अभिनेता वेंकट राज उर्फ फिश वेंकट के परिवार वालों की मदद की है। उन्होंने परिवार वालों को डेढ़ लाख रुपये भेजे हैं। फिश वेंकट, का 18 जुलाई को हैदराबाद में गुर्दे की बीमारी के चलते निधन हो गया था।

वेंकट को गुर्दे की बीमारी थी

तेलुगु अभिनेता 53 वर्ष के थे और आईसीयू में भर्ती होने के दौरान डायलिसिस करवा रहे थे। उनका परिवार उनके किडनी ट्रांसप्लांट के लिए आर्थिक मदद मांग रहा था। उन्हें लगभग 50 लाख रुपये की आवश्यकता थी। दुर्भाग्य से, पैसे जुटाने से पहले ही वेंकट का निधन हो गया।

सोनू सूद ने वेंकट के परिवार की मदद की

वेंकट के निधन की खबर सुन

कर अभिनेता सोनू सूद वेंकट के परिवार की मदद के लिए आगे आए। उन्होंने तुरंत उनके परिवार को सहायता के तौर पर 1.50 लाख रुपये ट्रांसफर किए। सोनू सूद ने वेंकट की पत्नी और रिश्तेदारों से फोन पर बात भी की।

वेंकट के निधन से सोनू को दुख हुआ

सोनू सूद की टीम के मुताबिक, उन्हें शुरू में उम्मीद थी कि वेंकट अभी अस्पताल में हैं और ठीक हो सकते हैं। हालांकि, उन्हें यह जानकर 'सदमा लगा' कि अभिनेता का पहले ही निधन हो चुका है। हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक, सोनू ने वेंकट की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों से भी फोन पर बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि जरूरत पड़ने पर वह उनका साथ देंगे। वेंकट की पत्नी ने राहत महसूस की क्योंकि उनके पति हमेशा सोनू सूद की तारीफ करते थे।

वेंकट के परिवार को पहले आर्थिक मदद नहीं मिली

पहले ऐसी खबरें थीं कि अभिनेता प्रभास ने वेंकट के किडनी ट्रांसप्लांट के लिए 50 लाख रुपये की पेशकश की थी। बाद में परिवार ने स्पष्ट किया कि उन्हें यह राशि कभी नहीं मिली।

द फ्री प्रेस जर्नल ने परिवार के एक सदस्य के हवाले से लिखा है 'किसी अज्ञात व्यक्ति ने हमें प्रभास अन्ना का सहायक बनकर फोन किया। बाद में हमें पता चला कि यह एक फर्जी कॉल थी। प्रभास को तो पता भी नहीं था कि ऐसा कुछ हो रहा है। हमें अभी तक कोई आर्थिक मदद नहीं मिली है।'

वेंकट ने 'अधूर्स', 'गब्बर सिंह', 'शिवम' और 'कैदी नंबर 150' जैसी कई तेलुगु फिल्मों में काम किया था।

चहल को गले लगाते महवश का वीडियो वायरल अफेयर की चर्चा के बीच बर्थडे मनाते नजर आए

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने लंदन में अपना बर्थडे शानदार अंदाज में सेलिब्रेट किया है। दिलचस्प बात यह है कि उनके जन्मदिन के जश्न में रूमर्ड गर्लफ्रेंड महवश भी शामिल हुईं। इस बीच दोनों को गले लगते देखा गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

यूजी ने महवश को लगाया गले

धनश्री से तलाक के बाद क्रिकेटर युजवेंद्र चहल का नाम इन्फ्लुएंसर और मॉडल आरजे महवश के साथ जुड़ रहा है। दोनों के कथित अफेयर की खबरों के बीच हाल ही में इन्हें लंदन में साथ घूमते देखा गया। अब युजवेंद्र ने अपना जन्मदिन भी लंदन में सेलिब्रिट किया। एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसमें यूजी बड़े प्यार से महवश को गले लगाते दिख रहे हैं।

महवश ने सोशल मीडिया पर शेयर की बर्थडे सेलिब्रेशन की झलक

महवश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर भी युजवेंद्र चहल के बर्थडे सेलिब्रेशन की झलक शेयर की है। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें चहल को केक काटते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ महवश ने कैप्शन लिखा है, 'आईफोन वाले पार्टी के फोटोज भेज नहीं रहे हैं, इसको पर मेरे पास यही एक था। ये रख ले मस्त'। उन्होंने इस पोस्ट में चहल को टैग किया है।

नेटिजन्स ने पूछा- 'कंफर्म हो गया रिलेशनशिप'?

फिलहाल इंटरनेट पर वायरल यूजी और महवश के वीडियो पर नेटिजन्स के दिलचस्प कमेंट्स आ रहे हैं। दोनों को गले लगते देख यूजर्स पूछ रहे हैं कि क्या रिलेशनशिप कंफर्म कर दिया है? एक यूजर ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे भाई। लाइफ एंजॉय करो अपनी'। एक यूजर ने लिखा, 'गले लगने के तरीके से पता चल रहा है कि आप दोनों एक-दूसरे के कितने करीब हैं'। वहीं, धनश्री के फैंस भी अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'इस वीडियो से साफ है कि किसने किसे धोखा दिया'। एक यूजर ने लिखा, 'फिर भी लोग धनश्री को गलत बताएंगे'।

काजोल नहीं करना चाहती थीं शाहरुख खान संग 'बाज़ीगर' पिता ने अब्बास-मस्तान के साथ काम के लिए मनाया

काजोल 30 सालों से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। काजोल ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है, जिसमें अब्बास-मस्तान की 1993 की क्राइम थ्रिलर 'बाज़ीगर' भी शामिल है। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान भी थे। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि शुरुआत में वह इस फिल्म को साइन करने में हिचकिचा रही थीं।

उनके पिता शोमु मुखर्जी थे जिन्होंने उन्हें यह रोल लेने के लिए मनाया और "अच्छे डायरेक्टर्स" के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। काजोल ने यह भी बताया कि उनके पिता ने उनके करियर को आकार देने और फिल्मों के चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फिल्मफेयर से बातचीत के दौरान, काजोल ने कहा,"मेरे पापा ने मुझे वॉर्निंग दी थी। उन्होंने कहा, 'तुम्हें पक्का पता होना चाहिए कि तुम क्या करना चाहती हो, क्योंकि एक बार जब तुमने मेकअप कर लिया, तो यह उतरने वाला नहीं है।' उस समय मेरी उम्र करीब 16 साल थी और मैंने कहा, "क्या बकवास है! मैं एक पढ़ी-लिखी लड़की हूं, आज की औरत हूं।"

काजोल ने बताया कि उनके पिता ने उन्हें 'बाज़ीगर' करने के लिए मनाया था। काजोल ने कहास "वह भी बहुत प्रैक्टिकल इंसान थे, इंडस्ट्री के फ्लो में थे। वही व्यक्ति थे जिन्होंने मुझे कहा कि मुझे 'बाज़ीगर' करनी चाहिए। क्योंकि मैं पक्की नहीं थी कि मुझे 'बाज़ीगर' करनी चाहिए या नहीं। मैं ऐसे थी, 'मुझे सच में यकीन नहीं था। ये फिल्म क्या है? मैं इसमें क्या कर रही हूं?' वह बोले, नहीं तुम्हें यह करनी चाहिए क्योंकि ये अच्छे डायरेक्टर्स हैं, मैं अब्बास-मस्तान को जानता हूं। वह एक फिल्म थी जिसके बारे में उन्होंने कहा कि तुम्हें यह जरूर करनी चाहिए।"

एक्ट्रेस के साथ 24 लाख रुपए की धोखाधड़ी फिल्ममेकर पर एफआईआर दर्ज कराई

मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में टीवी एक्ट्रेस रुचि गुज्जर ने फिल्ममेकर करण सिंह चौहान के खिलाफ धोखाधड़ी, विश्वासघात और धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है. यह मामला हिंदी टेलीविजन सीरियल के सह निर्माता बनाने को लेकर हुए 24 लाख रुपए के आर्थिक विवाद से जुड़ा है. रुचि गुज्जर की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया कि जुलाई 2023 से जनवरी 2024 के बीच उन्होंने अपनी कंपनी एसआर इवेंट एंड एंटरटेनमेंट से करण की कंपनी स्टूडियोज और अन्य खातों में 24 लाख रुपए की राशि कई किश्तों में ट्रांसफर की थी.

रुचि गुज्जर ने बताया कि करण सिंह चौहान ने उनसे व्हाट्सऐप के माध्यम से संपर्क कर खुद को हिंदी सीरियल का निर्माता बताया और सोनी टीवी पर शो लॉन्च करने की बात कही. रुचि ने आगे दावा किया कि उसको सह-निर्माता के रूप में जोड़ने का प्रस्ताव दिया गया और प्रोजेक्ट से जुड़े दस्तावेज भी भेजे गए. इन बातों पर भरोसा कर रुचि ने करण के अलग-अलग बैंक खातों में यह रकम ट्रांसफर कर दी.

रुचि गुज्जर ने आरोप लगाया कि इतने पैसे देने के बावजूद प्रोजेक्ट पर कोई काम शुरू नहीं हुआ. जब उन्होंने करण से लगातार संपर्क किया, तो वह बहाने बनाकर टालता रहा. बाद में करण ने कहा कि उसने यह पैसे 'सो लांग वैली' नाम की फिल्म में लगा दिए हैं और फिल्म के बिकने पर पैसे लौटा देगा. रुचि ने कहा कि जब उन्हें पता चला कि यह फिल्म 27 जुलाई को रिलीज हो रही है, तो उन्होंने करण से पैसे वापस करने को कहा, जिसके बाद करण ने उन्हें धमकियां देनी शुरू कर दीं.

मुंबई पुलिस ने रुचि की शिकायत के आधार पर करण सिंह चौहान के खिलाफ बीएनएस की धाराएं 318(4), 352 और 351(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है. रुचि ने एफआईआर में ट्रांजैक्शन डिटेल्स, बैंक अकाउंट नंबर और अपने आर्थिक नुकसान का पूरा ब्यौरा दिया है. मुंबई पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और बैंकिंग लेनदेन, कॉल रिकॉर्ड्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कर रही है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मामले में जल्द ही आरोपी को पूछताछ के लिए तलब किया जा सकता है.

'हमारे सामने खड़े होने की औकात नहीं है' नए एक्टर्स को लेकर जॉनी लीवर का बड़ा बयान

दिग्गज कॉमेडियन जॉनी लीवर ने हाल ही में फिल्मों और स्टैंड-अप कॉमेडी में बदलाव को लेकर बात की है और साथ ही चिंता भी जताई है। चार दशकों से भी ज़्यादा के करियर में 300 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके लीवर को लंबे समय से एक साफ-सुथरे, पारिवारिक कलाकार के रूप में जाना जाता रहा है। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में जॉनी लीवर ने आजकल कॉमेडी में अश्लीलता और डबल मीनिंग जोक्स को लेकर निराशा व्यक्त की है।

हॉलीवुड को कॉपी कर रहे कलाकार

जॉनी लीवर ने कहा, "हॉलीवुड फिल्मों की वजह से आजकल लोग खुलेआम गालियां दे रहे हैं। वेस्ट में, अभद्र भाषा का इस्तेमाल और भद्दे चुटकुले बनाना आम बात है, और अब हमारे अभिनेता और कॉमेडियन भी उनकी नकल कर रहे हैं। उन्हें एक आदत पड़

गई है। वो अब सिर्फ अंग्रेजी फिल्में ही देखते हैं।" उनकी बात सुनकर कुनिका ने भी सहमति जताते हुए कहा, "उनमें से बहुत से लोग अब ठीक से हिंदी भी नहीं जानते।"

जॉनी लीवर ने बताया कि इस बदलाव ने संवेदनाओं को कैसे प्रभावित किया है। "वो हॉलीवुड से हूबहू चीजे सीख लेते हैं, ये सोचकर कि 'चल जाएगा, क्या फर्क पड़ता है।' इसी तरह डबल मीनिंग वाले जोक्स इतने आम हो गए हैं।" उन्होंने आगे कहा, "आजकल ज्यादातर स्टैंड-अप कंटेंट डबल मीनिंग से भरा होता है। लेकिन जब हमें इस कला की ट्रेनिंग दी गई थी, तो हमें सिखाया गया था कि कभी भी इस रास्ते पर न चलें। अगर हम डबल मीनिंग वाली बातें करने लगें, तो इन लोगों की औकात भी नहीं सामने खड़े रहने की। लेकिन हमने कभी वो रास्ता नहीं चुना।"

उन्होंने आज के कॉमेडियन को एक छोटी सी चुनौती दी और अपनी बात को खत्म करते हुए कहा, "अगर वे वाकई टैलेंटेड हैं, तो मैं उन्हें चैलेंज देता हूं, कुछ साफ-सुथरा बोलें और फिर भी लोगों को हंसाएं। यही असली परीक्षा है। मैं ये नहीं कह रहा कि वे बुरे हैं, लोग उनके कंटेंट का आनंद ले रहे हैं। लेकिन मेरे पास एक पारिवारिक दर्शक वर्ग है। मुझे इसके प्रति जवाबदेह होना होगा।" उन्होंने बताया कि उनकी बेटी जेमी लीवर भी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए सोलो शो करती हैं और अश्लीलता का सहारा नहीं लेतीं।

जॉनी लीवर की बेटी जेमी ने भी हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में खुद के साथ हुए बुरे अनुभव के बारे में बात की थी। जब खुद को निर्देशक बताकर किसी शख्स ने उनसे गलत डिमांड की थी।

फिल्म 'शहीद' के लिए भगत सिंह की मां से मिलने पहुंच गए थे मनोज कुमार

"अगर मैं किसी भी फिल्म में देश के लिए कुछ कर सकता हूं, तो मैं खुद को 'भारत कुमार' ही मानूंगा।" ये कहना है बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता, निर्माता-निर्देशक और राइटर मनोज कुमार का, जिन्हे 'भारत कुमार' के नाम से भी जाना जाता है। इस नाम को लेकर भी उनका कहना था कि 'ये नाम काफी जिम्मेदारियां देता है। इस नाम के साथ आपको रहना भी इस नाम के माफिक ही पड़ता है।'

कभी कैमरे को तोप का गोला समझकर घबरा जाने वाला 19 साल का लड़का बाद में बॉलीवुड का वो एक्टर-निर्देशक और निर्माता बन जाता है, जिसे खुद प्रधानमंत्री फिल्म बनाने की सलाह देते हैं। मनोज कुमार की आज 88वीं जयंती है। इस मौके पर जानते हैं कैसे पाकिस्तान में जन्में हरिकृष्ण गोस्वामी बन गए बॉलीवुड के 'भारत कुमार' और उनसे जुड़े कुछ किस्से।

विभाजन में मनोज कुमार की आंखों के सामने हुई भाई की मौत

बॉलीवुड के भारत कुमार का जन्म पाकिस्तान के एबटाबाद में 1937 में हुआ था। मनोज कुमार के दिल और दिमाग में देश के विभाजन से जुड़ी काफी गहरी यादें जुड़ी हैं। उसकी वजह है उनका 2 महीने का छोटा भाई कुक्कू जिसकी विभाजन में हुए दंगे के दौरान मौत हो जाती है।

वो बीमार था और मां भी बीमार थी। हम रिफ्यूजी कैंप में थे और मां को तीस हजारी हॉस्पिटल में रखा गया था। उस वक्त दंगे चालू थे। जब सायरन बजता था तो डॉक्टर और नर्स अंडरग्राउंड चले जाते थे। मां और भाई तड़प रहे थे। मां चीख रही थी कि डॉक्टर को बुलाओ। वो सब अंडरग्राउंड हो गये थे। तभी मां ने चीख मारी और मेरा भाई कुक्कू चला गया।

दिलीप कुमार की वजह से बने 'मनोज कुमार'

मनोज कुमार हरिकृष्ण गिरि गोस्वामी से मनोज कुमार कैसे बने इसके भी पीछे एक मजेदार किस्सा है। दरअसल, स्कूल में पढ़ाई के दौरान मनोज कुमार एक बार दिलीप कुमार की फिल्म 'शबनम' देखने गए। इस फिल्म में दिलीप साहब के किरदार से वो इतना

प्रभावित हुए कि उन्होंने अपना नाम ही उस किरदार के नाम पर मनोज कुमार रख लिया।

19 साल की उम्र में निभाया 90 साल के भिखारी का पहला रोल

मनोज कुमार को उनका पहला रोल सिर्फ 19 साल की उम्र में फिल्म 'फैशन' में मिला था। ये किरदार था 90 साल के एक भिखारी का। 19 साल का लड़का जो पहली बार कैमरा फेस कर रहा था, वो 90 साल का भिखारी कैसे बना इसके पीछे की कहानी खुद मनोज कुमार ने एक पुराने इंटरव्यू में बताई थी। मनोज कुमार बताते हैं कि पहली बार कैमरा फेस करने पर वो काफी डरे हुए थे। कैमरा देखकर लगता था मानो तोप का कोई गोला चलेगा। टांगें कांपती थी। फिर कैसे भी करके उन्होंने 90 साल के भिखारी के किरदार को निभाया।

11 रुपए में अशोक कुमार के लिए लिखा एक सीन

मनोज कुमार शानदार अभिनेता के साथ-साथ स्क्रप्ट राइटर भी थे। एक बार जब मनोज कुमार एक्टर बनने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब उन्होंने अशोक कुमार की फिल्म 'जमीन और आसमान' का एक सीन लिखा था और इसके लिए उन्हें 11 रुपए भी मिले थे। दरअसल, एक दिन फिल्म के निर्माता प्रोड्यूसर रोशन लाल मल्होत्रा काफी परेशान थे। उन्हें ऐसी हालत में देखकर मनोज कुमार ने उनसे पूछा कि क्या हुआ मल्होत्रा साहब?

इस पर रोशन लाल ने बताया कि फिल्म के हीरो अशोक कुमार की डेट्स बड़ी मुश्किल से मिली हैं, लेकिन अब उन्हें फिल्म का एक सीन पसंद नहीं आ रहा है। इस पर मनोज कुमार ने कहा कि लाइए मैं इस सीन को दोबारा लिख देता हूं। इसके बाद मनोज कुमार ने जो सीन लिखा वो अशोक कुमार को बहुत पसंद आया। तब रोशन लाल मल्होत्रा ने इसके लिए उन्हें 11 रुपये दिए। इसके बाद कई प्रोड्यूसर्स मनोज कुमार से अपनी फिल्मों के सीन लिखवाने लगे।

फिल्म 'शहीद' के लिए भगत सिंह की मां से मिलने पहुंच गए थे मनोज कुमार

1965 में मनोज कुमार भगत सिंह के जीवन पर बनी फिल्म 'शहीद' लेकर आए थे। ऐसा कहा जाता है कि फिल्म में भगत सिंह की भूमिका निभाने के लिए मनोज कुमार भगत सिंह की मां से मिलने पहुंच गए थे। फिल्म में मनोज कुमार की मेहनत साफ दिखी और फिल्म रिलीज होते ही ब्लॉकबस्टर बन गई। मनोज कुमार के अभिनय की भी काफी तारीफ हुई थी।

जब मुंबई छोड़कर जा रहे अमिताभ को दिया अपनी फिल्म में काम

बॉलीवुड के 'शहंशाह' अमिताभ बच्चन भी महानायक नहीं बन पाते अगर मनोज कुमार न होते। वो मनोज कुमार ही हैं जिन्होंने मुश्किल वक्त में अमिताभ बच्चन का साथ दिया और उन्हें मुंबई से वापस जाने से रोका। दरअसल, जब लगातार फ्लॉप फिल्मों से निराश होकर अमिताभ बच्चन ने मुंबई छोड़ने का मन बना लिया था तो मनोज कुमार ने ही उनको जाने से रोका था। इसके बाद साल 1974 में मनोज कुमार ने अमिताभ को अपनी फिल्म 'रोटी, कपड़ा और मकान' में मौका भी दिया और ये फिल्म हिट साबित हुई। इसके बाद अमिताभ बच्चन की गाड़ी चल निकली।

ऐसे बने मनोज कुमार से 'भारत कुमार'

जब लोग किसी एक्टर को रोमांटिक छवि में देखना पसंद कर रहे थे, उस वक्त मनोज कुमार ने देशभक्ति की फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक देशभक्ति की फिल्में दीं। इनमें पूरब और पश्चिम, शहीद, उपकार, क्रांति और जय हिंद जैसी फिल्में शामिल हैं। ज्यादातर फिल्मों में उनके किरदार का नाम 'भारत कुमार' होता था। इसी वजह से लोग मनोज कुमार को 'भारत कुमार' भी कहने लगे।

अमेरिका ने लगाया बैन तो तस्करों ने कर दिया कारनामा!

चीन को कैसे बेचे 1 अरब डॉलर के एआई चिप

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की ओर से चिप निर्यात पर नियंत्रण कड़ा करने के बाद तीन महीनों में तस्करों ने कम से कम 1 अरब डॉलर के एनवीडिया के उन्नत एआई चिप्स चीन को बेच दिए। माना जा रहा है कि यह तस्करी थाईलैंड के रास्ते की गई।

तस्करी के बारे में क्या दावा किया गया है?

एनवीडिया के उच्च-स्तरीय बी200 प्रोसेसर, जिनकी चीन में बिक्री पर प्रतिबंध है, वहां के काला बाजार में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। रिपोट्र्स में बिक्री अनुबंधों, कंपनी के दस्तावेजों और सौदों की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले कई लोगों के हवाले से यह दावा किया गया है।

उधर, तस्करी की खबरों के बाद दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया ने डेटा केंद्रों में अनधिकृत चिप्स के इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है। तस्करी की खबरों के बाद कंपनी ने बयान जारी कर कहा है कि अवैध तरीके से ऐसे चिप्स खरीदना तकनीकी और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से 'घाटे का सौदा' है। एनवीडिया ने कहा है कि डेटासेंटरों को सर्विस की जरूरत होती है, जो हम केवल अधिकृत एनवीडिया उत्पादों को ही प्रदान करते हैं। वहीं, अमेरिकी वाणिज्य विभाग, व्हाइट हाउस और थाई सरकार ने इस मामले में फिलहाल टिप्पणी नहीं की है।

अमेरिका-चीन के बीच ठनी

रिपोर्ट के अनुसार, मई में चीन के कई वितरकों ने चीन के एआई समूहों को सेवा देने वाले वाले डेटा केंद्रों के आपूर्तिकर्ताओं को बी200एस बेचना शुरू कर दिया था। अमेरिका और चीन एआई व अन्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के बाजार में वैश्विक प्रभुत्व हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच एनवीडिया जैसी कंपनियों के उत्पादों के लिए के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है।

चीन के किन शहरों में हो रही एआई चिप्स की बिक्री?

एनवीडिया ने पिछले हफ्ते बताया था कि ट्रम्प प्रशासन की ओर से एच 20 जैसे चिप्स की बिक्री पर निर्यात प्रतिबंध हटाने के बाद उसे चीन में बिक्री फिर से शुरू करने की अनुमति मिल जाएगी। ये प्रतिबंध अप्रैल में लगाए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले के तीन महीनों में, गुआंग्डोंग, झेजियांग और अनहुई प्रांतों के चीनी वितरकों ने एनवीडिया के बी200 के साथ-साथ एच100 और एच200 जैसे अन्य प्रतिबंधित प्रोसेसर भी बेच डाले।

चिप तस्करी के लिए किस रूट का किया जा रहा इस्तेमाल?

उद्योग विशेषज्ञों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश ऐसे बाजार बन गए हैं जहां से चीनी समूहों ने प्रतिबंधित चिप्स हासिल किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी वाणिज्य विभाग सितंबर से ही थाईलैंड जैसे देशों में उन्नत एआई उत्पादों पर अधिक निर्यात नियंत्रण लगाने पर चर्चा कर रहा है।

तकनीक चुराने के लिए इस्तेमाल फ्लाइंग सूटकेस क्या हैं?

पिछले महीने एक रिपोर्ट में कहा गया था कि चीनी कंपनियां उच्च-स्तरीय एआई चिप्स पर अमेरिकी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए 'अपरंपरागत' तरीके अपना रही हैं। इसके तहत सूटकेस में एआई प्रशिक्षित हार्ड ड्राइव को दूसरे देशों में ले जाया जा रहा है। इन्हें 'फ्लाइंग सूटकेस' का नाम दिया गया है।

उदाहरण के लिए, मार्च में एक घटना में, चार चीनी इंजीनियर कथित तौर पर बीजिंग से मलेशिया गए, और हर एक के पास 80 टेराबाइट डेटा वाली 15 हार्ड ड्राइव से भरे सूटकेस थे।

रोजाना पांच सौ मिलियन डालर बढ़ रही लैरी ऐलिसन की दौलत, खतरे में है एलन मस्क की कुर्सी

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कुर्सी खतरे में है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 70.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ की नेटवर्थ अब 362 अरब डॉलर रह गई है। इस बीच ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन 296 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ में इस साल 104 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस दौरान उन्होंने रोजाना करीब 500 मिलियन डॉलर (करीब 43,22,79,00,000 रुपये) कमाए हैं। मस्क और एलिसन की नेटवर्थ में अब केवल 66 अरब डॉलर का अंतर रह गया है। 80 साल के एलिसन की नेटवर्थ में शुक्रवार को 2.89 अरब डॉलर की तेजी आई।

उनकी दिग्गज टेक कंपनी ओरेकल में 40% से अधिक हिस्सेदारी है। इस कंपनी की स्थापना उन्होंने 1977 में की थी। करीब 37 साल तक कंपनी की कमान संभालने के बाद उन्होंने साल 2014 में कंपनी के सीईओ का पद छोड़ दिया था। वह दिसंबर 2018 से अगस्त 2022 तक टेस्ला के बोर्ड में भी रहे। एलिसन ने साल 2012 में हवाई आईलैंड में एक पूरा द्वीप करीब 300 मिलियन डॉलर में खरीदा था और 2020 में वह स्थाई रूप से वहां रहने चले गए।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में जेफ बेजोस ($252 अरब) तीसरे और मार्क जकरबर्ग ($251 अरब) चौथे नंबर पर हैं। इसके बाद स्टीव बालमर ($176 अरब), लैरी पेज ($174 अरब), सर्गेई ब्रिन ($163 अरब), बर्नार्ड अरनॉल्ट ($162 अरब), जेंसन हुआंग ($151 अरब) और वॉरेन बफे ($146 अरब) का नंबर हैं। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 101 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 18वें और गौतम अडानी 80.8 अरब डॉलर के साथ 20वें नंबर पर हैं।

अनिल अंबानी के ठिकानों पर लगातार तीसरे दिन ईडी का छापा

कैसे कंगाल हुए मुकेश अंबानी के छोटे भाई?

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दिग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित परिसरों पर ईडी की रेड आज तीसरे दिन भी जारी है। इसकी शुरुआत गुरुवार सुबह हुई थी और शुक्रवार को भी यह सिलसिला चलता रहा। केंद्रीय एजेंसी ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़ी कंपनियों के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी यस बैंक लोन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच के सिलसिले में की जा रही है। कभी दुनिया के टॉप रईसों में शुमार अनिल अंबानी की कई कंपनियां दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही हैं या बिक चुकी हैं। एसबीआई ने अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस को फ्रॉड घोषित किया है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला है कि यस बैंक ने 2017 से 2019 के बीच अनिल अंबानी की कंपनी को लगभग 3,000 करोड़ रुपये के लोन दिए थे। आरोप है कि ये लोन शेल कंपनियों और ग्रुप की दूसरी कंपनियों को दिए गए। बाद में यह पैसा कहीं और ट्रांसफर कर दिया गया। जांचकर्ताओं को ऐसे सबूत भी मिले हैं जिनसे पता चलता है कि यस बैंक के अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी इनमें बैंक के प्रमोटर भी शामिल हैं।

बैंकों को भारी नुकसान

2018 में अनिल अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस ग्रुप का कुल कर्ज 1.8 लाख करोड़ रुपये था। रिलायंस कम्युनिकेशंस पर करीब 40,413 करोड़ रुपये का कर्ज था। रिलायंस पावर पर 18,766 करोड़ रुपये, रिलायंस होम फाइनेंस पर 11,540 करोड़ रुपये, रिलायंस कैपिटल पर 26,086 करोड़ रुपये और रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग पर 12,800 करोड़ रुपये का कर्ज था। रिलायंस इन्फ्रा हाल में कर्जमुक्त हुई है। इस कंपनी ने डीएमआरसी, एनएचएआई और गोवा सरकार पर 6,300 करोड़ रुपये से अधिक बकाये का दावा किया है। इन कंपनियों को लोन देने वाले बैंकों को भारी नुकसान हुआ है। एनसीएलटी से मंजूर समाधान योजनाओं से उन्हें 1% (रिलायंस कम्युनिकेशंस) से लेकर 37% (रिलायंस कैपिटल) तक रिकवरी हुई है। साल 2008 में $42 बिलियन की नेटवर्थ के साथ वह दुनिया के छठे सबसे अमीर व्यक्ति थे।

भीषण गर्मी बिगाड़ रही बजट : 80 फीसदी से ज्यादा बढ़े प्याज-आलू के दाम; बढ़ेगी आर्थिक असमानता

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन और भीषण गर्मी के कारण भारत में बीते साल खाद्य कीमतों में बेतहाशा उछाल देखा गया। खास तौर पर प्याज और आलू की कीमतों में 2024 की दूसरी तिमाही में 80 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसने आम लोगों का बजट बिगाड़ दिया। यह खुलासा एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में हुआ है, जिसका नेतृत्व बार्सिलोना सुपरकंप्यूटिंग सेंटर के मैक्सिमिलियन कोट्ज ने किया हैं। अध्ययन में यूरोपीय सेंट्रल बैंक, पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च और यूके के फूड फाउंडेशन के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इसमें 2022 से 2024 के बीच 18 देशों में जलवायु से जुड़ी 16 खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर असर का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि इनमें से कई घटनाएं 2020 से पहले के सभी ऐतिहासिक उदाहरणों से कहीं ज्यादा थीं और ग्लोबल वार्मिंग से काफी प्रभावित थीं। विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में मई में आई भीषण गर्मी ने फसलों की पैदावार और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बुरी तरह प्रभावित किया। इससे सब्जियों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। प्याज और आलू के दाम 80 फीसदी से ज्यादा बढ़ गए। अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में ऐसे उतार-चढ़ाव से कुपोषण बढ़ सकता है। स्वास्थ्य संबंधी नतीजे बिगड़ सकते हैं, जिससे आर्थिक असमानता बढ़ सकती है।

दाम बढ़ने से कम आय वाले परिवार प्रभावित

कोट्ज ने कहा, खाने-पीने की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का खाद्य सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। खासकर कम आय वाले परिवारों पर।

लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ सोना

चांदी की चमक भी पड़ी फीकी, आपके शहर का ताजा भाव

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के हाल में जापान और फिलिपींस के साथ ट्रेड डील के बीच सोने की कीमतों में पिछले तीन दिनों से लगातार गिरावट देखने को मिली है. चांदी भी एक दिन स्थिर रहने के बाद आज इसकी चमक फीकी पड़ी है. सोना और चांदी की कीमत में शनिवार यानी 26 जुलाई 2025 को कमी हुई है. आज 24 कैरेट सोना 1,00,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से मिल रहा है, जो एक दिन पहले 1,00,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बिक रहा था. शुक्रवार को सोने की कीमत में 1380 रुपये की कमी आई थी, वहीं चांदी भी 1200 रुपये सस्ती हो गई थी. आज 22 कैरेट सोना 92,090 रुपये प्रति 10 ग्राम जबकि 18 कैरेट सोना 75,350 रुपये की दर से बिक रहा है.

आपके शहरों का ताजा भाव

आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,00,620 रुपये प्रति 10 ग्राम बिक रहा है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,240 रुपये और 18 कैरेट सोना 75,470 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा है. जबकि आर्थिक राजधानी मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और आईटी सिटी बेंगलुरू में 24 कैरेट सोना 1,00,470 रुपये तो वहीं 22 कैरेट सोना इन शहरों में 92,090 रुपये की दर से बिक रहा है. 18 कैरेट सोना मुंबई में 75,350 रुपये, चेन्नई में 75,890 रुपये और कोलकाता-बेंगलुरू में 75,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है.

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया का पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन

9 गुना मुनाफा बढ़कर हुआ 744 करोड़

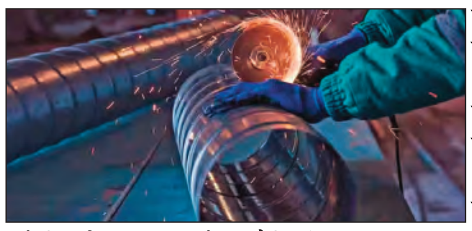

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) की वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे शानदार रहे। देश की सबसे बड़ी इस्पात विनिर्माता सेल का मुनाफा बढ़कर 744.5 करोड़ हो गया। सालाना आधार पर यह 81.7 करोड़ रुपये का इजाफा है।

कंपनी के नकदी प्रवाह बढ़ने और परिचालन क्षमता में सुधार की वजह से लाभ में बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में सेल ने तिमाही नतीजे की जानकारी दी। पब्लिक सेक्टर की 'महारत्न' कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में मुनाफा 81.78 करोड़ रुपये था। पहली तिमाही के दौरान कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर 26,083.90 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के दौरान यह 24,174.80 करोड़ रुपये था।हालांकि, कंपनी का तिमाही खर्च बढ़ गया है। पिछले साल के पहली तिमाही के दौरान जहां खर्च 23,871.60 करोड़ रुपये था, वहीं जून तिमाही के दौरान इस बार यह बढ़कर 25,189.19 करोड़ रुपये हो गया। सेल के मैनेजिंग डायरेक्टर अमरेंदु प्रकाश के अनुसार, पहली तिमाही का प्रदर्शन बेहतर परिचालन दक्षता, घरेलू बाजार में बढ़ी बिक्री और मजबूत नकदी प्रवाह को दर्शाता है।

एसएआईएल का बढ़ा खर्च

उनका कहना है कि वैश्विक रूप से इतनी अनिश्चतताओं के बावजूद बढ़ती घरेलू खपत, सरकार से सुरक्षा शुल्क समर्थन मिलने और इस्पात क्षमता के विस्तार से कंपनी सभी इस्पात उपभोक्ता क्षेत्रों को उच्च गुणवत्ता वाला इस्पात मुहैया कराना जारी रखे हुए है।

सेल की तिमाही नतीजे आने के बाद बीएसई पर कंपनी के शेयर करीब चार प्रतिशत फिसलकर 130.65 पर कारोबार करते हुए बंद हुआ।

पिछले साल 1 अगस्त 2024 को सेल के शेयर का भाव 156.30 रुपये था, जो एक साल का इसके शेयरों के लिए रिकॉर्ड था। इसके बाद से 2025 में 12 फरवरी को 36.53 प्रतिशत गिरकर 99.20 पर आ गया था, जो एक साल का रिकॉर्ड निचला स्तर था।

भारतीय किसानों को झटका देने चला था चीन

लेकिन भारत ने कर दिया चित; बनाया ऐसा प्लान देखता रह गया ड्रैगन!

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के किसानों को झटका देने के लिए चीन ने पिछले दो महीनों से उर्वरकों की आपूर्ति में बाधा डालने का काम किया है। ऐसे में भारत सरकार ने विशेष उर्वरकों के उत्पादन को बढ़ाने के तरीके ढूंढ रही है, जिसका फल, सब्जी और फूलों की खेती के लिए जरूरी हैं। चीन को लग रहा था कि उसके इस कदम से भारत के किसानों को झटका लगेगा।

लेकिन वह अपनी इस चाल में कामयाब नहीं हो पाया। भारत ने हाई क्वालिटी फर्टिलाइजर के उत्पादन को बढ़ाने के दिशा में कदम तेज कर दिए हैं क्रेंद सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने पहले ही सार्वजनिक, सहकारी और निजी क्षेत्र की प्रमुख उर्वरक कंपनियों के साथ शुरुआती बातचीत की है। अधिकारी ने कहा, हमने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों से विशेष उर्वरकों की उपलब्धता बढ़ाने को कहा है। विशेष उर्वरकों में पॉलिमर-कोटेड यूरिया (जो धीरे-धीरे मिट्टी में मिलता है और पौधों को लंबे समय तक उपलब्ध रहता है), चीलेटेड माइक्रोन्यूट्रिएंट्स (जो क्षारीय मिट्टी में प्रभावी हैं), पानी में घुलनशील उर्वरक जैसे मोनोअमोनियम फॉस्फेट और पोटैशियम नाइट्रेट, और स्टेबलाइज्ड नाइट्रोजन उर्वरक (जिनमें यूरियस इनहिबिटर्स होते हैं) जैसे उर्वरक शामिल हैं। इस तरह के उर्वरकों के लिए भारत बहुत हद तक ड्रैगन पर निर्भर है।एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में आयात होने वाले विशेष उर्वरकों का लगभग 80% हिस्सा चीन से आता है। लेकिन पिछले दो महीनों से चीन की आपूर्ति बाधित है, क्योंकि वहां की सरकार ने बिना प्रतिबंध लगाए विभिन्न तरीकों से भारत को निर्यात रोक दिया है। इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड 2011 से पानी में घुलनशील और विशेष उर्वरकों का उत्पादन शुरू किया। कंपनी की मौजूदा प्रोडक्शन क्षमता 15,000 टन प्रति वर्ष है।

भारत ने विकसित की उत्पादन तकनीक

सॉल्युबल फर्टिलाइजर इंडस्ट्री एसोसिएशन के नेशनल प्रेसिडेंट रजिब चक्रवर्ती ने कहा, अभी तक तक भारत में दो महत्वपूर्ण पानी में घुलनशील उर्वरकों - मोनोअमोनियम फॉस्फेट और कैल्शियम नाइट्रेट के उत्पादन की तकनीक नहीं थी।

इस कमी को दूर करने के लिए, इशिता इंटरनेशनल ने भारतीय कच्चे माल पर आधारित एक एकीकृत प्रक्रिया विकसित की है, जो एमएपी, तरल कैल्शियम मैग्नीशियम, कैल्शियम नाइट्रेट, और अन्य पानी में घुलनशील उर्वरकों का उत्पादन कर सकती है।

कंपनी को समर्थन

इस परियोजना का पायलट प्लांट सरकार के समर्थन से शुरू हो रहा है। इशिता इंटरनेशनल के बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर योगेश चव्हाण ने बताया कि यह स्टार्टअप 10,000 टन एमएपी, और 5,000-7,000 टन अन्य पानी में घुलनशील उर्वरकों की उत्पादन क्षमता रखता है।

कंपनी अब वाणिज्यिक उत्पादन बढ़ाने के लिए निवेश की तलाश कर रही है। सल्फर के लिए भारत की आयात निर्भरता एवरेज से धिक है।

कोरोमंडल इंटरनेशनल, दीपक फर्टिलाइजर्स, और नेशनल फर्टिलाइजर्स जैसी कंपनियां सल्फर के लिए मध्य पूर्वी देशों से पिघला हुआ सल्फर आयात करती हैं।

325 करोड़ की लागत से बनेगा 45 किमी लंबा ये फोरलेन हाईवे, राजस्थान जाना होगा आसान

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाकर देश के विकास की रफ्तार को तेज करने पर जोर दे रही है। इसी कड़ी में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने नूंह और राजस्थान सीमा के बीच फिरोजपुर झिरका होते हुए 45 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए 325 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। यह राजमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग-248A का हिस्सा है। इस नए नेशनल हाईवे में 9 फ्लाईओवर, 6 अंडरपास और नूंह के मालब और भादस में बाईपास होंगे। सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पूरा करने के लिए 2 साल का लक्ष्य रखा है। पूरा होने पर, इस राजमार्ग से राजस्थान तक यात्रा करने का समय कम हो जाएगा।

2 साल में काम पूरा करना होगा

325 करोड़ के इस टेंडर में निर्माण के लिए 310.44 करोड़ और टेंडर शुल्क के रूप में 40,000 शामिल हैं। मंत्रालय ने परियोजना पूरी करने के लिए 24 महीने और रखरखाव के लिए 60 महीने की समय सीमा तय की है। इस नेशनल हाईवे के बनने से मेवात क्षेत्र का आर्थिक विकास तेज होगा। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते एग्रीक्लचर, बिजनेस और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इंडस्ट्री और निवेशकों के लिए भी यह क्षेत्र अधिक आकर्षक बन जाएगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और रियल एस्टेट सेक्टर को भी फायदा मिलेगा।

करीब 50 गांवों को इससे फायदा मिलेगा

इस नेशनल हाईवे के बनने से इससे लगने वाले 50 गांवों को सीधे फायदा मिलेगा। चार-लेन राजमार्ग के 45 किलोमीटर लंबे हिस्से और मालब तथा भादस गांवों में 6.84 किलोमीटर मौजूदा सड़कों को चौड़ा किया जाएगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-57 / सूर्यास्त 18-47
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	कर्क...	05-13 बजे
चन्द्र	सिंह	सिंह---	07-25 बजे
मंगल	सिंह	कन्या...	09-31 बजे
बुध	कर्क	तुला----	11-37 बजे
गुरु	मिथुन	वृश्चिक..	13-47 बजे
शुक्र	मिथुन	धनु......	16-01 बजे
शनि	मीन	मकर...	18-07 बजे
राहु	कुंभ	कुंभ....	19-57 बजे
केतु	सिंह	मीन....	21-35 बजे
		मेष.....	23-11 बजे
		वृष....	00-56 बजे
		मिथुन..	02-57 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 22-42 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - श्रावण शुक्ल, रविवार 27 July
नक्षत्र - मघा 16-23 तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - वरियान 03-13 तक उप परिघ
करण- तैतिल 10-37 तक उप गर
विशेष - स्वर्ण गौरी - हरियाली तीज
व्रत-त्यौहार - मधुश्रवा झूलातीज

विशेष- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17-13 से 18-50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	05-57 - 07-32	अशुभ	शुभ	18-50 - 20-13	शुभ
चंचल	07-32 - 09-09	शुभ	अमृत	20-13 - 21-36	शुभ
लाभ	09-09 - 10-46	शुभ	चंचल	21-36 - 22-59	शुभ
अमृत	10-46 - 12-23	शुभ	रोग	22-59 - 00-23	अशुभ
काल	12-23 - 13-59	अशुभ	काल	00-23 - 01-46	अशुभ
शुभ	13-59 - 15-36	शुभ	लाभ	01-46 - 03-09	शुभ
रोग	15-36 - 17-13	अशुभ	उत्पात	03-09 - 04-32	अशुभ
उत्पात	17-14 - 18-47	अशुभ	शुभ	04-32 - 05-55	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आपके करियर को समर्पण और निरंतर प्रयास की आवश्यकता है। आपका स्वाभाविक नेतृत्व चमकता है, लेकिन भावनात्मक तीव्रता आपकी बातचीत को चुनौती दे सकती है। समूह की गतिशीलता में तनाव उभर सकता है, इसलिए धैर्य और संयम बनाए रखना बुद्धिमानी है। नियंत्रण बनाए रखने और प्रगति में अभिमान को बाधा न बनने देने के लिए संरचित कार्यों और स्पष्ट संचार पर ध्यान केंद्रित करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं, जिससे यह निर्णायक कार्रवाई के लिए एक उत्पादक समय बन गया है। आपके विचार तीखे हैं, और आपके शब्द प्रभावशाली हैं, जिससे आप प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं या प्रभावी ढंग से सहयोग कर सकते हैं। बस जल्दबाजी न करें; आपका उत्साह विवरणों पर हावी हो सकता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपका आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे आप अपने करियर में साहसिक कदम उठाने के लिए सशक्त होते हैं। नवीन विचार सहजता से आते हैं, जो अनूठे समाधानों और नए दृष्टिकोणों का समर्थन करते हैं। आपको कभी-कभी ऊर्जा या एकाग्रता में कमी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए चुनौतियों का बुद्धिमानी से सामना करने के लिए अपनी समय-सीमा पर भरोसा रखें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
रचनात्मक ऊर्जा आपके काम को ऊर्जा देती है, लेकिन ध्यान भटकाने वाली चीज़ें आपको रास्ते से भटका सकती हैं। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और तुच्छ मामलों में समय बर्बाद करने से बचें। सहयोगी संपर्क प्रेरणा और विचार प्रदान कर सकते हैं। अपनी बातचीत में दयालुता दिखाएँ, और आपको करियर और शिक्षा, दोनों में सफलता के सार्थक अवसर मिलेंगे।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आज आपका मन अटकलों और अनावश्यक चीज़ो की और भागेगा , परन्तु फिर भी आपकी केंद्रित रहने की क्षमता काफी मजबूत रहेगी । आप कम से कम समय में अधिक से अधिक काम खत्म करने के क्रम में घर पर या अपने कार्यालय डेस्क पर रहे , हालांकि घर पर काम करने में अधिक समय, ऊर्जा और पैसे का हास होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपकी पोषण करने की प्रवृत्ति मजबूत है, जो आपको अपने काम में स्थिर और स्थिर रहने में मदद करती है। चुनौतियों का सामना करते समय धैर्य रखना महत्वपूर्ण होगा, लेकिन आपके पास उनसे पार पाने की ताकत है। जबकि आशावाद बड़े विचारों को बढ़ावा दे सकता है, सावधान रहें कि अवास्तविक दृष्टिकोणों में न खो जाएं।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आपके करियर और पढ़ाई को मजबूत महत्वाकांक्षा और सहज सोच से बढ़ावा मिलता है। आपको भाग्यशाली अवसर मिल सकते हैं, लेकिन चीजों को संतुलित रखें और अति करने से बचें। शांत और विचारशील शब्दों से रिश्तों में तनाव कम किया जा सकता है। धैर्य और ईमानदार संचार के माध्यम से स्थायी संबंध बनाने पर ध्यान दें।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
आपकी ऊर्जा उच्च है और आपकी रचनात्मकता चुंबकीय है। विचार सहजता से आते हैं और रिश्ते फलते-फूलते हैं, खासकर वे जो आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों का समर्थन करते हैं। इस गति का उपयोग कार्य संबंधों को मजबूत करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए करें।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे)
आज आप नए काम शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित महसूस कर सकते हैं, जो आपकी ऊर्जा और भावनात्मक गहराई से प्रेरित है। संवेदनशीलता आपकी रचनात्मकता को बढ़ा सकती है, लेकिन मूड स्विंग आपको विचलित कर सकता है। जमीन पर बने रहें और अपने जुनून को केंद्रित प्रयास में लगाएं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपकी महत्वाकांक्षाओं को एक मजबूत बढ़ावा मिलेगा, और आप अपने करियर या पढ़ाई में साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं। नए विचार आसानी से आते हैं, और सकारात्मक बातचीत से समर्थन मिलता है, खासकर महिलाओं से। बदलाव क्षितिज पर हो सकते हैं, इसलिए उनका आत्मविश्वास के साथ स्वागत करें।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपकी तार्किक मानसिकता आपके करियर में निरंतर प्रगति का समर्थन करती है। आत्मविश्वास जमीनी महत्वाकांक्षा के साथ मिलकर आपको केंद्रित रहने में मदद करता है। आपके संचार कौशल तेज हैं, जो आपको प्रेरक और प्रभावशाली बनाते हैं। स्पष्ट रुख अपनाने और चुनौतियों को समझदारी से संभालने के लिए अपनी बुद्धि का उपयोग करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आप अपने सम्बन्ध में एक बहुत ही नाजुक मोड पर खड़े हैं और आज आपकी सोच-विचार में असामान्य स्पष्टता रहेगी । आप भावनाओं में बहे बिना बिलकुल साफ़ सोच पायेंगे कि आप फ़िलहाल कहां हैं और यहा से आपको कहां जाना है । आप यह भी आसानी से समझ पायेंगे कि आपकी जिन्दगी जिस रास्ते पर फिलहाल है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

राहुल गांधी के ओबीसी बयान पर दुबे का पलटवार

गोड्डा सांसद निशिकांत बोले– जो अपने परिवार को नहीं पहचानते, वो देश के लिए क्या करेंगे

देवघर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। दिल्ली से देवघर लौटते समय एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने राहुल गांधी के ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन में दिए गए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।

बोले- राहुल गांधी को कुछ समझ ही नहीं आता

सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि राहुल गांधी को न तो देश की समझ है और न ही राजनीति की। मैंने अपने जीवन में इतना बड़ा महामूर्ख नेता नहीं देखा। उन्हें खुद अपने परिवार के इतिहास की भी जानकारी नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा था कि उनके पिता राजीव गांधी, दादी इंदिरा गांधी, परनाना

जवाहरलाल नेहरू और मां सोनिया गांधी ने कभी पिछड़े वर्गों के लिए कुछ नहीं किया।

निशिकांत दुबे ने तंज कसते हुए कहा जो इंसान अपने मां-बाप और पूर्वजों के योगदान को नहीं पहचानता, वह देश और समाज के लिए क्या खाक करेगा? उन्होंने राहुल गांधी की राजनीतिक समझ पर भी सवाल उठाए और कहा कि इस तरह के बयानों से कांग्रेस की ओबीसी हितैषी छवि को भी नुकसान हो रहा है।

निशिकांत दुबे ने झारखंड सरकार पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अटल मोहल्ला क्लिनिक का नाम बदलकर मदर टेरेसा क्लिनिक कर दिया है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा यह प्रदेश अटल बिहारी वाजपेयी की देन है। उनके नाम से जुड़ी योजनाओं को हटाकर किसी और का नाम जोड़ना न केवल असम्मानजनक है, बल्कि मदर टेरेसा की आत्मा को भी यह अच्छा नहीं लगेगा।

निशिकांत दुबे ने यह भी दावा किया कि राज्य सरकार की गतिविधियों और भ्रष्टाचार के चलते जल्द ही मुख्यमंत्री और कई कांग्रेस नेता जेल की सलाखों के पीछे होंगे।

उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और समय आने पर जवाब जरूर देगी।

दीवार गिरने से बच्ची की मौत स्कूलों में छुट्टियां

रायपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बलरामपुर में लगातार बारिश से कच्चे मकान की दीवार गिरने से बच्ची की दबकर मौत हो गई। मलबे में दबे परिवार के 5 लोगों को निकाला गया है। उनका इलाज जारी है। जिले में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर है। कन्हर नदी में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए निचले इलाके को लोगों को घर खाली करने कहा गया है। ब्लॉक के सभी स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं।

वहीं रायपुर में भी रातभर पानी बरसा है। जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया। प्रोफेसर कॉलोनी की सड़कें तालाब में तब्दील हो गई हैं। जलभराव की समस्या को लेकर लोगों ने कुशालपुर-भाठागांव के बीच नेशनल हाइवे पर चक्काजाम कर दिया।

पेंड्रा के धनौली गांव में नदी के बाढ़ का पानी घरों-दुकानों में घुस गया है। सड़क पर घुटने तक पानी बह रहा है। वहीं कोरबा के सोन नदी में बहे युवक का शव 48 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। दोस्तों संग घूमने गया राजेश एनीकट में बह गया था।

पायलट बोले- बिना नोटिस-समन के चैतन्य पर एक्शन

भाजपा बोली– दिल्ली में पप्पू और छत्तीसगढ़ में बिट्टू यही कांग्रेस की राजनीति बची है

रायपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचकर चैतन्य बघेल से मुलाकात की। जेल से बाहर निकलकर मीडिया से कहा कि भाजपा के खिलाफ बोलने वालों पर ईडी के छापे पड़ रहे हैं। बिना नोटिस और समन भेजे ही कार्रवाई की जा रही है। एजेंसियों का उपयोग सिर्फ विरोधियों की आवाज दबाने के लिए किया जा रहा है।

पायलट ने आगे कहा कि पिछले 10 साल में किसी भाजपा नेता के यहां छापा नहीं पड़ा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने हसदेव और तमनार में जंगल काटे जाने का विरोध किया। इसलिए कांग्रेसियों को टारगेट किया जा रहा है।

वहीं पायलट के दौरे पर भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने तंज कसा है। उनके मुताबिक दिल्ली में पप्पू और छत्तीसगढ़ में बिट्टू यही कांग्रेस की राजनीति बची है। कांग्रेस केवल परिवार तक सिमट गई है।

आपको बता दें कि, छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी ने 22 जुलाई को

रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की ज्यूडिशियल रिमांड पर 4 अगस्त तक रायपुर जेल भेज दिया है। इससे पहले ईडी ने चैतन्य से 5 दिन तक पूछताछ की थी।

ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने कहा कि एविडेंस के मुताबिक शराब घोटाले से चैतन्य बघेल के तार जुड़े हुए हैं। इसी आधार पर उनके घर पर छापेमारी की गई। पूछताछ में चैतन्य से सही जवाब नहीं मिले। जांच के लिए कस्टडी की आवश्यकता थी, जिसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तारी की गई है। अगर कोई आरोप लगा रहा है तो वह उचित नहीं है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने 21 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को फटकार लगाते हुए कहा कि, राजनीतिक लड़ाइयां चुनाव में लड़ी जानी चाहिए, जांच एजेंसियों के जरिए नहीं। ईडी का इस तरह इस्तेमाल क्यों हो रहा है? ईडी के अनुसार, लीकर स्कैम में पूछताछ में शराब कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू ने ईओडब्ल्यू को बयान दिया था कि, उसने और चैतन्य बघेल ने मिलकर 1000 करोड़ से ज्यादा घोटाले की रकम को हैंडल किया। यह कैश अनवर ढेबर ने दीपेन चावड़ा को पहुंचाया। यह पैसा बाद में राम गोपाल अग्रवाल को दिया गया।

इसकी व्यवस्था चैतन्य बघेल के साथ मिलकर की गई और उसी के कहने पर 1000 करोड़ में से 100 करोड़ नगद केके श्रीवास्तव को दिया गया। पप्पू बंसल ने पूछताछ में ये भी स्वीकार किया है कि शराब घोटाले से उसे 3 महीने में 136 करोड़ रुपए मिले हैं। अनवर ढेबर और नीतेश पुरोहित के बीच चैट में हुई बातचीत में इसकी जानकारी है।

बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि पहला मामला ज्वेलर्स से जुड़े 5 करोड़ रुपए के लोन का है, जिस पर ईडी ने कहा कि यह बिना ब्याज का संदिग्ध लोन है। इसके जवाब में हमने स्पष्ट किया कि यह लोन 2019 में लिया गया था।

अब तक करीब 2.21 करोड़ रुपए ब्याज के रूप में चुकाए जा चुके हैं। यह जानकारी फरवरी 2025 में ज्वेलर्स के प्रोपराइटर द्वारा दस्तावेजों सहित ईडी को दी जा चुकी थी, बावजूद इसके जांच एजेंसी ने कोर्ट के समक्ष भ्रामक तथ्य पेश किए।

बागबेड़ा में 100 घरों में घुसा पानी

लगातार बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात, प्रशासन ने राहत कैंप बनाए

जमशेदपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर में लगातार हो रही बारिश के कारण एक बार फिर बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बागबेड़ा क्षेत्र के नया बस्ती में बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है। अब तक 100 से अधिक घरों में पानी घुस चुका है। इनमें से करीब 50 से 60 घर पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं।

नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण कई निचले इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित कैंप स्थान चिन्हित किए गए हैं।

राहत केंद्र के रूप में प्राथमिक विद्यालय रोड नंबर 3, सिदो-कान्हू मैदान, लोहिया भवन, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर और बागबेड़ा थाना चौक को तैयार किया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट हो जाएं। साथ ही नदियों या जलजमाव वाले क्षेत्रों की ओर न जाएं। मांगो के कई इलाकों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। मांगो से आजाद नगर जाने वाली सड़क पूरी तरह से बंद हो चुकी है। अचानक पानी आने से कई लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। जिला आपदा प्रबंधन की टीम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। फिलहाल जिला प्रशासन के द्वारा सभी को सुरक्षित स्थान पर भेजने का प्रयास जारी है।

डैम में डूबने से चार युवकों की मौत

नहाने के दौरान हुआ हादसा, पानी के नीचे सिर पत्थर से टकराने की आशंका

सरायकेला, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां जिले में शनिवार को चेक डैम में डूबने से चार युवकों की मौत हो गई। घटना खरसावां थाना क्षेत्र के दलाईकला के पास बने चेक डैम में हुई। हादसा नहाने के दौरान हुआ। चारों मृतक एक ही गांव के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान गौरव मंडल, हरिवास दास, सुनील साहू और मनोज साहू के रूप में हुई है। सभी दलाईकला गांव के निवासी थे। गौरव और हरिवास बेस्ट फ्रेंड थे, जबकि सुनील और मनोज रिश्तेदार थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, गांव के छह युवक नहाने के लिए डैम पहुंचे थे। इनमें से चार युवकों ने डैम में छलांग लगाई। दो युवक बाहर ही खड़े रहे। पानी में उतरते ही उनके सिर नीचे मौजूद किसी पत्थर से टकरा गए।

पुलिस और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़

जेजेएमपी कमांडर दिलीप लोहरा सहित 3 ढेर, इंसास, एके–47 समेत विस्फोटक बरामद

गुमला, 26 जुलाई (एजेंसियां)। गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के लावा दाग जंगल में शनिवार सुबह से पुलिस और जेजेएमपी उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में तीन उग्रवादी मारे गए हैं। कई जख्मी होने की भी सूचना मिल रही है

अभी तक मारे गए उग्रवादियों जेजेएमपी कमांडर दिलीप लोहरा मारा गया है। अन्य मारे गए की पहचान नहीं हो पाई है। मुठभेड़ अभी भी जारी है। इस अभियान में घाघरा, बिशनपुर और गुमला तीनों थानों की पुलिस शामिल है। जानकारी के मुताबिक गुमला के एसपी हरीश बिन जमा को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी के कमांडर रविंद्र यादव अपने दस्ते के साथ इस क्षेत्र में मौजूद हैं। इसके बाद पुलिस ने टीम का गठन कर घेराबंदी शुरू की। इसी दौरान उग्रवादियों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीन उग्रवादी मारे गए। उनके पास से एसएलआर, एके 47 के अलावा भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

हाईकोर्ट बोला- 'आई लव यू' कहना सेक्सुअल हैरेसमेंट नहीं

बिलासपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा कि, केवल 'आई लव यू' कहना सेक्सुअल हैरेसमेंट नहीं है। इसमें छेड़छाड़ या अश्लील हरकत साबित होना जरूरी है। इस टिप्पणी के साथ हाईकोर्ट ने ट्रॉयल कोर्ट के फैसले के खिलाफ शासन की अपील को खारिज कर दिया है। पुलिस की जांच पर भी सवाल उठाए हैं।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि, यौन उत्पीड़न के लिए सिर्फ टच या फिजिकल कॉन्टैक्ट ही नहीं, बल्कि उसमें यौन मंशा का होना जरूरी है। आरोपी का कृत्य इस परिभाषा में नहीं आता है। वहीं, ट्रॉयल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए युवक को बरी करने का आदेश दिया है।

हाईकोर्ट ने सबूतों और दस्तावेजों को देखने के बाद कहा कि, पीड़िता के नाबालिग होने का स्पष्ट और प्रमाणिक साक्ष्य रिकॉर्ड में नहीं है। पीड़िता ने अपने बयान में कहा कि, आरोपी ने केवल एक बार आई लव यू कहा और उसके बाद किसी प्रकार की अश्लील हरकत या बार-बार पीछा करने का कोई सबूत नहीं है।

पीड़िता की सहेलियां या माता-पिता भी ऐसे किसी आरोप की पुष्टि नहीं करते। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस की जांच और गवाही पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि आरोप पत्र में ऐसा कुछ नहीं है, जिससे साबित हो सके कि आरोपी ने पीड़िता के साथ यौन उद्देश्य या जातिगत विद्वेष से अपराध किया हो।

दरअसल, 15 साल की अनुसूचित जाति की स्टूडेंट ने धमतरी के कुरुद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया था कि उसके स्कूल से लौटते समय आरोपी ने उससे छेड़छाड़ की है। टिप्पणी करते हुए आई लव यू बोला। पहले भी कई बार उसने परेशान किया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354-डी, 509 पॉक्सो एक्ट के साथ ही एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया। इस मामले की जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट पेश किया। इसके बाद धमतरी के स्पेशल कोर्ट में ट्रायल हुआ। 27 मई 2022 को कोर्ट ने आरोपी को सभी धाराओं से बरी कर दिया, जिसके खिलाफ राज्य सरकार ने अपील की थी।

राज्य शासन ने कहा था कि, ट्रायल कोर्ट ने सबूतों की अनदेखी की। पीड़िता के जन्म प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से उसकी जन्मतिथि 29 नवंबर 2004 दर्ज है, जिससे साबित होता है कि वह वारदात के वक्त नाबालिग थी। आरोपी ने जानबूझकर अनुसूचित जाति की स्टूडेंट को निशाना बनाया।

पलामू एसपी को पंजाब से आया किडनैपिंग का फोन

कार्रवाई करने पहुंची पुलिस को मिले अफीम तस्कर, 3 क्विंटल डोडा और 33 लाख कैश बरामद

पलामू, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू पुलिस को उस वक्त एक बड़ी कामयाबी मिली, जब एक किडनैपिंग की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंची थी। इस दौरान अंतरराज्यीय अफीम तस्करी के नेटवर्क का खुलासा हुआ। बताया जा रहा है कि पंजाब की एक महिला ने पलामू एसपी रीष्मा रमेशन को फोन कर बताया कि मेरे भाई और उसके साथियों का किडनैप कर लिया गया है।

फोन कॉल मिलते ही पलामू पुलिस एक्टिव हुई। जांच और दबिश के बाद जब पुलिस किडनैपर की तलाश में पिपराटांड़ पहुंची तो मामला कुछ और ही निकला। असल में, पंजाब से आए तस्करों को उनके ही स्थानीय तस्करी के साथियों ने अफीम के पैसों को लेकर बंधक बना लिया

था। इसके पीछे की वजह आपसी लेनदेन में हुई अनबन और फिरौती की मांग थी। पिपराटांड़ के तितलंगी गांव निवासी अफीम तस्कर डब्लू यादव ने अपने बेटों के साथ मिलकर पंजाब से आए हरमीत सिंह और सतबीर सिंह को बंधक बना लिया था। सतबीर की बहन से 10 लाख की फिरौती मांगी गई थी। महिला ने डब्लू यादव के बेटे पिंटू यादव के खाते में साढ़े सात लाख रुपए जमा भी कर दिए थे। पुलिस ने जब डब्लू यादव के घर पर दबिश दी, तो वहां से बंधक बनाए गए सतबीर और हरमीत को सकुशल मुक्त करा लिया गया। साथ ही मौके से 33 लाख रुपए नकद, तीन क्विंटल 14 किलो डोडा और तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली दो होंडा सिटी कार, दो बोलेरो गाड़ी, 12 मोबाइल फोन और डोडा व्यापार से जुड़ी एक डायरी भी बरामद की गई।

फैक्ट्री में सिर पर चोट लगने से युवक की मौत

कोडरमा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र के गझण्डी रोड पर स्थित धन-लक्ष्मी फैक्ट्री में एक दर्दनाक हादसा हुआ। शनिवार सुबह काम के दौरान 19 वर्षीय मजदूर रोहित कुमार की मौत हो गई।

रोहित कुमार भभुआ (बिहार) का रहने वाला था। उसके चचेरे भाई रमाकांत बिंद ने बताया कि वे दोनों इस फैक्ट्री में काम करते थे। यहां तार और पोल का निर्माण होता है। शनिवार सुबह रोहित और 4-5 अन्य मजदूर तार के रोल को एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित कर रहे थे। इसी दौरान रोहित का संतुलन बिगड़ गया और तार का भारी रोल उसके ऊपर गिर गया। इस हादसे में उसका सिर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया और काफी खून बहने लगा। फैक्ट्री में मौजूद लोग तुरंत उसे सदर अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। रमाकांत ने बताया कि वे दोनों पिछले 5 वर्षों से इस फैक्ट्री में काम कर रहे थे। हालांकि, रोहित बीच में अपने गांव चला गया था और काफी समय तक काम पर नहीं आया था। वह सिर्फ 10 दिन पहले ही काम पर लौटा था।

भाजपा नेता ने एसडीएम से किया दुर्व्यवहार

पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

दुर्ग, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दुर्ग के पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र में भाजपा युवा मोर्चा के नेता की दबंगई देखने को मिली है। भिलाई के छावनी एसडीएम छावनी हितेश पिस्दा की गाड़ी भाजयुमो नेता राकेश यादव की कार से टकरा गई। इसी बात को लेकर राकेश ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर एसडीएम से गाली-गलौज ,अभद्रता और धक्का मुक्की की घटना को अंजाम दिया गया है। एसडीएम ने इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया है।

पुलिस अधिकारी अलेक्जेंडर किरो ने बताया कि एसडीएम भिलाई छावनी हितेश पिस्दा प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ऑब्जर्वर सूची लेने जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी पोटिया चौक पहुंची। उसी दौरान विद्युत नगर निवासी भाजयुमो नेता राकेश यादव अपनी कार से राजनांदगांव की ओर से आ रहा था। गाड़ी में उसके अलावा विद्युत नगर निवासी विपिन चावड़ा और कसारीडीह निवासी मनोज कुमार बैठे थे। पोटिया चौक पर एसडीएम का वाहन राकेश की गाड़ी से टकरा गया। इस पर अक्रोशित होकर राकेश ने अपने दोनों साथियों के साथ एसडीएम से दुर्व्यव्हार करना शुरू कर दिया। एसडीएम की गाड़ी पर पदनाम होने के बाद भी भाजयुमो नेता ने एसडीएम से गाली-गलौज करते हुए धक्का-मुक्की शुरू कर दी। जिसके बाद एसडीएम ने मामले की शिकायत पद्मनाभपुर पुलिस थाना में की। पुलिस ने एसडीएम की शिकायत के आधार पर तीनो आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

8वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

लातेहार, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लातेहार में 8वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना शुक्रवार शाम की है। मृतका की मां ने स्कूल के शिक्षक पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। वहीं, शनिवार को मृतका के परिजन और ग्रामीण स्कूल पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया।

हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस स्कूल पहुंची और आरोपी शिक्षक सत्येंद्र यादव को हिरासत में ले लिया। मृतका की मां का आरोप है कि स्कूल के पारा शिक्षक सत्येंद्र यादव उनकी बेटी को गलत तरीके से छूते थे। गलत शब्द के प्रयोग करने से वह आहत रहती थी। इसी कारण उसने यह कदम उठाया। मां के बताया कि शिक्षक के प्रताड़ना के कारण बेटी पिछले दो-तीन दिनों से परेशान थी और ट्यूशन भी नहीं जा रही थी। उसने इसकी जानकारी मुझे दी थी। बेटी 900 रुपए लेकर स्कूल गई थी तो टीचर ने गलत तरीके से पैसे के बारे में पूछा था। शुक्रवार को मैं स्कूल पहुंची और शिक्षक से इस संबंध में बात की तो उन्होंने मेरे साथ गाली-गलौच किया। शाम को वापस घर गई तो बेटी ने सुसाइड कर लिया था।

इधर, घटना के बाद शनिवार को मुखिया समेत स्थानीय ग्रामीण व परिजन स्कूल पहुंचे और वहां हंगामा शुरू कर दिया। इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार महतो स्कूल पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस स्वतंत्र रूप से जांच कर रही है। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

पुलिस अन्य पहलुओं पर भी अनुसंधान कर रही है। साथ ही प्रेम प्रसंग के एंगल से भी मामले की जांच की जा रही है। पुलिस पारा टीचर सत्येंद्र यादव को हिरासत में लेकर थाना ले आई है।

बिलासपुर एयरपोर्ट में नाइट लैंडिंग-रनवे का विस्तार अटका

केंद्र–राज्य को फटकार, हाईकोर्ट ने कहा– बोलिए हमसे नहीं हो पाएगा, मुख्य सचिव–रक्षा सचिव से मांगा शपथ–पत्र

बिलासपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बिलासपुर के बिलासा देवी एयरपोर्ट में सुविधाएं बढ़ाने को लेकर केंद्र-राज्य सरकार के सुस्त रवैये पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा है कि आप स्टेटमेंट दे दीजिए कि सरकार कुछ नहीं कर पाएगी, हम पीआईएल खत्म कर देते हैं। बिलासपुर का भाग्य कभी तो जागेगा।

बता दें कि एयरपोर्ट में नाइट लैंडिंग, रनवे का विस्तार होना है। राज्य सरकार ने इसकी अनुमति दे दी है। लेकिन मामला केंद्र में अटका है। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट को बताया है कि रक्षा मंत्रालय जमीन के बदले ज्यादा रकम की मांग कर रहा है, जबकि सरकार चाहती है कि पहले जमीन उसके नाम हो, तभी आगे का काम शुरू किया जाए।

नाइट लैंडिंग- नाइट लैंडिंग की सुविधा नहीं होने से उड़ाने बाधित हो रही, इसलिए यहां नाइट लैंडिंग

का विस्तार किया जाना है।

रनवे विस्तार- वर्तमान रनवे की लंबाई छोटी है। जिससे बोइंग और एयरबस जैसे बड़े विमान नहीं उतर सकते। इसे बढ़ाने के लिए और ज्यादा जमीन की जरूरत है। बीच में सेना की जमीन आड़े आ रही जिसके कारण मामला रुका है।

कन्वेयर बेल्ट - यात्रियों को विमान से उतरने के बाद खड़े होने और सामान लाने के लिए जगह नहीं मिलती। कन्वेयर बेल्ट जैसी सुविधा।

नया हॉल - हॉल में एक साथ एक फ्लाइट के यात्री नहीं समा पाते, इसलिए मौजूदा अराइवल हॉल को डिपार्चर हॉल में जोड़कर नया हॉल बनेगा।

साल 2023 में रनवे विस्तार के लिए तत्कालीन सरकार ने सेना की जमीन वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली थी। जमीन के एवज में रक्षा मंत्रालय को 90 करोड़ रुपए मुआवजा दिया गया था। केवल केंद्र सरकार से जमीन वापसी के लिए औपचारिक सहमति देना बाकी रह गया था, जो अब तक पूरा नहीं हुआ। साल 2025 में 286 एकड़ जमीन पर रनवे बढ़ाने वर्तमान की राज्य सरकार ने अनुमति दे दी है। लेकिन सरकार ने कोर्ट में ये बताया है कि रक्षा मंत्रालय जमीन के बदले ज्यादा रकम की मांग कर रहा है, जबकि राज्य सरकार चाहती है कि पहले जमीन उसके नाम हो, तभी आगे का काम शुरू किया जाए।

केस की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब में कुछ फोटोग्राफ्स पेश किए। साथ ही दावा किया कि एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग से जुड़े कार्य प्रगति पर हैं।

बारिश से गिरा मिट्टी का घर

5 साल की बच्ची की मौत, मां गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

जमशेदपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के कोवाली थाना क्षेत्र के मुकुंदासाईं गांव में बीती रात भारी बारिश के कारण एक मिट्टी का घर ढह गया। इस हादसे में पांच वर्षीय बच्ची बिमला सरदार की मौके पर ही मौत हो गई। बच्ची की मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बारिश के कारण दीवार पहले से कमजोर हो चुकी थी। रात में अचानक दीवार गिर गई और बच्ची मलबे में दब गई। ग्रामीणों ने तुरंत मलबा हटाकर बच्ची और उसकी मां को बाहर निकाला। लेकिन तब तक बच्ची बिमला की सांसें थम चुकी थीं।

घटना की सूचना मिलते ही पोटका प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण मुंडा और कोवाली थाना प्रभारी धनंजय पासवान मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को राहत और सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

स्थानीय ग्रामीणों और पीड़ित परिवार ने प्रशासन पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना और अबुआ आवास योजना के लिए कई बार आवेदन दिया था। लेकिन अब तक कोई पक्का मकान उपलब्ध नहीं कराया गया। मजबूरी में कच्चे और जर्जर मकान में रहना पड़ा। इस हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है। बड़ी संख्या में ग्रामीण पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर संवेदना जता रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को अब हर हाल में जरूरतमंदों को आवास योजना का लाभ देना चाहिए। ताकि भविष्य में ऐसे हादसे दोबारा न हों।

भाजपा नेता का कत्ल : कौन था वो-कच्चे रास्तों से आया, हत्या की और निकल गया

अलीगढ़, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अलीगढ़ में भाजपा नेता और प्रापर्टी डीलर सोनू चौधरी की हत्या किसी परिचित ने की है। सभी रास्तों के सीसीटीवी से हमलावर गायब मिला। हमलावर कच्चे रास्तों से आया और हत्या के बाद निकल गया। रिश्ते के भतीजे ने प्रॉपर्टी डीलर चाचा को भी किसी से बात करते देखा था।

अलीगढ़ में कोंडरा के भाजपाई प्रापर्टी डीलर सोनू चौधरी की हत्या किसी ऐसे चिर-परिचित ने की है, जिसे वह भलीभांति जानता था। हत्या करने आया व्यक्ति उसके गांव से निकलने का वक्त और इलाके के कच्चे रास्तों से भी परिचित है, जिन पर सीसीटीवी नहीं। इस बात की गवाही सोनू के रिश्ते के भतीजे व सभी मार्गों के सीसीटीवी दे रहे हैं।

ऐसे में पुलिस की तीन टीमें सरगर्मी से उस व्यक्ति की तलाश में जुटी हैं। एसपी देहात अमृत जैन घटना के विषय में बताते हैं कि प्रापर्टी डीलर सोनू के गांव से निकलते ही बमुश्किल 200 मीटर दूरी पर उनकी गाड़ी को तालानगरी में मुड़ते समय बाइक सवारों ने रोक लिया।

न्यूटल मोड में खड़ी थी स्टार्ट गाड़ी

बाइक सड़क के एक साइड में जिस अंदाज में रोकी गई। उससे यह नहीं लगता कि आते ही हमला किया गया हो। किसी परिचित ने गाड़ी रुकवाई। दूसरी खास बात गाड़ी के सभी शीशे चढ़े मिले। स्टार्ट गाड़ी न्यूटल मोड में खड़ी थी। एसी चल रहा था। इसका मतलब कि जिस परिचित ने गाड़ी रुकवाई। उसे अंदर बिठाकर सोनू आराम से बतिया रहा था। उसके साथ आया दूसरा व्यक्ति बाहर खड़ा था। इसी बीच सोनू का पारिवारिक भतीजा सुमित इस रास्ते से बाइक पर शहर से गांव वापस गया है।

पक्के रास्तों के सीसीटीवी देखे गए, हमलावरों को पता नहीं

उसने भी चाचा सोनू को कार में बिठाकर किसी से बात करते देखा है। उसे उस समय कुछ भी असहज नहीं लगा। इसलिए वह घर चला गया। इसके बाद तीसरी सबसे खास बात ये कि शाम तक घटनास्थल को आने जाने वाले सभी पक्के रास्तों के सीसीटीवी देखे गए।

इलाके से भी परिचित हैं हमलावर

मगर वह बाइक या उस तरह के हुलिया वाले हमलावर कहीं भी नहीं चिह्नित हुए। इससे यह भी साफ हो रहा है कि हमलावर किसी ऐसे कच्चे रास्ते से आए। जिस पर सीसीटीवी नहीं थे। उसी रास्ते से वापस गए। मतलब ये भी साफ है कि वे इलाके से भी परिचित हैं। अब परिवार जो भी लिखकर दे या पुलिस की जांच में जो भी साक्ष्य उजागर हों। मगर अब तक की जांच में यह हत्या किसी प्रापर्टी से जुड़े या किसी नए विवाद में ज्यादा समझ में आ रही है। इस विषय में एसपी देहात बताते हैं कि सोनू के बड़े भाई राजेश की हत्या से जुड़ी रंजिश में जो लोग जेल गए थे। उन्हें सजा हो गई। अब वे जमानत पर हैं। मगर घटना के समय वे घरों में थे।

मैनपुरी के मंदिर में छात्रा को 5 गोली मारी

मैनपुरी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मैनपुरी में शादी से मना करने पर सिरफिरे ने बीएससी की छात्रा को गोली मार दी। छात्रा मंदिर में पूजा करने गई थी। युवक वहां पहले से मौजूद था। उसने छात्रा पर पहले डंडे से हमला किया। इसके बाद उस पर तमंचे से 5 फायर किए। एक गोली छात्रा की छाती और दो-दो गोलियां कमर और पेट में लगी। छात्रा मंदिर में लहूलुहान होकर गिर पड़ी।

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वारदात शनिवार सुबह महाराजा तेज सिंह किले के पास बने रानी शिव मंदिर की है। पुलिस ने आरोपी को एनकाउंटर में पैर में गोली मारकर पकड़ लिया है।

सीएम नीतीश कुमार ने 426 करोड़ की लागत से कई विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

मधुबनी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को मधुबनी जिले के लौकही प्रखंड स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। वे हेलीकॉप्टर से विद्यालय परिसर में पहुंचे, जहां जदयू कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच मुख्यमंत्री निर्धारित समय से थोड़ी देर से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उनके साथ जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा, परिवहन मंत्री शीला मंडल, बिहार सरकार की प्रभारी मंत्री लीची सिंह और पूर्व मंत्री लक्ष्मेश्वर राय भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व पंचायती राज मंत्री स्वर्गीय हरिप्रसाद शाह की प्रतिमा का अनावरण कर की। इसके बाद मंच पर उपस्थित जनसमूह का अभिवादन स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निरंतर जनहित में काम कर रही है और आज शिलान्यास की जा रही योजनाएं क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कुल 426 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें पुरानी कमला और जीवछ कमला नदियों के पुनर्जीवीकरण के साथ-साथ इन पर चार वीयर और अन्य जल संरचनाओं के निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा 31 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से माता सीता और प्रभु श्रीराम के प्रथम मिलन स्थल फुलहर स्थान को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की परियोजना की भी आधारशिला रखी गई।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 178 करोड़ रुपये की लागत से जयनगर के शहीद चौक के समीप रेल ओवरब्रिज निर्माण कार्य तथा 14 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से मधुबनी में एक अंतरराज्यीय बस अड्डे के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएं क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी और रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में लोगों से अपील की कि वे विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में प्रशासन और सरकार का सहयोग करें।

कारगिल विजय दिवस : सीएम योगी ने शहीदों को अर्पित की पुष्पांजलि

> बोले-ये दिन हमारी सेना के शौर्य का प्रतीक

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कारगिल विजय दिवस 2025 के अवसर पर लखनऊ की कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहीद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन भारत के महान वीर सपूतों को याद करने का दिन है। इस दिन भारत ने ऑपरेशन विजय को पूर्ण करते हुए पाकिस्तान को धूल चटाकर दुनिया को हैरान कर दिया था। हम भारत के उन वीर सपूतों को नमन करते हैं। ये दिन भारत की सेना के शौर्य का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान ने भारत पर थोपा था जिसका मुंहतोड़ जवाब हमारे वीर जवानों ने दिया। कारगिल एक चुनौतीपूर्ण जगह थी जहां का तापमान माइनस 50 डिग्री होता है। इस बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में भी हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान के कायरों को धूल चटा दी।

कांग्रेस ओबीसी की विश्वासपात्र पार्टी नहीं : मायावती

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस ओबीसी समाज की विश्वासपात्र पार्टी नहीं है। कांग्रेस के दिल में कुछ है जुबान पर कुछ है। उन्होंने कहा कि एनडीए का भी ओबीसी के प्रति यही हाल है।

मायावती के बयान को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान के संदर्भ में देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्ता में रहते हुए जाति जनगणना न करवाना कांग्रेस की गलती थी। आगे उन्होंने ये भी कहा था कि जो काम ओबीसी के लिए अब तक नहीं कर पाया उसे दोगुनी स्पीड से करूंगा।

संदिग्ध परिस्थिति में हत्या के आरोपी की मौत

मुजफ्फरपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में एक हत्या के आरोपी की मौत हो गई है। आनन-फानन में परिजनों ने शव का का अंतिम संस्कार कर दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

हत्या और आत्महत्या के बिंदु पर जांच चल रही है। मामला जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र का है। अहियापुर थाना क्षेत्र के नाजिरपुर जियालाल राय चौक निवासी विनोद राय का बेटा सूरज राय (28) शुक्रवार रात खाना खाकर पत्नी के साथ सोने चला गया। सुबह कमरा का दरवाजा अंदर से बंद था। घरवालों ने दरवाजा खटखटाया, तो पत्नी ने दरवाजा खोला। लेकिन सूरज नींद में था। उसे उठाने का काफी प्रयास किया गया, लेकिन वो नहीं उठा।

समाजवादी कार्यकर्ताओं ने शुरू की पीडीए पाठशाला

अखिलेश यादव ने सरकार पर साधा निशाना

अमेठी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में कहा था कि 'पीडीए पाठशाला' चलाकर बच्चों की पढ़ाई कराने का काम किया जाएगा। अखिलेश ने अपील की थी कि समाजवादी साथी उन गांवों में टीम बनाएं जहां स्कूल बंद हो रहे हैं।

उन्होंने पढ़े-लिखे नौजवानों, पार्टी समर्थकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों से अपील की है कि वे पीडीए पाठशाला बनाकर बच्चों को पढ़ाएं और उनका भविष्य संवारें। इसी कड़ी में तहसील क्षेत्र के भादर ब्लॉक के स्माइलपुर ग्रामसभा के रायपुर गांव में सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव की अगुवाई में एक पेड़ के नीचे पीडीए पाठशाला लगाई गई। जहां आसपास के गांव के बच्चों को एकजुट होकर पढ़ाया गया। अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है। समाजवादी सरकार बनने पर बंद किए गए स्कूलों को और बेहतर तरीके से पुनः खोला जाएगा। उन्होंने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह बुनियादी और प्राथमिक शिक्षा को खत्म करने की साजिश रच रही है ताकि गरीब बच्चों को शिक्षा से दूर किया जा सके।

गूगल मैप के कारण भटके रास्ता

> ग्रामीणों ने चोर समझकर युवकों को बेरहमी से पीटा

अमरोहा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पानीपत से घर लौट रहे संभल के मजदूर गूगल मैप के कारण रास्ता भटक गए। पतेई खालसा गांव में पहुंचे तो यहां के लोगों ने चोर समझकर उनकी बुरी तरह पिटाई कर दी। मजदूर हाथ जोड़कर हकीकत बताने की कोशिश करते रहे, लेकिन ग्रामीणों ने एक न सुनी।

उनकी कार में भी तोड़फोड़ की गई। ग्रामीणों की पिटाई से दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने मजदूरों को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाया। बाद में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल दोनों मजदूरों की हालत नाजुक बनी हुई है। आईसीयू में जिंदगी से जंग लड़ रहे हैं। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं, वीडियो और फोटो के आधार पर पिटाई करने वाले ग्रामीणों की पहचान कराई जा रही है।

संभल जनपद के असमोली थाना इलाके के मिलकपुर नवादा के रहने वाले मोहम्मद आसिफ अपने साथी मुशाहिद, अंकित और तहजीबुल व अन्य दो व्यक्तियों के साथ पानीपत में मजदूरी करते हैं। शुक्रवार की रात सभी लोग कार में सवार होकर घर लौट रहे थे।

मोबाइल पर खोल रखा था गूगल मैप

इस दौरान उन्होंने अपने मोबाइल पर गूगल मैप खोल रखा था। गूगल मैप के बताए रास्ते पर चल रहे थे। रात को करीब 9:30 बजे गूगल मैप के कारण वह रास्ता भटक गए और डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव पतेई खालसा में पहुंच गए। इस दौरान कार में सवार मजदूरों ने पतेई खालसा के ग्रामीणों से संभल जाने के लिए रास्ता पूछा तो उन्होंने चोर समझकर मजदूरों को घेर लिया। इस दौरान दो मजदूर भाग निकले।

होमगार्ड भर्ती अभ्यर्थी से एंबुलेंस में गैंगरेप

> फिजिकल टेस्ट के दौरान दौड़ते समय बेहोश हुई, अस्पताल ले जा रहे ड्राइवर-टेक्नीशियन ने दरिंदगी की

गया, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के गयाजी में होमगार्ड भर्ती के लिए आई लड़की (26) के साथ एंबुलेंस में गैंपरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को ड्राइवर और टेक्नीशियन को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद आरोपियों ने पीड़ित को चुप रहने की धमकी दी थी। घटना 24 जुलाई (गुरुवार) की है। इसका खुलासा शुक्रवार देर रात हुआ। लड़की बीएमपी-3 के मैदान में होमगार्ड भर्ती के लिए पहुंची थी। फिजिकल टेस्ट के दौरान दौड़ते समय बेहोश होकर गिर गई। मौके पर मौजूद एंबुलेंस से उसे अस्पताल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, चलती एंबुलेंस में पहले टेक्नीशियन ने रेप किया, फिर गाड़ी सुनसान जगह पर रोककर ड्राइवर ने दरिंदगी की। पीड़ित ने अस्पताल पहुंचकर महिला डॉक्टर को पूरी कहानी बताई, जिसके बाद पुलिस ने एक्शन लिया।

पीड़ित ने पुलिस को बताया, 'फिजिकल टेस्ट के दौरान मैं चक्कर खाकर गिर गई थी। थोड़ी देर मुझे वहीं बैठाया गया। ग्राउंड में मौजूद एंबुलेंस बुलाई गई। एंबुलेंस के ड्राइवर और टेक्नीशियन ने मुझे अंदर बैठाया। भर्ती ग्राउंड से मुख्य मार्ग डोभी-पटना पर एंबुलेंस पहुंची, तो एंबुलेंस स्टाफ ने गाड़ी रोककर मेरा एडमिट कार्ड गले से निकाल लिया। पीड़ित ने पुलिस को बताया, 'दोनों आरोपियों ने BMP-3 के गेट पर खड़े लोगों से पूछताछ की कि क्या मेरा कोई जानने वाला है, लेकिन जब कोई परिचित नहीं मिला, तो एंबुलेंस अस्पताल के लिए रवाना हो गई। रास्ते में टेक्नीशियन ने इलाज के बहाने गलत हरकत शुरू कर दी। टेक्नीशियन ने मेरे चेहरे पर स्प्रे मारा, जिससे मैं पूरी तरह बेहोश हो गई। मुझे थोड़ी आवाजें सुनाई दे रही थीं। इसी दौरान चलती एंबुलेंस में टेक्नीशियन ने दुष्कर्म किया।' सिकरिया मोड़ पर दुष्कर्म के बाद दोनों आरोपियों ने पीड़ित को मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक इलाज के दौरान जब युवती को होश आया, तो उसे महसूस हुआ कि उसके साथ गलत हुआ है।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तारी

पुलिस ने बताया कि घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में एंबुलेंस मुख्य रास्ते से गायब होती दिखी। फिर लौटते हुए नजर आई। मेडिकल जांच और पीड़ित के बयान के बाद दोनों आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की गई। पीड़ित और आरोपियों के कपड़े को पुलिस ने जांच के लिए जब्त किया है। इसके अलावा एंबुलेंस के अंदर से भी एफएसएल की टीम ने कुछ साक्ष्य जुटाए हैं।

एसआईआर का आखिरी दिन, 64 लाख लोगों का नाम कटना तय

बिहार के 99.8% मतदाता हो चुके कवर, 1 अगस्त से शुरू होगा दावे-आपत्तियों का प्रोसेस

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पूरे बिहार से अब तक 7.23 करोड़ मतदाताओं ने भाग लिया है। इन मतदाताओं के फॉर्म को डिजिटलीकरण भी कर लिया गया है, और इन सभी के नाम आगामी मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। वहीं अब तक राज्य के 99.8% मतदाताओं को कवर किया जा चुका है। बचे हुए मतदाताओं के फॉर्म और बीएलओ रिपोर्ट का डिजिटलीकरण कार्य भी 1 अगस्त 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।

64 लाख लोगों का नाम कटना तय

24 जून 2025 से अब तक बीएलओ और बीएलए द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार बिहार में अब तक लगभग 22 लाख मतदाता दिवंगत पाए गए हैं। लगभग 7 लाख मतदाता ऐसे हैं जिनका नाम एक से अधिक जगहों पर दर्ज है। करीब 35 लाख मतदाता या तो स्थायी रूप से पलायन कर गए हैं या उनका पता नहीं चल सका है। वही 1.2 लाख मतदाताओं के फॉर्म अब तक वापस नहीं मिल पाए हैं।

दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया-1 अगस्त से 1 सितंबर तक

एसआईआर आदेश के अनुसार, 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक कोई भी मतदाता या राजनीतिक दल, निर्धारित फॉर्म भरकर अपने क्षेत्र के ईआरओ को दावा या आपत्ति दे सकता है। इसमें छूटे हुए योग्य मतदाताओं का नाम जुड़वाया जा सकता है या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटवाने के लिए आवेदन किया जा सकता है।

छांगुर के भतीजे के घर पर चला बुलडोजर

> 30 मिनट में पूरा घर गिराया > एटीएस की गिरफ्त में है सबरोज

बलरामपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा के खिलाफ एक्शन जारी है। बलरामपुर में शनिवार को छांगुर के भतीजे सबरोज के घर को बुलडोजर से ढहा दिया। करीब 30 मिनट में ही दो बुलडोजर ने पूरे घर को गिरा दिया। इस दौरान भारी तादाद में पुलिस और अफसर मौजूद रहे हैं।

छांगुर बाबा और नसरीन की गिरफ्तारी के बाद एटीएस ने सबरोज को 19 जुलाई को गिरफ्तार किया था। एटीएस पूछताछ में सामने आया कि सबरोज भी छांगुर बाबा के धर्मांतरण गैंग में शामिल था। वह छांगुर के बलरामपुर में सारे काम देखता था। वह जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के भाई इशहाक का बेटा है। सबरोज का घर उतरौला तहसील के गैडास बुजुर्ग थाना क्षेत्र के रेहरा माफी गांव में बना था। यह छांगुर और नसरीन की कोठी से 1 किमी दूर है। प्रशासन ने इससे पहले 8, 9 और 10 जुलाई यानी 3 दिन में छांगुर बाबा की 3 करोड़ की कोठी पर बुलडोजर चलाया था। यह कोठी नसरीन के नाम थी।

11 बजे दो बुलडोजर लेकर टीम पहुंचीं

शनिवार सुबह सबसे पहले सबरोज के घर उतरौला कोतवाली की फोर्स पहुंची। 30 पुलिसकर्मी, सीओ राघवेंद्र सिंह और एएसपी विशाल पांडेय पहुंचे। वहां सुरक्षा व्यवस्था देखी। इसके बाद एसडीएम सत्यपाल प्रजापति पहुंचे। दो बुलडोजर ने 7 मिनट में छत ढहाई और 10 मिनट में दीवारें गिरा दी। इसके बाद पिलर खोद दिए। कुल 20-25 मिनट में पूरे घर को जमींदोज कर दिया गया।

एसडीएम उतरौला सत्यपाल प्रजापति ने बताया- सबरोज के खिलाफ 3 महीने पहले सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत मिली थी। उसने रेहरा माफी में 300 स्क्वायर फीट की जमीन पर अवैध तरीके से मकान बनवाया है। एसडीएम ने बताया-सबरोज को पहला नोटिस 15 मई 2025 को जारी किया गया था। दूसरा नोटिस 29 जून को जारी किया गया था। दोनों बार ही सबरोज ने नोटिस को संज्ञान में नहीं लिया और खुद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की। 18 जुलाई को अंतिम चेतावनी नोटिस जारी किया गया। इसकी मियाद 23 जुलाई को पूरी हो चुकी थी। सबरोज के परिवार ने दो दिन का समय और मांगा था इसलिए उसे दो दिन का समय और दिया गया। दो दिन पूरा होने के बाद शनिवार को कार्रवाई की गई। मकान में एक किचन, एक कमरा और एक बरामदा बना हुआ था।

महिला डॉक्टर के पति का अपहरण

एक करोड़ फिरौती मांगी, 12 घंटे बाद चंगुल से छूटे तो पत्नी से लिपटकर खूब रोए

गोरखपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर में बदमाशों ने रिटायर्ड एयरफोर्स कर्मचारी को किडनैप कर लिया। डॉक्टर पत्नी को कॉल कर एक करोड़ रुपए मांगे। कहा- पति को जिंदा देखना चाहती हो तो पैसे भेज दो। पत्नी ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

फिर पुलिस के प्लान के तहत महिला डॉक्टर पत्नी बदमाशों के बताए स्थान पर रुपए देने पहुंची। पुलिस ने पैसे लेने आए तीन बदमाशों को अरेस्ट कर लिया। 12 घंटे के अंदर किडनैप कर्मचारी को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के मुताबिक, 7 बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। वह दो कार से आए थे। मामला शाहपुर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस पर हमला एसआई समेत 4 को पीटा

रिवॉल्वर छीनी, बचाने गए डीएसपी को भी दौड़ाया, दोनों ओर से 18 राउंड फायरिंग

भागलपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भागलपुर के पीरपैंती में शुक्रवार रात पुलिस टीम पर हमला हुआ। बताया जा रहा है कि कहलगांव पुलिस को अपहरण की सूचना मिली थी।

रात 10 बजे सादे कपड़ों और प्राइवेट गाड़ी में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इतने सारे लोगों को देखकर गांव में किसी ने फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस की ओर से भी फायरिंग की गई। गोलियों की आवाज सुनकर भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने पुलिस वालों को घेर लिया। इस दौरान दोनों ओर से 18 राउंड फायरिंग हुई। भीड़ ने एसआई दुबे देवगुरु समेत 4 पुलिसकर्मियों को घेर लिया। पुलिस वाले जान बचाने के लिए भागने लगे। भीड़ ने पुलिस को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

एसआई की हालत गंभीर, आईसीयू में भर्ती

ग्रामीणों ने पुलिस पर पत्थर फेंके और लाठी-डंडों से पीटा। हमले की सूचना पर दूसरी पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गांव वालों ने उन लोगों पर भी हमला बोल दिया। इसमें कहलगांव थाने के एसआई शत्रुघ्न कुमार, एनटीपीसी थानाध्यक्ष सुशील कुमार और डीएसपी कल्याण आनंद शामिल थे। एसआई और डीएसपी समेत सभी पुलिसकर्मियों को भागकर जान बचानी पड़ी। कुछ पुलिस वालों के जूते मौके पर छूट गए।

घायल अफसरों और पुलिसकर्मियों को एनटीपीसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से कुछ पुलिसकर्मी को मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सब इंस्पेक्टर देवगुरु को आईसीयू में रखा गया है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हाइवा चोरी के मामले में हुआ था अपहरण।

पुलिस अपहरण की सूचना पर गांव में पहुंची थी। बताया जा रहा है कि राजेश यादव लकड़ाकोल गांव के रहने वाले हैं। शुक्रवार सुबह वैष्णो देवी से लौटे थे। नवगछिया स्टेशन से सबौर की ओर जा रहे थे। रास्ते में सन्हौला निवासी विजय भगत दिखे। जिस पर हाइवा चोरी का आरोप था। राजेश ने विजय को पकड़ लिया और गांव लाकर पंचायत की। विजय ने पैसे लौटाने की बात कही। इसी बीच विजय ने अपने परिजनों को कॉल करके कहा कि उसे अगवा कर लिया गया है।

स्कूल हादसे पर बोले कैबिनेट मंत्री जोराराम

हर जिले में होगा पुराने भवनों का सर्वे

नाकारा इमारतें होंगी ध्वस्त

जोधपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश भर में स्कूलों सहित सभी सरकारी भवनों की जर्जर स्थिति को देखते हुए व्यापक सर्वे की तैयारी शुरू कर दी है। जोधपुर प्रवास पर आए कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुराने भवनों का सर्वे कराने और जरूरत अनुसार उनके नवीनीकरण व मरम्मत की प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दे दिए हैं। वहीं जो भवन पूरी तरह नाकारा पाए जाएंगे, उन्हें तोड़कर वहां नए भवन बनाए जाएंगे। जोराराम कुमावत ने झालावाड़ के पिपलोद स्कूल हादसे को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि यह एक दर्दनाक घटना है। बच्चे पढ़ाई कर रहे थे और अचानक दीवार गिरने से पूरी बिल्डिंग ढह गई। सात मासूमों की जान चली गई और कई घायल हैं, जिनका इलाज जारी है। सरकार हर संभव सहायता कर रही है और समाजसेवी संगठन भी मदद में जुटे हैं।

कुमावत ने कहा कि इस बार प्रदेश में अच्छी बरसात हुई है, लेकिन अधिक बारिश के चलते कई पुराने सरकारी भवनों की स्थिति और खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि जहां पानी भरता है, वहां दीवारें गिरने लगती हैं। छतें भी कमजोर हो जाती हैं। यही कारण है कि इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। राज्य सरकार ने सभी जिलों में पुराने सरकारी भवनों की स्थिति का सर्वे कराने का निर्णय लिया है। इसके बाद उनके नवीनीकरण, मरम्मत या पुनर्निर्माण का कार्य चरणबद्ध रूप से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दे दिए हैं कि नाकारा बिल्डिंगों को चिन्हित कर नए भवनों का निर्माण किया जाए। सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ना चाहिए, नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा दिए गए इस बयान पर मंत्री कुमावत ने कहा कि यह व्यक्ति विशेष की स्वतंत्रता है कि वह अपने बच्चों को कहां पढ़ाता है। मेरा मानना है कि सरकारी स्कूलों में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को पढ़ाना चाहिए क्योंकि यहां ट्रेंड और योग्य अध्यापक होते हैं, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूलों के नए कमरे बनाए जा रहे हैं और मरम्मत का कार्य भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बजट में भी पुराने भवनों की मरम्मत और नए कमरों के निर्माण की घोषणा की है। इन प्रस्तावों को तैयार कर फाइनेंस विभाग को भेजा गया है और स्वीकृति मिलते ही नए निर्माण कार्य शुरू कर दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि झालावाड़ की त्रासदी एक चेतावनी है और सरकार अब प्रदेश भर में सरकारी इमारतों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। सर्वे, मरम्मत और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया से उम्मीद है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

एयरपोर्ट को मिली चेतावनी, बम से उड़ा दिया जाएगा सीएम ऑफिस

अब तक 16 बार मिल चुकी धमकी

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में आज सुबह एक बार फिर बम की धमकी से हड़कंप मच गया। इस बार सीएम ऑफिस और जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। बदमाशों ने कहा कि सीएम ऑफिस को एक-दो घंटे में उड़ा दिया जाएगा। एयरपोर्ट पर भेजे गए मेल में लिखा गया कि पहले एयरपोर्ट और फिर एक-दो घंटे में सीएम ऑफिस को बम से उड़ा दिया जाएगा।

जैसे ही यह सूचना एयरपोर्ट प्रशासन को मिली, उन्होंने तुरंत पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी दी। जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गई। सूचना मिलते ही एटीएस, बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड की टीमें एयरपोर्ट और सीएमओ पहुंची। दोनों स्थानों पर बम की तलाशी की जा रहीं है।

सीएमओ परिसर को एहतियातन खाली कराया गया है। अशोक नगर थाना प्रभारी और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे है।। डॉग स्क्वायड द्वारा ऑफिस के भीतर चप्पे-चप्पे की जांच की जा रहीं है। हालांकि अब तक किसी प्रकार की विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है।

वहीं जयपुर एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाक-चौबंद कर दी गई है। एयरपोर्ट टर्मिनल, पार्किंग और कार्गो सेक्शन में गहन जांच की जा रही है। यात्रियों और स्टाफ से भी सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

इस साल 16 धमकियां..

गौरतलब है कि यह 2025 में अब तक की 16 वीं बम धमकी है। अकेले स्टेडियम स्टेडियम को मई महीने में चार बार धमकी मिल चुकी है। इससे पहले जयपुर के कई स्कूल, अस्पताल, होटल, मेट्रो स्टेशन और अदालतों को भी निशाना बनाया जा चुका है। हालांकि अधिकांश धमकियां फर्जी साबित हुई हैं, लेकिन हर बार सुरक्षा एजेंसियों को पूरे संसाधनों के साथ एक्टिव मोड पर आना पड़ता है। सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए हर एंगल से जांच की जा रही है। साइबर सेल मेल की ट्रैकिंग कर रही है और ईमेल भेजने वाले की पहचान की जा रही है।

झालावाड़ हादसे के बाद बोले डोटासरा

यह वक्त पक्ष-विपक्ष का नहीं, जवाबदेही का है

सभी विधायकों से की ये भावुक अपील

सीकर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष और लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने झालावाड़ के मनोहर थाना क्षेत्र के पीपलोदी गांव में हुए स्कूल हादसे के बाद संवेदनशील पहल की है। उन्होंने सीकर जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर अपने विधायक कोष से लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में स्कूल भवनों, आंगनबाड़ी केंद्रों और अन्य जन उपयोगी भवनों की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए बजट स्वीकृति की मांग की है।

डोटासरा ने स्कूलों के लिए लिखा पत्र

डोटासरा ने इस पहल को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपनी प्रतिक्रिया साझा की और कहा कि यह समय पक्ष-विपक्ष की राजनीति का नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही का है।

स्कूल में 7 बच्चों की मौत के बाद गुस्साए ग्रामीण, चौराहा किया जाम; जानें क्या है मांग

डोटासरा ने अपने पत्र में लिखा कि लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कई ग्रामों और कस्बों में स्थित सरकारी स्कूल भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और जन उपयोगी भवन जर्जर अवस्था में हैं। विशेष रूप से मानसून के दौरान इन भवनों की छतों से रिसाव, दीवारों में सीलन और संरचनात्मक क्षति की समस्या बढ़ गई है। इससे विद्यार्थियों और आमजन की सुरक्षा खतरे में है।

एमएलएएलएडी राशि स्वीकृत करने का किया आग्रह

उन्होंने जिला कलेक्टर से आग्रह किया कि विभागीय अधिकारियों से मरम्मत कार्य का ब्यौरा तैयार करवाकर विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमएलएएलएडी) के तहत राशि स्वीकृत की जाए।

उन्होंने प्रस्ताव में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय भवनों की मरम्मत, आंगनबाड़ी केंद्रों में सुधार कार्य और जन उपयोगी भवनों के सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता दी है। डोटासरा ने जोर देकर कहा कि इन कार्यों से न केवल सुविधाएं बेहतर होंगी, बल्कि भविष्य में झालावाड़ जैसे दुखद हादसों की पुनरावृत्ति को रोका जा सकेगा।

उन्होंने अपने बयान में लिखा कि आइए, हम सब राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति अपनी जवाबदेही निभाएं। ताकि फिर किसी स्कूल से चीखें न सुनाई दें, किसी मां की गोद सूनी न हो, किसी परिवार का चिराग न बुझे और झालावाड़ जैसे हादसे दोबारा न हों। गौरतलब है कि डोटासरा की इस पहल को जनहित में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आरटीओ इंस्पेक्टर के 6 ठिकानों पर एसीबी का छापा

15 घर-प्लॉट और दुकान मिले; बैंक में भी हुआ करोड़ों का लेनदेन

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सिरोही परिवहन निरीक्षक के ठिकानों पर शनिवार सुबह से जयपुर एसीबी की टीम छापेमारी कर रही है। जिला परिवहन कार्यालय सिरोही के आरटीओ इंस्पेक्टर सुजानाराम चौधरी के 6 ठिकानों पर 12 से ज्यादा टीमें सर्च में जुटी हुई है। आरोपी अफसर ने राजकीय सेवा में नियुक्त होने से अब तक करीब दो करोड पचास लाख रुपए की आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है, जो आरोपी की वैध आय से करीब 201 प्रतिशत अधिक है।

एसीबी अधिकारियों के मुताबिक सर्च में आरटीओ इंस्पेक्टर की भीनमाल, माउंटआबु, जालोर, जोधपुर में विभिन्न स्थानों पर करीब 15 प्रॉपर्टी मिली है।

जिसकी कुल कीमत तीन करोड़ पैतीस लाख रूपए है। इसके अलावा 7 बैंक खातों से करोड़ों रुपए के लेनदेन का खुलासा हुआ है। साथ ही आरोपी अफसर के खाते में 12 लाख रुपए पाए गए है।

मानसून सत्र में राजकुमार रोत ने संसद में उठाया भील प्रदेश का मुद्दा

अब सरकार देगी लिखित जवाब

डूंगरपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र चल रहा है। मानसून सत्र में बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने भील प्रदेश राज्य के गठन की मांग रखी। साथ ही संसद परिसर में भीलप्रदेश का बैनर लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भील प्रदेश राज्य की मांग तेज की। सांसद राजकुमार रोत ने सदन में सवाल उठाया। इसका सरकार लिखित जवाब देगी।

राजकुमार रोत ने भीलप्रदेश का बैनर को लेकर किया प्रदर्शन

उसी दौरान सांसद राजकुमार रोत ने संसद भवन परिसर में भीलप्रदेश का बैनर लेकर पहुंचे, जहां देश के सभी सांसदों की मौजूदगी में राजकुमार रोत ने संसद के मुख्य द्वार पर भीलप्रदेश के बैनर को लेकर प्रदर्शन किया।

करोड़ों आदिवासियों की भावनाओं और बलिदानों से जुड़ी है - राजकुमार रोत

बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने अपने सोशल मीडिया अकांउट X पर लिखा कि संसद भवन में भील प्रदेश की तख्ती लेकर प्रवेश किया और संसद परिसर में हमारी ऐतिहासिक आवाज को बुलंद किया। यह लड़ाई सिर्फ मेरी अकेले की नही है, बल्कि करोड़ों आदिवासियों की भावनाओं और बलिदानों से जुड़ी हुई है।

राजकुमार रोत ने आगे लिखा कि 1913 में गुरु गोविंद महाराज के नेतृत्व में भील प्रदेश निर्माण के उद्देश्य से मानगढ़ धाम पर एकत्र हुए भीलों पर अंग्रेजों और सामंती व्यवस्था ने हमला किया था, जिसमें 1500 से अधिक भीलों का नरसंहार हुआ। भले ही इस बलिदान को इतिहास से मिटा दिया गया हो, लेकिन हमारे बच्चों-बच्चों में आज भी भील प्रदेश की चिंगारी जिन्दा है। अगर आज हमें न्याय नही मिला तो हमारी आने वाली नस्लें इसे आपसे छीनकर लेंगी। इतिहास याद रखेगा कि आज कौन भील प्रदेश के साथ खड़ा था और कौन विरोध में।

'भील प्रदेश' की मांग को लेकर जारी किया था नया नक्शा

इससे पूर्व 16 जुलाई के आस पास राजस्थान के भारतीय आदिवासी पार्टी नेता व सांसद राजकुमार रोत ने 'भील प्रदेश' की मांग को लेकर नया नक्शा जारी किया था। साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजते हुए राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 49 जिलों को मिलाकर भील प्रदेश बनाने का तर्क दिया था।

सड़क हादसे में कांग्रेस नेता की मौत

अशोक गहलोत ने जताया दुख

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के श्याम नगर इलाके में गुरुवार देर रात करीब 2:20 बजे एक भीषण सड़क हादसे में बालेसर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश सांखला (35) और उनके दोस्त दलाराम माली (30) की मौत हो गई। हादसे में एक अन्य साथी कृष्णा सांखला (28) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सड़क किनारे खड़ी कार को मारी टक्कर

परिजनों के अनुसार, मुकेश सांखला अपने दोस्तों दलाराम माली, कृष्णा सांखला और मुकेश सांखला (25) पुत्र कबाराम के साथ दिल्ली से लौट रहे थे। जयपुर के सोडाला श्याम नगर में एक होटल के बाहर उनकी कार सड़क किनारे खड़ी थी। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास खड़ी अन्य गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा।

करौली-हिंडौन मार्ग पर भीषण सड़क हादसा

वैन को पिकअप ने टक्कर मारी, चार महिलाओं की मौत

करौली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। हादसा करौली-हिंडौन मार्ग पर गुडला गांव के पास रामजा की बगीची के पास हुआ, जहां ऑक्सीजन गैस सिलेंडरों से भरी पिकअप ने महिलाओं से भरी वैन को जोरदार टक्कर मार दी।

सभी लोग मांची गांव में आयोजित तीये की बैठक से लौटकर बेड़ा बनकी गांव जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। वैन और पिकअप की आमने-सामने हुई भिड़ंत से वैन में सवार महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनमें से चार गुड्डी (30) पत्नी विनोद, कमला (45) पत्नी रेवती, मछला (45) पत्नी जगदीश, और शकुंतला (60) पत्नी कजौड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में शामिल वैन चालक दरब सिंह की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर किया गया है।

हादसे की सूचना मिलते ही सदर कोतवाली, शहर कोतवाली, पांचना पुलिस चौकी और मासलपुर चुंगी चौकी से पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से घायलों को निजी साधनों से करौली जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

पीएमओ डॉ. रामकेश मीणा ने अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति की जानकारी ली। मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवाकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल और घटनास्थल पर जमा हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से 17 वर्षीय किशोरी की दर्दनाक मौत

पटरी पार करते समय हुआ हादसा

अलवर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के सदर थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें 17 वर्षीय किशोरी की जान चली गई। यह हादसा रूपवास पुलिया के पास उस समय हुआ, जब किशोरी खुशबू मीणा रेलवे ट्रैक पार करते हुए तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गई। जानकारी के अनुसार रैणी थाना क्षेत्र के परवेणी गांव निवासी रामावतार मीणा अपने परिवार के साथ अलवर के रूपवास क्षेत्र में रहते हैं। वे सार्वजनिक निर्माण विभाग में बेलदार के पद पर कार्यरत हैं। उनकी बेटी खुशबू दूध लेने के लिए रेलवे ट्रैक पार कर रही थी। दूध लेकर लौटते समय उसने रास्ते में एक वृद्ध महिला को पटरी पार करवाने में मदद की। वृद्धा को सुरक्षित पार करवाने के बाद जब खुशबू खुद पटरी पार कर वापस लौट रही थी, तभी तेज रफ्तार रानीखेत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि खुशबू की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार को हादसे की जानकारी उस व्यक्ति ने दी, जो पास में मकान निर्माण का कार्य करवा रहा था। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थी। इस हृदय विदारक हादसे के बाद पूरे परिवार और मोहल्ले में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

डेंटल कॉलेज की छात्रा ने की आत्महत्या

गुस्साए छात्र धरने पर बैठे, स्टाफ के दो सदस्य बर्खास्त

उदयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उदयपुर के पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल परिसर में संचालित डेंटल कॉलेज की एक छात्रा ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिसर में सनसनी फैल गई और गुस्साए स्टूडेंट्स ने हंगामा कर दिया। मामले में लगाए आरोपों के बाद कॉलेज स्टाफ के दो सदस्यों को हटा दिया गया है। मृतका जम्मू कश्मीर की निवासी थी और अंतिम वर्ष की छात्रा थी। जानकारी के अनुसार मृतका छात्रा श्वेता सिंह (25) ने अपने हॉस्टल के कमरे में पंखे से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। इसकी जानकारी रात करीब 11 बजे उसकी रूममेट के पहुंचने पर हुई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या से पूर्व छात्रा श्वेता सिंह ने सुसाइड नोट छोड़े हैं, जिसमें कॉलेज के स्टाफ पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की जानकारी के बाद कॉलेज के अन्य स्टूडेंट्स गुस्सा हो गए और कॉलेज का मेन गेट बंद कर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और उन्होंने छात्रों से समझाइश की। बताया जा रहा है कि मृतका ने सुसाइड नोट में कॉलेज स्टाफ सदस्य नैनी मैडम और भगवत पर टॉर्चर करने के आरोप लगाए है।

अनियंत्रित बाइक ट्रक से टकराने से दो युवकों की मौत

श्रीगंगानगर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के श्रीकरणपुर क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे श्रीकरणपुर शहर से करीब दो किलोमीटर दूर गजसिंहपुर रोड पर एक अनियंत्रित बाइक अज्ञात ट्रक से टकरा गई।

हादसे की सूचना मिलते ही श्रीकरणपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट कराया। पुलिस के अनुसार सड़क किनारे खून से लथपथ दो युवकों के शव देखने के बाद वहां से गुजर रहे एक वाहन चालक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर श्रीकरणपुर थाने से सब-इंस्पेक्टर बेगराज मीणा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस चालक दीपक शर्मा को बुलाया और एम्बुलेंस से दोनों शवों को सरकारी अस्पताल भिजवाया गया।

10 साल के अजय ने मगरमच्छ से भिड़कर बचाई पिता की जान, नदी से पानी भरते समय कर दिया था हमला

धौलपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा थाना बासौनी क्षेत्र के गांव झारनापुरा हरलालपुर में एक दस वर्षीय बच्चे ने अपने घायल पिता को मगरमच्छ के जबड़े से खींचकर मौत के मुंह से बाहर निकाल लिया। यह साहसिक घटना चंबल नदी के किनारे उस समय हुई, जब किसान पानी भरने गए थे और मगरमच्छ ने उन पर अचानक हमला कर दिया।

वीरभान उम्र 35 वर्ष जो गांव झारनापुरा हरलालपुर निवासी हैं, अपने बेटे अजय और बेटी किरन के साथ खेतों में काम करने के बाद चंबल नदी पर पानी भरने पहुंचे थे। जैसे ही वीरभान ने नदी में कदम रखकर बोतल पानी में डुबाई, पानी में छिपे मगरमच्छ ने उनके दाहिने पैर को दबोच लिया और उन्हें नदी में खींचने लगा। अचानक हुए इस हमले से वीरभान घबरा गए और जान बचाने के लिए शोर मचाने लगे।

नदी किनारे खड़े दस वर्षीय अजय और उसकी बहन किरन ने जब पिता की चीखें सुनीं, तो वे भी चिल्लाने लगे। परंतु अजय ने डरने के बजाय हिम्मत दिखाई। उसने सूझबूझ से काम लेते हुए नदी किनारे पड़ा बबूल का मोटा डंडा उठाया और सीधे नदी में कूद गया। उसने मगरमच्छ पर लगातार डंडे से वार करना शुरू कर दिया। उसकी मार और साहस के आगे मगरमच्छ को पीछे हटना पड़ा।

कारगिल विजय दिवस पर पुष्पांजलि समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कारगिल विजय दिवस 2025 के अवसर पर, तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) ने हमारे देश की संप्रभुता की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक भव्य पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने तीनों सेनाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पुष्पांजलि अर्पित की और यह कार्यक्रम राष्ट्र के लिए निस्वार्थ भाव से लड़ने वाले बहादुर सैनिकों की वीरता और बलिदान की मार्मिक याद दिलाता है। इस समारोह में उन वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिन्होंने अद्वितीय वीरता और साहस के साथ हमारे राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा की। इस कार्यक्रम में राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों के प्रति गर्व, सम्मान और कृतज्ञता की भावना व्यक्त की गई।

राज्यपाल ने कहा, हमारे सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा और उनका सम्मान किया जाएगा। हम उनकी स्मृति और विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

नदी में गिरने से 65 वर्षीय किसान की मौत

नगर कर्नूल, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 65 वर्षीय किसान पेड्डा जंगैया की शनिवार को पोटिरेड्डीपल्ली में अपनी बेटी के घर जाने के प्रयास में दुंदुभी नदी की धारा में बह जाने से मौत हो गई। गौराराम निवासी जंगैया ने तीन दिनों की लगातार बारिश के बाद उफान पर आई नदी को पार करने की कोशिश की। खबरों के मुताबिक, तेज बहाव में वह नियंत्रण खो बैठा और बह गया। उसकी चीखें सुनकर स्थानीय निवासी उसकी मदद के लिए दौड़े और उसे किसी तरह किनारे तक खींच लिया। हालांकि, तब तक जंगैया की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

ओयू, सीबीआईटी ने विकसित की एडीपीएलएल चिप

मोहाली में किया गया एडीपीएलएल चिप का निर्माण

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वदेशी अर्धचालक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति में, उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) ने चैतन्य भारती प्रौद्योगिकी संस्थान (सीबीआईटी) के सहयोग से, भारत सरकार के चिप्स टू स्टार्टअप (सी2एस) कार्यक्रम के तहत एक पूर्ण-डिजिटल फेज-लॉक्ड लूप (एडीपीएलएल) एएसआईसी चिप का प्रोटोटाइप सफलतापूर्वक विकसित और निर्मित किया है। 180 एनएम सीएमओएस प्रौद्योगिकी का उपयोग करके निर्मित एडीपीएलएल चिप का निर्माण मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) में किया गया।

ओयू के कुलपति प्रो. कुमार मोलुगरम ने शुक्रवार को अकादमिक परिषद के सदस्यों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्रो. पी. चंद्रशेखर (प्राचार्य, यूसीईओयू) और प्रो. ए. कृष्णैया (डीन, इंजीनियरिंग संकाय) सहित अन्य की उपस्थिति में औपचारिक

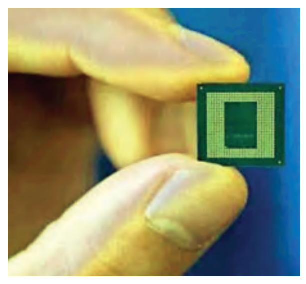

रूप से चिप का अनावरण किया। प्रोफेसर मोलुगरम ने प्रोफेसर पी. चंद्रशेखर के नेतृत्व वाली परियोजना टीम के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने 5 करोड़ रुपये का अनुसंधान अनुदान सफलतापूर्वक प्राप्त किया और ओयू में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटीग्रेटेड सर्किट (सीआईआईसी) में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की।

प्रोफेसर चंद्रशेखर ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और सीडैक के प्रति उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया, जिसमें कैडेंस और सिनोप्सिस जैसे उद्योग-स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन ऑटोमेशन उपकरणों तक पहुंच और आईसी निर्माण को सुविधाजनक बनाना शामिल है। एडीपीएलएल चिप से भविष्य में उच्च गति डिजिटल सिंक्रोनाइज़ेशन की आवश्यकता वाले अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है, और यह उपलब्धि भारत के बढ़ते सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक कदम आगे है।

ऑपरेशन सिंदूर में प्रयुक्त हथियार प्रणालियों पर कार्यशाला

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में हुए भारत-पाक संघर्ष में स्वदेशी रूप से विकसित हथियार प्रणालियों ने महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभाई। ऑपरेशन सिंदूर, अप्रैल 2025 में पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकवादी हमले का मई 2025 में उचित सैन्य प्रत्युत्तर था। हैदराबाद स्थित मिसाइल परिसर से विकसित आकाश एयर-डिफेंस, ब्रह्मोस, एमआरएसएएम, यूएलपीजीएम जैसी स्वदेशी उच्च तकनीक वाली मिसाइल प्रणालियों ने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की मिसाइल प्रणाली और स्वदेशीकरण नीतियों की निस्संदेह पुष्टि हुई। ऑपरेशन सिंदूर में प्रयुक्त हथियार प्रणालियों पर एक दिवसीय कार्यशाला शनिवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद में आयोजित की गई। कार्यशाला की शुरूआत ऑपरेशन सिंदूर में प्रयुक्त विभिन्न हथियारों की उप-प्रणालियों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुई और इन स्वदेशी प्रणालियों के प्रदर्शन, इन प्रणालियों की क्षमताओं को और बढ़ाने के तरीकों और साधनों पर विचार-विमर्श किया गया ताकि ये भविष्य में भी अपराजेय और श्रेष्ठ बनी रहें। डीआरडीएल के विशिष्ट वैज्ञानिक और निदेशक डॉ.जी ए श्रीनिवास मूर्ति ने अपने स्वागत भाषण में इस कार्यशाला के समग्र उद्देश्य को रेखांकित किया। डीआरडीएल के पूर्व निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वी जे सुंदरम ने राष्ट्रहित में शत-प्रतिशत स्वदेशीकरण की आवश्यकता और साइबॉर्ग जैसे उन्नत उच्च-तकनीकी क्षेत्रों में नवीन विचारों पर ध्यान केंद्रित करने की दूरदर्शिता पर बल दिया। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के संस्थापक, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.ए शिवथानु पिल्लई ने अपने संदेश में भारतीय सशस्त्र बलों और डीआरडीओ एवं भारतीय उद्योगों के सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की।

सुबह जल्दी जगेंगे तो आपका भाग्य सदा जागृत रहेगा : श्री चन्द्रप्रभ जी

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज ने कहा कि हम सूर्योदय से पहले जगने की आदत डालें। अगर हम सभी जल्दी जगेंगे तो भाग्य सदा जागृत रहेगा। जब सारी प्रकृति जल्दी जग जाती है तो हम देर तक क्यों सोए रहें? ये तो भारत में विद्यालय सुबह जल्दी खुल जाते हैं इसलिए सबको जल्दी जगना पड़ता है। सुबह 5.30 बजे उठना और रात को 10.30 बजे सोना आरोग्य, बुद्धि, धनार्जन और भाग्योदय के लिए पहला प्रवेश द्वार है।

वे नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में कैसे करें अपना सही लाइफ मैनेजमेंट विषय पर प्रवचन दे रहे थे। संतश्री ने कहा कि युवाओं को चाहिए कि वे देर रात तक पढ़ने की बजाय सुबह जल्दी उठकर पढ़ें। दिन भर हम थके हुए होते हैं इसलिए रात को पढ़ेंगे तो वह ज्ञान जल्दी भूल जाएँगे, पर सुबह फ्रेश माइंड से पढ़ेंगे तो हमारा ज्ञान लंबे समय तक सुरक्षित रहेगा। बचपन में डाली गई जल्दी जगने की आदत जीवन के अंतिम क्षण तक उन्हें आगे बढ़ने में मदद करेगी।

संतश्री ने कहा कि हर सुबह की शुरुआत मुस्कुराते हुए करें। अगर

हम मुर्दे मन के साथ सुबह की शुरूआत करेंगे तो पूरा दिन बेकार चला जाएगा। हम सुबह उठकर यह तो देखते हैं कि मोबाइल चार्ज है या नहीं, पर यह नहीं देखते कि जिंदगी चार्ज है या नहीं।

संतश्री ने कहा कि जिंदगी की कीमत क्या है यह सम्राट सिकंदर से पूछिए जो अपने अंतिम समय में 1 घंटे की जिंदगी पाने के लिए पूरा साम्राज्य देने को तैयार हो गया था। हम पैसे से बहुत कुछ प्राप्त कर सकते हैं, पर सब कुछ नहीं। हम स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। कहीं ऐसा न हो कि पहले पैसा पाने के लिए स्वास्थ्य को दाँव पर लगाएं, फिर स्वास्थ्य को पाने के लिए पैसे को दांव पर लगाना पड़े। हम संयमित खाएं, औरों को खिलाकर खाएं, कार्य के प्रति ईमानदार रहें, किसी से स्वार्थ का रिश्ता न जोड़ें, दिन में एक बार घर के सभी सदस्य साथ में भोजन करें, जरूरतमंद के काम आएं और समय पर घर पहुंचें ताकि पत्नी ठंडी और भोजन गर्म मिल सके अन्यथा पत्नी का मिज़ाज गर्म और भोजन ठंडा मिलेगा।

इससे पूर्व डॉ. मुनि शांति प्रिय सागर महाराज ने नवकार महामंत्र का सामूहिक संगान करवाया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को योग का अभ्यास करवाते हुए हेल्थ और हैप्पीनेस थेरेपी के प्रयोग करवाए, विविध प्राणायाम के प्रयोगों को करते हुए श्रद्धालु आनंद और ऊर्जा से भरे हुए नजर आए।

कुर्सियां दान करने की अनुमति देने पर प्रधानाध्यापक निलंबित

मंचेरियल, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को चेन्नूर शहर के नल्लागोंडावाड़ा स्थित एक सरकारी स्कूल में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के जन्मदिन के अवसर पर गिफ्ट ए स्माइल पहल के तहत बीआरएस कार्यकर्ताओं को कुर्सियां सौंपने की कथित तौर पर अनुमति देने के आरोप में एक प्रभारी प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानाध्यापक आर.के. प्रसाद को इस पहल के तहत कार्यकर्ताओं को स्कूल में कुर्सियां दान करने की अनुमति देने के कारण निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि स्कूल समय में छात्रों को शामिल करते हुए स्कूल में एक राजनीतिक पार्टी की बैठक को रोकने में विफल रहने के कारण प्रसाद के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई।

लंगूरों ने दो लोगों पर हमला किया

संगारेड्डी, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद स्थित क्षेत्रीय अस्पताल परिसर में लंगूरों के अलग-अलग हमलों में दो व्यक्ति घायल हो गए। पहली घटना में, जहीराबाद निवासी मोहम्मद अकरम को उस समय काट लिया गया जब वे अपनी बेटी के साथ अस्पताल जा रहे थे। एक अन्य मामले में, बुखार से पीड़ित एमडी अब्दुल खादर पर इलाज के दौरान हमला किया गया। अकरम को चार टांके लगे, जबकि खादर को छह। दोनों के पैरों में चोट लगी है। पीड़ितों ने सरकार से लंगूरों को बचाने और उन्हें जंगल में स्थानांतरित करने की अपील की है। नागरिकों का कहना है कि बंदर उन लोगों पर हमला कर रहे हैं जो उन्हें भगाने की कोशिश कर रहे हैं।

वेनुगोपाल राव को विश्व गुरु पुरस्कार

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के सेटविन के प्रबंध निदेशक वेनुगोपाल राव ने बेरोजगार युवाओं के लिए आत्म-रोजगार और कौशल विकास के लिए प्रतिष्ठित "विश्व गुरु" विश्व रिकॉर्ड पुरस्कार प्राप्त किया है। यह पुरस्कार शनिवार को शहर में एक विशेष समारोह में तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एलिशेटी लक्ष्मीनारायण ने प्रदान किया। विश्व गुरु विश्व रिकॉर्ड्स के प्रबंध निदेशक सत्यवोलु रामबाबू और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। शनिवार को सेटविन मुख्यालय में आयोजित एक बैठक में बोलते हुए, वेनुगोपाल राव ने कहा कि वह "विश्व गुरु" विश्व रिकॉर्ड पुरस्कार पाकर खुश है और राज्य सरकार के बैकस्लाइड्स के कारण "विश्व गुरु" विश्व रिकॉर्ड पुरस्कार प्राप्त करना संभव हुआ। उन्होंने कहा कि इस तरह के पुरस्कार अधिक से अधिक उत्साह के साथ सेवा करने में सक्षम होंगे।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स की मानसून धमाका ग्रैंड सेल आज से

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमाजीगुड़ा स्थित हैदराबाद का विश्वसनीय और प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांड शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स (एसएलजे) एक बार फिर अपने ग्राहकों के लिए मानसून धमाका ग्रैंड सेल 2025 लाया है, जिसकी शुरूआत रविवार, 27 जुलाई से हो रही है। यह सेल कुल 10 दिनों तक, यानी 5 अगस्त तक चलेगी।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स के निदेशक मीठालाल सेहलोत का मानना था कि यह सेल एक प्रमोशनल योजना है, जिसका उद्देश्य पुराने ग्राहकों को आभार के रूप में विशेष रेट्स देना और नए ग्राहकों को बेहतरीन ऑफर्स के माध्यम से जोड़ना है। जिसके तहत पिछले 12 सालो से यह योजना चल रही है! पिछले वर्ष की सफलता के बाद इस वर्ष और भी आकर्षक ऑफर्स रखे गए हैं।

इस सेल में ग्राहकों को जो लाभ मिलेंगे : उनमें 22 कैरट (92 प्रतिशत प्योरिटी) गोल्ड ज्वेलरी- फ्लैट 100 के हिसाब से। डायमंड ज्वेलरी पर - सीधा 15 प्रतिशत डिस्काउंट आन डायमण्ड्स।

सिल्वर बर्तन के मेकिंग चार्जेस पर- 50 प्रतिशत की भारी छूट। सिल्वर ज्वेलरी के एमआरपी पर- 20 प्रतिशत छूट।

उन्होंने बताया कि यह ऑफर केवल रेडी टू बियर स्टॉक पर ही लागू है, आर्डर आइटम्स पर रेगुलर रेट्स ही लागू रहेंगे। इस बार स्टॉक की रेंज और भी विस्तृत है- 1,500 से अधिक नेकलेस, 1,500 कान के टॉप्स, 700 से अधिक डिज़ाइंस की चूड़ियाँ, 20,000+ डिजाइन विकल्प एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं।

ग्राहकों की सुविधा के लिए तीन मंज़िलों में फैले शोरूम में गोल्ड, डायमंड, सिल्वर और ब्राइडल ज्वेलरी के विशेष अनुभाग तैयार किए गए हैं। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स के 50 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा में यह सेल एक यादगार अध्याय है- एक ऐसा अवसर जिसे आभूषण प्रेमी छोड़ना नहीं चाहेंगे।

फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र बेचने के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जो कथित तौर पर विदेशी नौकरी के इच्छुक लोगों को फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र बेच रहे थे। पुलिस ने उनके पास से कई फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र, मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज जब्त किए। गिरफ्तार किए गए लोगों में ए. हरीश और एम. महेश शामिल हैं, जो कुकटपल्ली में श्री व्यास कंसल्टेंसी चला रहे थे।

पुलिस के अनुसार, हरीश और महेश उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए विदेश जाने की योजना बना रहे लोगों को इसके लिए प्रमाण पत्र बनवा रहे थे। पुलिस को पता चला कि अब तक उन्होंने 46 लोगों को शैक्षिक प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए हैं और उनका इस्तेमाल करके 24 लोग विदेश यात्रा कर चुके हैं। दोनों विजयवाड़ा के मोहन नाम के व्यक्ति से प्रमाणपत्र प्राप्त कर रहे थे। मामला दर्ज कर लिया गया है।

माओवादी शीर्ष नेता ने डीजीपी के समक्ष आत्मसमर्पण किया

विजयवाड़ा, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कई प्रमुख माओवादियों ने आज आंध्र प्रदेश के डीजीपी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में पार्टी के शीर्ष नेता भी शामिल थे। वरिष्ठ माओवादी जोरिगे नागराजु उर्फ कमलेश, 34 वर्षों से अधिक समय से माओवादी पार्टी में कार्यरत हैं, और उनकी पत्नी अरुणा उर्फ मेडका ज्योतिश्री कृष्णा जिले के दोनों माओवादियों ने शनिवार को डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। कमलेश वर्तमान में पूर्वी बस्तर संभागीय समिति के प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं और दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति में एसजेडसीएम के पद पर हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने यह महसूस करने के बाद आत्मसमर्पण किया कि माओवादी पार्टी की विफलताओं और केंद्रीय समिति की नीतियों के कारण उनकी विचारधारा अब प्रचलन में नहीं रहेगी। उनकी पत्नी अरुणा, जो मोबाइल एकेडमिक पॉलिटिकल ऑर्गनाइज़ेशन स्कूल की प्रभारी के रूप में काम करती हैं। वह पार्टी की विफलताओं से निराश बताई जाती हैं। अधिकारियों ने खुलासा किया कि कमलेश पर आंध्र प्रदेश में 20 लाख रुपये और अरुणा पर 5 लाख रुपये का इनाम था। डीजीपी ने तत्काल राहत के रूप में आत्मसमर्पण करने वाले दंपति को 20-20 हजार रुपये के चेक सौंपे।

अधिकारियों ने पिछले हफ्ते अल्लूरी सीताराम राजू जिले में ऑपरेशन टीमों द्वारा बरामद किए गए हथियार आंध्र प्रदेश के डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता को दिखाए। कुल 18 हथियार जब्त किए गए। सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर एके-47, 2 बीजीएल, 5 एसएलआर, 2 इंसास राइफल, 606 जिंदा राउंड, 37 किलोग्राम कार्डेक्स तार और अन्य उपकरण जब्त किए गए। डीजीपी ने हाल ही में आत्मसमर्पण करने वाले मदकम देवा उर्फ भगत (डिविजनल कमेटी सदस्य) सहित 13 यूजी कैडरों को 22 लाख रुपये के चेक सौंपे। पिछले एक साल में, विभिन्न पदों पर आत्मसमर्पण करने वाले 48 माओवादियों को कुल 64 लाख रुपये का इनाम दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता ने कहा कि हाल ही में आंध्र प्रदेश में पांच मुठभेड़ की घटनाएं हुईं, जिनमें केंद्रीय समिति सदस्य उदय, राज्य समिति सदस्य अरुणा, जगन और संभागीय समिति सचिव रमेश सहित छह माओवादी मारे गए। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास से आठ हथियार भी जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सात माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि चालीस माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। डीजीपी ने माओवादी श से आत्मसमर्पण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश पुलिस विभाग आत्मसमर्पण नीति के अनुसार उनके आत्मसमर्पण में सहयोग करेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि उन पर इनाम के अलावा, उन्हें आवास और रोज़गार के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विभिन्न राज्यों में माओवादी पार्टी में आंध्र प्रदेश के बीस स्थानीय लोग काम कर रहे हैं, जिनमें से पाँच एसजेडसीएम (एनएसएस) के पद पर हैं।

जीएम ने सिकंदराबाद मंडल में रियर विंडो निरीक्षण किया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सिकंदराबाद मंडल के सिकंदराबाद, सीताफलमंडी, मुफ्तीगंज, मौला-अली, अम्मुगुड़ा, सनतनगर, हैदराबाद, बंगापल्ली, भुवनगिरी खंड में विस्तृत रियर विंडो निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन, हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई और मुख्यालय एवं मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। संजय कुमार श्रीवास्तव ने सिकंदराबाद-सीताफलमंडी-मुफ्तीगंज-मौला-अली-अम्मुगुड़ा-सनतनगर-हैदराबाद-बंगापल्ली-भुवनगिरी खंड में विस्तृत रियर विंडो निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने पटरियों, पुलों और सिग्नलिंग प्रणालियों के रखरखाव से संबंधित सुरक्षा पहलुओं की जांच की। उन्होंने ट्रेन के संचालन के दौरान लोको कर्मचारियों के कर्तव्यों और सतर्कता की भी जांच की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने और मानसून के मौसम को देखते हुए अधिक सतर्क रहने की सलाह दी।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर हॉल में स्व.श्री ढगलारामजी वरपा की श्रद्धांजलि सभा में पुष्प अर्पित करते हुए मांगीलाल, भीकाराम, पुसाराम, किशोर वरपा, हकाराम पंवार, पेमाराम खंडाला, प्रकाश, रमेश सीरवी, सीरवी समाज के गणमान्य मोहनलाल हाम्बड़, रामलाल परिहार, पुखराज चोयल, दौलतराम पंवार, हीरालाल सैंणचा, भाणाराम वरपा, देवाराम, मोतीलाल चोयल, केसाराम सीरवी, पोकरराम पंवार व अन्य।

गैर-लाइसेंसी उद्योगों के लिए बीआईएस द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो हैदराबाद शाखा द्वारा जीडीमेटला इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के सहयोग से गैर-लाइसेंसी उद्योगों के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 25 जुलाई किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 विनिर्माताओं और औद्योगिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीआईएस की संयुक्त निदेशक श्रीमती सनु सविता ने प्रतिभागियों को भारतीय मानकों, बीआईएस लाइसेंसिंग प्रक्रिया, और उद्योगों को इससे होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उद्योगों से आग्रह किया कि वे गुणवत्ता और भारतीय मानकों को अपनाकर गुणवत्तापूर्ण भारत के निर्माण में सहयोग करें।

श्रीमती सविता ने भारत सरकार द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों के महत्व और आने वाले अनिवार्य आदेशों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बीआईएस की नई पहलों जैसे कि बीआईएस केयर ऐप, जो उपभोक्ताओं को आईएसआई चिह्नित उत्पादों की जांच और शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है, और पोर्टल, जो मानकों के विकास में भागीदारी को प्रोत्साहित करता है के बारे में भी विस्तार से बताया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि मानकों को अपनाना न केवल उत्पाद की गुणवत्ता और उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाता है, बल्कि उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को भी मजबूत करता है। उन्होंने सभी उद्योगों से स्वैच्छिक रूप से बीआईएस प्रमाणन प्राप्त करने का आग्रह किया।

पोडू किसानों की वन अधिकारियों से झड़प

खम्मम, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कोनिजारला मंडल के येल्लनगर गांव में पोडू भूमि को लेकर शनिवार को किसानों और वन विभाग के अधिकारियों के बीच झड़प हो गई। किसानों का वन अधिकारियों से झगड़ा हो गया, उनका आरोप था कि उन्होंने अपने लगाए कपास के पौधे उखाड़ दिए हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पोडू किसान अतिरिक्त पोडू भूमि बनाने की कोशिश में वन सीमा पार कर गए थे।

कसानों का कहना था कि वे उस ज़मीन पर फ़सल उगा रहे हैं जिसके लिए उन्हें वनाधिकार पट्टा दिया गया था। किसानों और वन अधिकारियों ने एक-दूसरे के ख़िलाफ़ कोनिजारला पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आरसीबी से छिनेगी आईपीएल मैचों की मेजबानी!

बेंगलुरू में भगदड़ के बाद लगा झटका

घर में खेलने को तरस जाएंगे कोहली

बेंगलुरु, 26 जुलाई (एजेंसियां)। विराट कोहली की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को बेंगलुरु में हुई भगदड़ के बाद बड़ा झटका लग सकता है. यह भगदड़ आरसीबी के आईपीएल जीतने के जश्न के दौरान मची थी, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी. अब इस मामले की जांच में बेंगलुरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को असुरक्षित करार दिया गया है. इसके चलते आरसीबी से अगले साल होने वाले आईपीएल के मैचों की मेजबानी छिन सकती है.

चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई इस भगदड़ का मामला कोर्ट तक पहुंचा था. इसके बाद कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा कमीशन गठित की थी. क्रिकइंफो के मुताबिक जांच आयोग ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़े आयोजनों की मेजबानी के लिए असुरक्षित घोषित कर किया है. रिपोर्ट में पाया गया कि स्टेडियम के भीतर 100 से भी कम पुलिसकर्मी तैनात थे. स्टेडियम के बाहर जब विक्ट्री परेड में आरसीबी के फैंस की भारी भीड़ उमड़ी, तब भी वहां पर्याप्त सुरक्षाकर्मी नहीं थे. इसके अलावा आयोजन स्थल पर कोई एम्बुलेंस नहीं थी. कर्नाटक सरकार आरसीबी के खिलाफ मामला दर्ज करने की अनुमति इस महीने की शुरुआत में दे चुकी है. ऐसे में आरसीबी का संकट में फंसना तय लग रहा है.

आरसीबी ने इस साल 3 जून को खेले गए आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स को हराया था. यह 18 साल के आईपीएल इतिहास में पहला मौका था जब विराट कोहली की टीम चैंपियन बनी थी. रजत पाटीदार की कप्तानी में चैंपियन बनने के बाद आरसीबी फ्रैंचाइजी ने बेंगलुरू में विक्ट्री परेड निकालना तय किया. इसके लिए देर रात सोशल मीडिया पर जानकारी दी गई. अगले दिन जब आरसीबी की टीम अहमदाबाद से बेंगलुरू पहुंची तो सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ चुकी थी. उधर, बेंगलुरू पुलिस ने आरसीबी को विक्ट्री परेड निकालने की इजाजत नहीं दी. पुलिस का कहना था कि इतने कम वक्त में तैयारी संभव नहीं हैं लेकिन तब तक आरसीबी के फैंस सड़कों पर आ चुके थे. जब हजारों फैंस एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर पहुंचे तो हालात बिगड़ गए और भगदड़ मच गई.

मैनचेस्टर में जो रूट के 5 रिकॉर्ड्स

टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बैटर; पोंटिंग, कैलिस और द्रविड़ को पीछे छोड़ा

मैनचेस्टर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने मैनचेस्टर टेस्ट मैच में कमाल की बल्लेबाजी की और कई रिकॉर्ड इस दौरान उन्होंने अपने नाम किए। वे टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। सचिन उनसे आगे हैं।

जो रूट ने किए 5 कमाल

जो रूट ने मैनचेस्टर टेस्ट मैच में 150 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 5 बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। वे महान खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हैं और लगातार रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाते जा रहे हैं। कौन-कौन से रिकॉर्ड उन्होंने बनाए, इसके बारे में जान लीजिए।

रूट टेस्ट में दूसरे टॉप स्कोरर

जो रूट टेस्ट क्रिकेट में अब दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। एक ही मैच में उन्होंने रिकी पोंटिंग, जैक कैलिस और राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ा है। वे अब सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। सचिन के नाम 15921 और रूट के नाम 13409 रन हैं।

भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक

भारत के खिलाफ अगर किसी बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा टेस्ट शतक जड़े हैं तो वह जो रूट हैं। जो रूट ने अब तक 12 बार भारत के खिलाफ इस फॉर्मेट में शतक जड़ा है। स्टीव स्मिथ ने 11 बार टेस्ट में भारतीय टीम के खिलाफ सेंचुरी जड़ी है।

टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले जो रूट अब दुनिया के संयुक्त रूप से चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन जो रूट ने 38वां टेस्ट शतक जड़ा। इस तरह उन्होंने कुमार संगकारा की बराबरी कर ली। उनसे आगे अब सचिन तेंदुलकर (51), जैक कैलिस (45) और रिकी पोंटिंग (41) हैं।

टेस्ट क्रिकेट में 50+ स्कोर का करिश्मा

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने के मामले में जो रूट अब दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। रिकी पोंटिंग को उन्होंने पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 103 बार टेस्ट में ये कमाल किया था, जबकि रूट ने 104 बार 50 से ज्यादा रन टेस्ट मैच में बनाए। सचिन ने 119 बार ये करिश्मा किया है।

रूट का एक और धमाल

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 150 या इससे ज्यादा रनों की पारी खेलने के मामले में जो रूट ने टॉप 5 में एंट्री मार ली है। सचिन ने 20, ब्रायन लारा और कुमार संगकारा ने 19-19, डॉन ब्रैडमैन ने 18 और महेला जयवर्धने ने 16 बार ये कमाल किया था। 16वीं बार ही जो रूट ने भी 150 या इससे ज्यादा रन टेस्ट में बनाए हैं।

अनहत ने विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

अटवाल सीनियर ओपन में संयुक्त पांचवें स्थान पर

न्यू काहिरा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनहत सिंह कैरो में विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप के महिला एकल सेमीफाइनल में मिस्र की नाडिएन एलहमामी से हार गईं जिससे उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी लेकिन अंत में मिस्र की खिलाड़ी से 6-11, 12-14, 10-12 से हार गईं।

सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही 17 वर्षीय अनहत 2010 में दीपिका पल्लीकल के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं थीं। अगर वह जीत जातीं तो 2005 में जोशना चिनप्पा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद महिला व्यक्तिगत वर्ग में फाइनल में पहुंचने वाली केवल दूसरी भारतीय बन जातीं।

अटवाल सीनियर ओपन में संयुक्त पांचवें स्थान पर

चैंपियंस टूर पीजीए में अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल ने आईएसपीएस हांडा सीनियर ओपन के पहले दौर में तीन अंडर 67 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। अटवाल ने इससे पहले यूएस सीनियर ओपन में भी कट हासिल किया था। भारत के दो अन्य गोल्फर ज्योति रंधावा (70) इवन पार के कार्ड से संयुक्त 42वें जबकि जीव मिल्खा सिंह (71) एक ओवर से संयुक्त 69वें स्थान पर बने हुए हैं। संयुक्त रूप से 70 स्थान पर रहने वाले गोल्फर कट हासिल करेंगे।

जसप्रीत बुमराह इस स्थिति में होते हैं ज्यादा खतरनाक

इंग्लैंड के दिग्गज का बड़ा बयान

मैनचेस्टर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया इन दिनों इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का चौथा मैच मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया बैकफुट पर दिखाई दे रही है। इस मैच में टीम इंडिया की गेंदबाजी बेहद साधारण रही, गेंदबाजों को विकेट लेने के लिए काफी तरसना पड़ा। जसप्रीत बुमराह भी अभी तक मैच में कुछ खास कमाल नहीं कर पाए, जहां टीम को उनसे 3-4 विकेट की उम्मीद होती है वहीं बुमराह इस मैच अभी तक महज 1 विकेट ही चटका पाए हैं। तीसरे दिन बुमराह काफी थके-थके दिख रहे थे और उनकी गेंद की रफ्तार भी काफी धीमी थी। वहीं इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जोनाथन ट्रॉट ने बताया कि किस स्थिति में बुमराह ज्यादा खतरनाक साबित होते हैं?

जोनाथन ट्रॉट का बड़ा बयान

जियोहॉटस्टार पर बातचीत करते हुए इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जोनाथन ट्रॉट ने बताया "बुमराह ने काफी अच्छी गेंदबाजी की उनका इकॉनमी रेट भी यही दर्शाता है, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। जब उनको दोनों तरफ से सहयोग मिलता है तो ज्यादा सफल रहते हैं, लेकिन तीसरे दिन ऐसा देखने को नहीं मिला। जब आपकी गेंदबाजी कमजोर होती है तो आपको दोनों छोर से दबाव बनाना पड़ता है।"

'खरे नहीं उतरे अंशुल कंबोज'

आगे ट्रॉट ने बताया कि "अंशुल कंबोज को जिस लिए टीम में लाया गया था वे उसपर खरे नहीं उतरे। टीम इंडिया को तेज गेंदबाजी डिपार्टमेंट में सुधार करने की जरूरत थी। तेज गेंदबाजों ने 82 ओवर डाले और उनको महज 3 विकेट ही मिल पाए। वहीं स्पिन गेंदबाजों ने 52 ओवरों के अंदर ही 4 विकेट चटकाए। अब उनको इस चीज की समीक्षा करनी होगी।"

तीसरे दिन ऐसा रहा था खेल

तीसरे दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 544 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से जो रूट ने 150 रनों की पारी खेली थी।

इसके अलावा ओली पोप ने 71 रन बनाए थे। वहीं कप्तान बेन स्टोक्स 77 रन बनाकर नाबाद रहे थे। टीम इंडिया की तरफ से गेंदबाजी करते हुए रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने 2-2 विकेट चटकाए थे।

एशिया कप क्रिकेट यूएई में खेला जाएगा

9 से 28 सितंबर के बीच होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लंबे समय से विवादों, राजनीतिक तनातनी और अनिश्चितताओं में उलझे एशिया कप को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। एशिया कप के शेड्यूल का जल्द ऐलान हो सकता है। ये खबर भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों के क्रिकेट फैंस के लिए राहत देने वाली है। जानकारी के मुताबिक, एशिया कप 2025 का पूरा शेड्यूल अगले 24 से 48 घंटों के भीतर जारी हो सकता है। एशिया कप के शेड्यूल को लेकर खुलासा किया है कि एशिया कप को लेकर अब हालात सुधरते दिख रहे हैं और शेड्यूल की घोषणा महज औपचारिकता बनकर रह गई है। हाल ही में ढाका में आयोजित एशियन क्रिकेट काउंसिल यानी एसीसी की मीटिंग के बाद यह अहम जानकारी सामने आई है। बता दें, यह मीटिंग भी भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच चल रहे कूटनीतिक तनाव के चलते विवादों में रही। हालांकि, अब मामला सुलझता नजर आ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, एशिया कप का शेड्यूल एक साथ नहीं, बल्कि दो चरणों में जारी किया जाएगा। शनिवार यानी 26 जुलाई को आंशिक घोषणा हो सकती है, जबकि बाकी शेड्यूल 28 जुलाई तक सामने आएगा। संभावना है कि टूर्नामेंट 10 से 28 सितंबर के बीच खेला जाएगा, हालांकि इन तारीखों में मामूली बदलाव संभव है।टूर्नामेंट के मैच संयुक्त अरब अमीरात के दुबई और अबू धाबी में खेले जाने की संभावना है। मौसम, सुविधाएं और व्यावसायिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इन शहरों को प्राथमिकता दी गई है। बीसीसीआई, जो इस बार आधिकारिक मेजबान है, शेड्यूल के अंतिम मसौदे पर काम कर रहा है। इसमें थोड़ा बदलाव हो सकता है, लेकिन कुल मिलाकर समय सीमा वही रहेगी। सितंबर का दूसरा या तीसरा हफ्ता। बीसीसीआई ने एसीसी को सूचित किया है कि कुछ व्यावसायिक साझेदारों से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी होनी बाकी हैं, जिसके बाद शेड्यूल पर मुहर लगेगी।

संजीव गोयनका बदलेंगे अपनी टीम का नाम

इंग्लैंड में लिया बड़ा फैसला

खेल डेस्क, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स के ओनर संजीव गोयनका ने अपनी टीम का नाम बदलने का फैसला किया है. उनकी टीम अगले सीजन में एक नए नाम से जानी जाएगी. इस टीम की जर्सी का कलर बदलने की बात भी चल रही है. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में एलएसजी का प्रदर्शन काफी खराब रहा था और वो पहले दौर से ही बाहर हो गई थी. अब टीम के ओनर अपनी टीम का नाम बदलने का फैसला किया है, लेकिन वो एलएसजी का नाम नहीं बदलने जा रहे हैं, बल्कि इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग की फ्रेंचाइजी मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का नाम चेंज करेंगे. उन्होंने इस फ्रेंचाइजी की 70 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है.

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का बदलेगा नाम!

इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग की फ्रेंचाइजी मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के नए ओनर संजीव गोयनका इस टीम का नाम बदलने जा रहे हैं. क्रिकबज की रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2026 में इस लीग में ये टीम मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के नाम से मैदान में खेलने के लिए उतरेगी. लखनऊ सुपर जायंट्स और डरबन सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने मैनचेस्टर ओरिजिनल्स में 70 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी कंपनी आरपीएसजी ग्रुप ने गुरुवार 24 जुलाई को मैनचेस्टर में 935 करोड़ रुपये में इस टीम की 70 फीसद हिस्सेदारी खरीदी है. अब इस टीम की जर्सी का कलर भी बदलने की बात चल रही है. इस टीम की जर्सी का कलर अभी तक काला था, जिसे नीले कलर में बदला जा सकता है.

अब संजीव गोयनका की टीम में खेलेंगे जॉस बटलर

आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलने वाले जॉस बटलर द हंड्रेड लीग में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की ओर से खेलते हैं. इस टीम में फिल सॉल्ट, हेनरिक क्लासेन और जेम्स एंडरसन भी शामिल हैं, जबकि महिला टीम की ओर से सोफी एक्लेस्टोन, बेथ मूनी, अमेलिया केर और डिएंड्रा डॉटिन खेलती हैं. इस टीम ने साल 2022 में इस लीग का खिताब अपने नाम किया था, जबकि साल 2023 में ये टीम उपविजेता रही. हालांकि महिला टीम अभी तक इस लीग के प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई है.

संजीव गोयनका ने क्या कहा?

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स को खरीदने के बाद संजीव गोयनका ने कहा कि हम लंकाशर क्रिकेट का सम्मान करते हैं. मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का अपने आरपीएसजी परिवार में स्वागत करते हैं. उन्होंने कहा कि हम खिलाड़ियों और सहयोगी टीम के साथ अच्छा रिश्ता रखेंगे.

उधर, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के अध्यक्ष जेम्स शेरिडन का कहना है कि आरपीएसजी ग्रुप के साथ साझेदारी का मतलब है कि वे एलएसजी की तरह इस टीम को काफी ऊंचाई पर ले जाएंगे. उन्होंने कहा कि हम अपने क्रिकेट फैंस को एक ऐसा अनुभव प्रदान करना चाहते हैं जो इंग्लिश क्रिकेट में पहले कभी नहीं देखा गया है. हालांकि रिपोर्ट्स के मुताबिक लंकाशर क्रिकेट क्लब की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है.

टैम्पियर ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे सुमित नागल

अर्जेंटीना के निकोलस किकर को हराया

टैम्पियर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के सुमित नागल ने अर्जेंटीना के क्वालिफायर निकोलस किकर को सीधे सेटों में हराकर फिनलैंड में टैम्पियर एटीपी चैलेंजर प्रतियोगिता के एकल सेमीफाइनल में जगह पक्की की। विश्व रैंकिंग में 306वें स्थान पर काबिज 28 साल के भारतीय खिलाड़ी ने रैंकिंग में 361वीं स्थान के खिलाड़ी किकर को 6-4, 6-3 से हराया।

दोनों खिलाड़ियों के बीच यह तीन मुकाबलों में नागल की यह दूसरी जीत है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी के 51 अंकों के मुकाबले 67 अंक जीते। नागल धीरे-धीरे लय में वापसी कर रहे है। वह इससे पहले इटली में ट्रायस्टे चैलेंजर में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। नागल ने 10 फाइनल में से छह चैलेंजर एकल खिताब जीते हैं।

इस बीच अमेरिका के ब्लूमफील्ड हिल्स में क्रैनब्रुक टेनिस क्लासिक अनिरुद्ध चंद्रशेखर और रामकुमार रामनाथन की भारतीय जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को स्थानीय वाइल्ड कार्ड स्टेफन दोस्तनिक और बेंजामिन किट्टाय से 6-4, 4-6, 7-10 से शिकस्त मिली।

एम्मा रादुकानू और लेयला फर्नांडीज डीसी ओपन के सेमीफाइनल में, सकारी और टेलर बाहर

वॉशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां)। एम्मा रादुकानू ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मारिया सकारी को 6-4, 7-5 से हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने 2021 में अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाई।

रादुकानू ने दूसरे सेट में 5-2 से पिछड़ने के बाद मैच के आखिरी पांच गेम जीतकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की जहां उनका सामना अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को 6-3 7-5 से हराया। महिला वर्ग में 2021 के अमेरिकी ओपन की उप विजेता लेयला फर्नांडीज ने भी क्वालीफायर टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। फर्नांडीज का अगला मुकाबला 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना से होगा जिन्होंने मैग्डानेला फ्रेच को 6-3, 6-3 से हराया। मैग्डानेला फ्रेच ने इससे पहले गुरुवार को वीनस विलियम्स को हराया था। पुरुष वर्ग में अमेरिका के बेन शेल्टन लगातार दूसरे साल डीसी ओपन के सेमीफ़ाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने क्वार्टर फ़ाइनल में हमवतन फ्रांसिस टियाफ़ो को 7-6(2) 6-4 से हराया। एलेक्स डी मिनौर और कोरेंटिन मौटेट भी सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका आमना सामना होगा। डी मिनौर ने ब्रैंडन नाकाशिमा को 6-4, 6-4 से और मौटेट ने 2021 के अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव को 1-6, 6-4, 6-4 से हराया।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को हराया

बारबाडोस, 26 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को उसके घर में तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से हरा दिया है। इस जीत में ऑस्ट्रेलिया के टिम डेविड का अहम रोल रहा जिसमें उन्होंने शतक जमाया। ये डेविड का ऐतिहासिक शतक है जिससे उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। टिम डेविड के तूफानी शतक के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने वार्नर पार्क में खेले गए तीसरे और आखिरी टी20 मैच में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट खोकर 214 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने 16.1 ओवरों में ही इस विशाल टारगेट को चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त ले ली है। ऑस्ट्रेलिया की इस जीत में टिम डेविड के शतक का अहम रोल रहा। उन्होंने 37 गेंदों पर शतक जमाया जो किसी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज द्वारा टी20 इंटरनेशल में जमाया गया सबसे तेज शतक है। उनसे पहले ये रिकॉर्ड जोस इंग्लिस के नाम था जिन्होंने 43 गेंदों पर स्कॉटलैंड के खिलाफ शतक जमाया था। डेविड ने अपन पारी में 37 गेंदों का सामना करते हुए छह चौके और 11 छक्के मारे। वह 102 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके साथ मिचेल ओवन भी 36 रन बनाकर नाबाद रहे। डेविड के शतक ने वेस्टइंडीज के कप्तान शै होप के शतक पर पानी फेर दिया। मेजबान टीम के कप्तान ने 57 गेंदों पर आठ चौके और छह छक्कों की मदद से नाबाद 102 रनों की पारी खेली थी। उनके अलावा ब्रेंडन किंग ने वेस्टइंडीज के लिए 36 गेंदों पर तीन चौके और छह छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों ने ओपनिंग की और पहले विकेट के लिए 125 रन जोड़े। किंग पहले आउट हुए।

मेसी-आल्बा पर एक मैच का बैन

एमएलएस ऑल-स्टार गेम में न खेलने के कारण एक्शन

फोर्ट लॉडरडेल,, 26 जुलाई (एजेंसियां)। इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी और जोर्डी आल्बा को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने एक-एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है। यह फैसला दोनों खिलाड़ियों के इस साल के एमएलएस ऑल-स्टार गेम में हिस्सा नहीं लेने के चलते लिया गया है। अब यह दोनों खिलाड़ी मियामी की अगली लीग मैच में एफसी सिनसिनाटी के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। एमएलएस ने बयान में कहा, "लीग नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो ऑल-स्टार गेम में बिना पूर्व स्वीकृति के भाग नहीं लेता, वह अपनी क्लब की अगली प्रतियोगिता में खेलने के लिए अयोग्य होता है।" एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा, "मुझे पता है कि लियोनेल मेसी इस लीग से कितना प्रेम करते हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई भी खिलाड़ी – या कोई और – मेजर लीग सॉकर के लिए मेसी से ज्यादा योगदान दिया है। मैं उनके इंटर मियामी के प्रति समर्पण को पूरी तरह समझता और सम्मान करता हूं। लेकिन ऑल-स्टार गेम में भागीदारी को लेकर हमारी एक पुरानी नीति है और हमें उसका पालन करना पड़ा। यह निर्णय लेना बहुत कठिन था।"

उन्होंने आगे कहा, "हालांकि, हम इस नीति की समीक्षा करने जा रहे हैं। मैं खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करूंगा ताकि यह तय किया जा सके कि इस नियम को आगे कैसे विकसित किया जाए।" गौरतलब है कि मेसी और आल्बा दोनों को प्रशंसकों और मीडिया द्वारा एमएलएस ऑल-स्टार मैच के लिए चुना गया था, लेकिन दोनों ने लीगा एमएक्स ऑल-स्टार्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भाग नहीं लिया, जिसमें एमएलएस ऑल-स्टार टीम ने 3-1 से जीत दर्ज की।

भट्टी ने एमसीआर एचआरडी संस्थान के संसाधनों के इष्टतम उपयोग का आह्वान किया

एमसीआरडी के शासी निकाय उप-समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने इस बात पर ज़ोर दिया कि डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान को देश के प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। शनिवार को एमसीआरडी (डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान) के लिए शासी निकाय उप-समिति की बैठक के दौरान, भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि यह संस्थान 30 एकड़ में फैला है और इसका नेतृत्व एक उच्च योग्यता प्राप्त पूर्व मुख्य सचिव कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाले संसाधनों का पूर्ण उपयोग करने का आग्रह किया। बैठक में उप-समिति के सदस्य उपस्थित थे, जिनमें मंत्री श्रीधर बाबू, सड़क एवं भवन निर्माण मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और एमसीआरडी की महानिदेशक एवं उपाध्यक्ष शांति कुमारी भी शामिल थीं। उप-समिति के अध्यक्ष भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि संस्थान को अपेक्षित मानकों को पूरा करने के लिए वित्तीय स्वतंत्रता और विकास का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बैठक के दौरान मंत्रियों द्वारा दिए गए सभी सुझावों पर अमल किया जाना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने ज़ोर देकर कहा, तेलंगाना का लक्ष्य भारत का पहला ऐसा राज्य बनना है जो अपने शासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को पूरी तरह से शामिल करे। इसके लिए, प्रधान सचिवों से लेकर ग्राम अधिकारियों तक, सभी स्तरों के अधिकारियों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। मंत्री श्रीधर बाबू ने सुझाव दिया कि अधिकारियों को एआई प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रमाण पत्र प्राप्त हों। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कॉलेज के प्रधानाचार्यों को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएसी) से मान्यता प्राप्त करने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, जिससे केंद्र सरकार से धन प्राप्त करने की उनकी संभावनाएं बेहतर होंगी। मंत्री ने प्रस्ताव दिया कि स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के नेताओं के लिए जिला और मंडल स्तर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएं ताकि उनके वित्तीय विकास को बढ़ावा मिले और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिले। एमसीआरडी को पिछले एक दशक से उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है। आगे बढ़ते हुए, प्रगति का आकलन करने के लिए उप-समिति हर छह महीने में बैठक करेगी। अधिकारियों और कर्मचारियों को नवीनतम वैश्विक तकनीकों और प्रगति को अपनाने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि कर्मचारियों को आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ जुड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। महानिदेशक और उपाध्यक्ष शांति कुमारी ने मंत्रियों के समक्ष विभिन्न विषयों पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया, जिसमें एमसीआरडी का इतिहास, पुस्तकालय, सभागार और छात्रावास जैसी सुविधाएं, प्रशिक्षण के लिए विभिन्न राज्य सरकारों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों का विवरण, अब तक प्रशिक्षित अधिकारियों की कुल संख्या और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अवधि, प्रशिक्षण पद्धतियों में सुधार के लिए उठाए गए कदम और बजटीय विवरण और भविष्य की योजनाएं शामिल थीं।

संपत्ति सीलिंग अभियान के दौरान हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी की मौत

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड के एक अधिकारी की शनिवार सुबह मेहदीपटनम में एक संपत्ति को सील करने के दौरान हुई हाथापाई के दौरान कथित तौर पर हमले के बाद मौत हो गई। तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड में सहायक संपदा अधिकारी के पद पर कार्यरत आर जगदीश्वर राव (52) अपने सहकर्मियों के साथ सुबह मेहदीपटनम स्थित एमपी फंक्शन हॉल गए थे। आवास बोर्ड ने अदालत से अपने पक्ष में आदेश प्राप्त कर लिया था और समारोह हॉल पर कब्जा लेने चला गया था। तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, खाजा इशाकुद्दीन नाम के व्यक्ति को बोर्ड का 1.22 करोड़ रुपये का बकाया चुकाना है। लीज़ 2014 में खत्म हो गई थी और चूंकि अदालत में मामला चल रहा था, इसलिए हाउसिंग बोर्ड के पक्ष में फैसला सुनाया गया और पुलिस को सूचित करने के बाद हम उस जगह को सील करने गए। टीम ने समारोह हॉल के तीन गेटों में से एक को बंद कर दिया था और जब वे दूसरे गेट को बंद करने का प्रयास कर रहे थे, तभी तनाव उत्पन्न हो गया। धक्का-मुक्की के दौरान जगदीश्वर राव गिर पड़े और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आवास बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि खाजा इशाकुद्दीन ने अधिकारियों को अपना काम करने से रोकने के लिए बाउंसरों को इकट्ठा किया था। सूचना पर आसिफनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामला दर्ज कर लिया गया है।

शेखपेट में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई

आईटी कैम्पस में 19.3 मिमी बारिश दर्ज

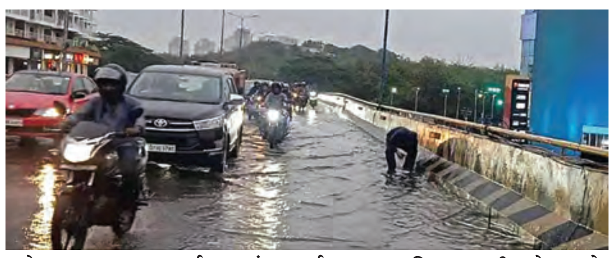

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में शुक्रवार रात भारी बारिश हुई, शेखपेट में एमसीआरएचआरडी आईटी कैम्पस में 19.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो शुक्रवार रात 9 बजे तक शहर में सबसे अधिक थी। बारिश, जो शाम 5 बजे के आसपास शुरू हुई, शहर के कई इलाकों में जारी रही, जिनमें कुतुबुल्लापुर, सेरिलिंगमपल्ली, पाटनचेरु, उप्पल, कुकटपल्ली, कपरा, खैरताबाद, मुशीराबाद, मल्काजगिरी, सिकंदराबाद, बालानगर, शैकपेट, बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स और शहर के अन्य हिस्से शामिल हैं। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी (टीजीडीपीएस) ने रात 9 बजे तक की बारिश मापी और अपने पोर्टल पर आँकड़े अपलोड किए। बहादुरपुरा के सुलेमान नगर स्थित सेटविन केंद्र में सबसे कम 2.3 मिमी बारिश दर्ज की गई।

हिमायतसागर में जल का प्रवाह जारी है, जीएचएमसी के अधिकारी हुसैन सागर में जल स्तर पर बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और पूर्ण टैंक स्तर (एफटीएल) बनाए रख रहे हैं। रात 8.30 बजे तक हुसैन सागर का जलस्तर 513.20 मीटर पर पहुँच गया, जबकि न्यूनतम जलस्तर 514.75 मीटर था। हुसैन सागर का एफटीएल 513.41 मीटर है। इस बीच, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी) ने बुधवार शाम 5 बजे दोनों जलाशयों के जल स्तर के आंकड़े जारी किए। उस्मानसागर का जलस्तर 1,782 फीट था, जबकि इसकी अधिकतम जल सीमा 1,790 फीट है। ऊपरी इलाकों में बारिश न होने के कारण जलाशय में पानी का प्रवाह नहीं हो रहा था। हिमायतसागर में जलस्तर 1,761 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसका अधिकतम जलस्तर 1,763 फीट है। हालाँकि, आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, जलाशय में 250 क्यूसेक पानी का प्रवाह जारी है।

1.9 करोड़ रुपये के व्हाट्सएप घोटाले में दो लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने शुक्रवार को एक कंपनी के प्रबंधन के एक वरिष्ठ अधिकारी का कथित रूप से प्रतिरूपण करने और एक कर्मचारी से 1.9 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में मध्य प्रदेश से अजय साहू और उत्तर प्रदेश से वैष्णा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि दोनों ने शिकायतकर्ता से व्हाट्सएप पर संपर्क किया और कार्यालय में उसके वरिष्ठ अधिकारी की तस्वीर लगाकर उसे एक नई परियोजना के लिए राशि हस्तांतरित करने को कहा। पीड़ित ने मैसेज को असली और अपने मैनेजिंग डायरेक्टर का समझकर बताए गए खाते में रकम ट्रांसफर कर दी। बाद में उसे धोखाधड़ी का एहसास हुआ और उसने पुलिस से संपर्क किया।

मुख्यमंत्री ने राजनीति में धन के प्रभाव को कम करने पर जोर दिया

सीएम ने एस जयपाल रेड्डी स्मृति पुरस्कार समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने देश की राजनीतिक व्यवस्था में धन के प्रभाव को कम करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। मुख्यमंत्री ने वैचारिक राजनीतिक व्यवस्था के स्थान पर प्रबंधन की राजनीति के बढ़ते प्रभुत्व पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

आज यहां आईसीएफएआई (कैपिटल फ़ाउंडेशन सोसाइटी) एस जयपाल रेड्डी स्मृति पुरस्कार समारोह में भाग लेते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पैसा राजनीतिक व्यवस्था को नियंत्रित कर रहा है और इसके परिणाम समाज के लिए एक ख़तरा पैदा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि 'स्विगी राजनीति' का दुर्भाग्यपूर्ण चलन देश में आम बात है। भविष्य में देश के लिए योग्य नेताओं को तैयार करने हेतु विश्वविद्यालयों में छात्र राजनीति को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका की भी उपेक्षा की जा रही है और वैचारिक राजनीति को बनाए रखना एक बड़ा जोखिम हो सकता है। मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि विपक्षी दलों को रचनात्मक सुझाव देने चाहिए और उनकी सरकार उन्हें आमंत्रित करने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री बनने के बाद से किसी भी विपक्षी सदस्य को विधानसभा से निलंबित नहीं किया जाना, विपक्ष को अच्छे सुझावों के साथ आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के उनके प्रयासों का एक हिस्सा था। जयपाल रेड्डी द्वारा देश के लिए दी गई अभूतपूर्व सेवाओं को याद करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वरिष्ठ नेता ने सर्वश्रेष्ठ सांसद के रूप में भारतीय राजनीति में एक अमिट छाप छोड़ी है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपाल रेड्डी ने संसद में बिना किसी बहस के तेलंगाना विधेयक पारित कराने में अहम भूमिका निभाई। सोनिया गांधी ने भी तेलंगाना के गठन में जयपाल रेड्डी की भूमिका को स्वीकार किया था और उन्होंने भी जयपाल रेड्डी के साथ अपनी बात साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर जयपाल रेड्डी संसद में मौजूद नहीं होते, तो तेलंगाना का गठन नहीं होता। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय नेता द्वारा पेट्रोलियम मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कई सुधारों को लागू करने और प्रसार भारती अधिनियम लाने की पहल को याद किया। जयपाल रेड्डी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत एक छात्र नेता के रूप में की थी।

वे पहली बार 1969 में कल्वाकुर्थी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए। जयपाल रेड्डी चार बार विधायक, पांच बार लोकसभा सांसद, दो बार राज्यसभा सदस्य और केंद्रीय मंत्री रहे। विधायक रहते हुए जयपाल रेड्डी प्रशासन में बदलाव लाने के बारे में ज़्यादा सोचते थे। इस वरिष्ठ नेता ने कल्वाकुर्थी में बिजली आपूर्ति के महत्व को पहचाना और इसके विकास का मार्ग प्रशस्त किया। साथ ही, उन्होंने राजनीति में धन के प्रभाव को कम करने के भी प्रयास किए।

आवारा कुत्तों ने 8 साल की बच्ची को नोच डाला

स्थानीय लोगों ने कार्रवाई की मांग की

संगारेड्डी, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद कस्बे के ड्रीम इंडिया कॉलोनी स्थित अपने आवास परिसर में खेलते समय आवारा कुत्तों के झुंड द्वारा हमला किए जाने से आठ वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के समय विजय की बेटी निकथा अपने घर के पास अकेली खेल रही थी। उसके माता-पिता उसे घर पर छोड़कर काम पर गए थे। आवारा कुत्तों का एक झुंड घर में घुस आया और उस पर हमला कर दिया। उसकी चीखें सुनकर स्थानीय लोग उसकी मदद के लिए दौड़े और कुत्तों को भगाया। उसे तुरंत जहीराबाद के सरकारी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे उन्नत उपचार के लिए हैदराबाद के एक अस्पताल में रेफर कर दिया।

निवासियों ने बढ़ते आवारा कुत्तों के खतरे पर रोष व्यक्त किया और नगर निगम अधिकारियों से कुत्तों को स्थानांतरित करने का आग्रह किया, उन्होंने दावा किया कि कॉलोनी में पहले ही कई निवासियों पर हमला हो चुका है।

दुर्घटना में दो डीएसपी की मौत, दो पुलिसकर्मी घायल

कार से किसी काम से हैदराबाद आ रही थी पुलिस टीम

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के यादाद्री में शनिवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में दो पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। रिपोर्टों के अनुसार, डीएसपी चंद्राकर राव और शांता राव, एएसपी प्रसाद और एक हेड कांस्टेबल नरसिंह राव की एक पुलिस टीम कार से किसी काम से हैदराबाद आ रही थी।

हादसा यदाद्री ज़िले के खैतापुरम में सुबह करीब 5 बजे हुआ, जब पुलिस टीम विजयवाड़ा से हैदराबाद आ रही थी। खैतापुरम पहुँचने पर, चालक ने तेज़ गति से गाड़ी को सड़क के डिवाइडर से टकरा दिया, जिससे कार सड़क के दूसरी ओर उछल गई। विपरीत दिशा से आ रही एक लॉरी ने कार को टक्कर मार दी। चंद्राकर राव और शांता राव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ड्राइवर नरसिंह राव और एएसपी प्रसाद घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। नरसिंह राव को बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद के एलबी नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस जाँच कर रही है। विजयवाड़ा से पुलिस अधिकारियों की एक टीम घटना की जाँच के लिए शहर पहुँच गई है। राचकोंडा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जाँच कर रही है।

मोस्ट वांटेड महिला माओवादी नेता श्री विद्या हैदराबाद में गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर पुलिस ने प्रतिबंधित भाकपा (माले) की मोस्ट वांटेड राज्य समिति सदस्य एन श्री विद्या उर्फ करुणा को गुरुवार को न्यू हफीजपेट से गिरफ्तार कर लिया।

उस पर 5 लाख रुपये का इनाम था। श्री विद्या, डीकेएसजेडसी की राज्य समिति के सदस्य और आईपीएस अधिकारी उमेश चंद्र की हत्या और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से जुड़े अलीपिरी विस्फोट की घटना में मुख्य संदिग्ध टी वासुदेव राव उर्फ आशना की पत्नी हैं।

पुलिस ने बताया कि नागरकुरनूल जिले की रहने वाली श्री विद्या ने हैदराबाद के जेएनटीयू से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की थी और 1992 में माओवादी पार्टी में शामिल हो गई थी। उसके भाई-बहन भी पार्टी के सक्रिय सदस्य थे।

शुरुआत में उन्होंने प्रतिबंधित भाकपा (माले) के अग्रिम संगठन, पीडब्ल्यूजी, चैतन्य महिला समाख्या के लिए काम किया। बाद में, वह 2006 में एक भूमिगत (यूजी) कैडर के रूप में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) पार्टी में शामिल हो गईं।

उन्होंने विशाखापत्तनम, मलकानगिरी में आदिवासी बच्चों और युवाओं के बीच पार्टी की विचारधारा का प्रचार किया, जिसके कारण छत्तीसगढ़ के नारायणपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा जिले के आदिवासी समुदायों के कई बच्चे और युवा सीपीआई (माओवादी) पार्टी में शामिल हुए। इसके बाद, उन्हें एसीएम, डीसीएम और एससीएम (क्रमशः क्षेत्र, मंडल और राज्य समिति सदस्य) के पद पर पदोन्नत किया गया। वह 2019 में एलबी नगर में दर्ज एक आपराधिक साजिश के मामले में भी शामिल थीं।

शादनगर में सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्री की मौत

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के शादनगर में शनिवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में पिता और पुत्री की मौत हो गई। मुचेन्द्र और उनकी बेटी मैत्राय बाइक पर जा रहे थे, तभी शादनगर रोड पर एक लॉरी ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। रिपोर्ट के अनुसार, मुचेन्द्र अपनी बेटी को बाइक पर बैठाकर पास के बस स्टॉप पर छोड़ने जा रहे थे, ताकि वह बस लेकर शमशाबाद स्थित अपने कॉलेज पहुंच सके। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। वाहन को जब्त कर लिया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय शवगृह में रखवा दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

वाईएस जगन मोहन रेड्डी का दावा

आंध्र प्रदेश पर बढ़ा वित्तीय संकट, सीएजी के आंकड़ों का हवाला दिया

अमरावती, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के विपक्षी नेता वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने शनिवार को दावा किया कि राज्य की वित्तीय स्थिति वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में और बिगड़ गई है। उन्होंने नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए यह बात कही। जगन रेड्डी ने कहा कि सीएजी की पहली तिमाही के मासिक आंकड़े खतरनाक स्थिति के संकेत दे रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में वित्तीय दबाव और भी बढ़ गया है। सीएजी की ओर से अपलोड किए गए मासिक आंकड़े स्पष्ट रूप से राज्य सरकार की वित्तीय स्थिरता को लेकर गंभीर स्थिति दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश जैसे राज्य में लोक वित्त प्रबंधन एक कठिन कार्य है, जो विभाजन से प्रभावित हुआ है। जगन रेड्डी ने कहा कि कल्याण और विकास के क्षेत्रों में सही मात्रा में खर्च ही निजी खपत और निवेश को प्रोत्साहित कर सकता है, जिससे आर्थिक प्रगति का चक्र चल सके।

वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में सालाना बढ़ोतरी के कमजोर आंकड़े दिखाते हैं कि सरकार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को कर और दूसरी कमाई के रास्तों से जो आमदनी मिलनी चाहिए थी, वो बहुत कम हुई है, जिससे वित्त वर्ष की पहली तिमाही में राज्य की कमाई काफी कमजोर रही।

बैद्यनाथ नागपुर
असली आयुर्वेद

स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।

बैद्यनाथ असली आयुर्वेद

अर्जुनामृत

- अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
- बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
- अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।

A.U.4127/09/25/283

आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

श्री रविकांत बालू, निजामाबाद
प्र. मुझे पांच साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। कब्ज़ की तकलिफ है। शौचाद्वारा रक्त गिरता है।
उ. **बैद्यनाथ सिढ्पाईल्स** 2-2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। **बैद्यनाथ अभयामृत** 2-2 चम्मच समभाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।

श्री आर. अय्यर, खम्मम
प्र. मेरी उम्र 55 वर्ष है। मै पेशाब की समस्या से परेशान हुँ। मुझे प्रोस्टेट की समस्या का पता चला है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।
उ. **बैद्यनाथ प्रोस्ट-एड टॅबलेट** 1-1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ लेवें।

श्रीमती लता क्रिष्णा, हैद्राबाद
प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।
उ. **बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय)** 1-1 टॅब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। **बैद्यनाथ कासविन** 2-2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व **बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण** आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री क्रिष्णा राव, विशाखापट्टनम्
प्र. मेरी आयु 60 वर्ष है। मुझे 5 वर्ष से मधुमेह हुवा है। शरीर में कमजोरी लगती है। कृपया आयुर्वेदिक उपाय बतायें।
उ. महोदय, आप अपने खान पान का ध्यान रखें। व शुगर बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का परेहज करें। **बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्स्** 1-1 चम्मच सुबह-शाम पानी के साथ सेवन करें। इसका सेवन लगातार करें यह दवा किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नही करती व रक्तशर्करा सामान्य बनाने में सहायक है।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतू सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 I www.baidyanath.co

एसबीआई एटीएम में लूट

पुलिस को अंतरराज्यीय गिरोह का संदेह

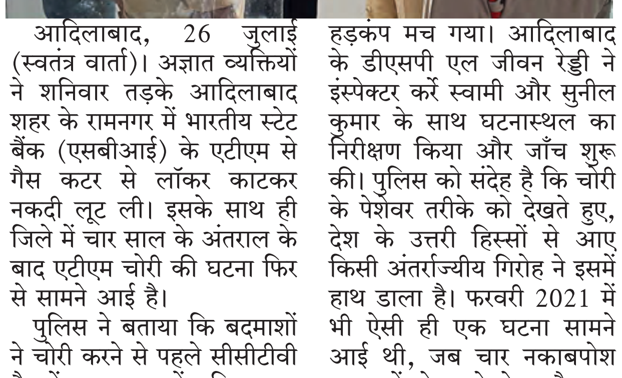

आदिलाबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने शनिवार तड़के आदिलाबाद शहर के रामनगर में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एटीएम से गैस कटर से लॉकर काटकर नकदी लूट ली। इसके साथ ही जिले में चार साल के अंतराल के बाद एटीएम चोरी की घटना फिर से सामने आई है।

पुलिस ने बताया कि बदमाशों ने चोरी करने से पहले सीसीटीवी कैमरों पर काला पेंट छिड़ककर निगरानी बंद कर दी। फिर उन्होंने गैस कटर से एटीएम के कैश वॉल्ट को तोड़ा और पैसे लेकर फरार हो गए। एसबीआई अधिकारियों द्वारा औपचारिक शिकायत दर्ज कराने के बाद ही चोरी की गई रकम का पता चलेगा। इस घटना से कस्बे में हड़कंप मच गया। आदिलाबाद के डीएसपी एल जीवन रेड्डी ने इंस्पेक्टर कर्रे स्वामी और सुनील कुमार के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और जाँच शुरू की। पुलिस को संदेह है कि चोरी के पेशेवर तरीके को देखते हुए, देश के उत्तरी हिस्सों से आए किसी अंतर्राज्यीय गिरोह ने इसमें हाथ डाला है। फरवरी 2021 में भी ऐसी ही एक घटना सामने आई थी, जब चार नकाबपोश बदमाशों ने कलेक्ट्रेट चौरास्ता स्थित एक कियोस्क से एक गाड़ी और रस्सी की मदद से एटीएम मशीन उखाड़ ली थी। वे 20 लाख रुपये लूटकर ले गए और बाद में मशीन के अवशेषों को आदिलाबाद ग्रामीण मंडल के बत्तीसावरगांव गांव के बाहरी इलाके में फेंक दिया था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.